सत्यमेव जयते
असम सरकार
चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग

असम सार्वभौमिक स्वास्थ्य समावेशन की राह पर

आयुष्मान भारत
की दृष्टि का विस्तार

असम सरकार

अपनी सफल प्रशासन के 2 वर्ष पूरा
होने के उपलक्ष्य में

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा

मुख्यमंत्री, असम के नेतृत्व में

शुभारंभ

आयुष्मान असम

मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (ए ए-एम एम जे ए वाई)

10 मई 2023 | सायं 4.00 बजे
श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी

योजना की महत्वपूर्ण विशेषताएं:

- पात्रता के योग्य प्रत्येक परिवार के लिए **प्रति वर्ष 5 लाख रुपये** तक कैशलेस चिकित्सा सेवा प्रदान करने वाली एक स्वास्थ्य निश्चयता योजना।
- वे लाभार्थी जो **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एन एफ एस ए)** के तहत सूचीबद्ध हैं, जिसके पास एक आधार कार्ड है तथा ए बी-पी एम जे ए वाई के अंतर्गत नहीं हैं, वे योजना के पात्र होंगे।
- पूरे असम में **300 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों** एवं देश की सभी ए बी-पी एम जे ए वाई सूचीबद्ध अस्पतालों में **1578 प्रक्रियाएं उपलब्ध।**
- इस योजना के अंतर्गत **करीब 26 लाख लाभार्थी परिवारों को** शामिल किया जाएगा।

- एन एफ एस ए लाभार्थियों के लिए ए बी-पी एम जे ए वाई और ए ए-एम एम जे ए वाई के तहत ई-के वाई सी ड्राइव पहले से ही सरकारी अधिकृत प्रंटलाइन कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित किया जा रहा है।
- योजना में नामांकन के लिए राशन कार्ड और आधार कार्ड अनिवार्य दस्तावेज हैं।

असम में सुगम एवं किफायती स्वास्थ्य सेवा का प्रोन्नयन
चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग, असम सरकार

-- Janasanyog /ID/1878/ 23

Exclusive/AAAS/05-2023

सूचना और जनसंपर्क निदेशालय, असम द्वारा प्रचारित Follow us /@diprassam https://dipr.assam.gov.in/
असम वार्ता सब्सक्राइव करने के लिए 8287912158 में Assam लिखकर व्हाट्सएप करें

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

मणिपुर हिंसा में म्यांमार के उग्रवादी भी शामिल

मिजोरम के रास्ते राज्य में घुसे, स्थानीय लोगों में घुल-मिलकर सुरक्षाबलों से बच रहे

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थम गई। सोमवार को दूसरे दिन भी कर्फ्यू में ढील दी गई। इसी के साथ जनजीवन पटरी पर लौटने लगा है। इस बीच, खुफिया सूत्रों से पता चला है कि हिंसा की साजिश की बड़ी वजह म्यांमार के उग्रवादी हैं। दरअसल, म्यांमार से 50 हजार से ज्यादा कुकी-मिजो-चिन समूह के लोग और रोहिंग्या मिजोरम में घुस चुके हैं। इनमें उग्रवादी समूहों के कैडर भी शामिल हैं। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन लोगों की शारीरिक बनावट और भाषा-बोली स्थानीय लोगों जैसी ही है। इस वजह से इनकी अलग से पहचान नहीं हो पा रही है।। ये सुरक्षाबलों की नजरों से बच रहे हैं। इसका फायदा उठाकर कुकी समुदाय के लोग पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी घुस गए हैं। म्यांमार से मिजोरम में घुसे इन लोगों को राज्य सरकार शरण देने के साथ पहचान पत्र के जरिए सभी सरकारी सुविधाएं दे रही है। हालांकि, केंद्र लगातार इन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से मना कर रहा है। ये कथित शरणार्थी अघोषित तौर पर मिजोरम के नागरिक बन चुके हैं। मणिपुर हिंसा के बाद इंफाल के कई जिलों में कर्फ्यू में आंशिक ढील दी गई है। कर्फ्यू से राहत मिलने के बाद लोग अपने रोजमर्रा का सामान खरीदते हुए दिखाई दिए। मणिपुर हिंसा के बाद इंफाल के कई जिलों में कर्फ्यू में आंशिक ढील दी गई है। कर्फ्यू से राहत मिलने के बाद लोग अपने रोजमर्रा का सामान खरीदते हुए दिखाई दिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी घुसपैठियों की समस्या की भनक है। म्यांमार के सगियांग और चिन प्रांत मणिपुर के साथ करीब 398 किमी की सीमा साझा करते हैं। इस सीमा क्षेत्र से मणिपुर के टेंग्नोउपाल, चंदेल, उखरुल, काम्जोंग और चूराचांदपुर जिले जुड़े हुए हैं। हाल ही में चूराचांदपुर सहित सबसे ज्यादा हिंसा इन्हीं जिलों में हुई है। जिस दिन हिंसा हुई, उस दिन सफेद बोलेरो में लोगों ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की, उनके तार उग्रवादी समूह से जुड़े हैं। मध्य प्रदेश सरकार मणिपुर में फंसे अपने 50 लोगों को बाहर निकालने की तैयारी कर रही है। इनमें 24 छात्र भी हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को छात्रों से बात की थी। इन छात्रों को पहले इंफाल से गुवाहाटी लाया जाएगा। इसके बाद उन्हें दिल्ली लाया जाएगा, जहां वे मध्य प्रदेश के लिए रवाना होंगे। रविवार को नगालैंड ने 676, सिक्किम ने 128 और महाराष्ट्र ने 22 लोगों को मणिपुर से निकाला। मणिपुर में 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर ने *आदिवासी एकता मार्च* निकाला था। ये मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के विरोध में था। मार्च के बाद स्थिति बिगड़ गई और इसने जातीय संघर्ष का रूप ले लिया। एक तरफ मैतेई समुदाय के लोग तो दूसरी तरफ कुकी और नागा समुदाय के लोग थे। हिंसा में अब तक 60 लोग मारे जा चुके हैं। 230 घायल हुए हैं और 35,655 लोग विस्थापित हुए हैं। सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि हिंसा के जिम्मेदार संगठनों और कथित बाहरी लोगों की जांच होगी। इस बीच, मोबाइल इंटरनेट 13 मई तक बंद रहेगा। हिंसा के दौरान 1041 रायफल और 7,460 कारतूस लूट लिए गए थे। कार्रवाई के बाद 214 हथियार, 4273 कारतूस बरामद किए जा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को मणिपुर ट्राइबल फोरम और हिल एरिया कमेटी की हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने मणिपुर हिंसा के चलते विस्थापित हुए लोगों को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने केंद्र से कहा कि ये मानवीय संकट है। विस्थापितों के पुनर्वास के लिए जरूरी कदम उठाएं। राहत कैंपों में दवाओं और खाने-पीने जैसी जरूरी चीजों का इंतजाम करें। साथ ही राज्य में धार्मिक स्थलों की हिफाजत के लिए भी कदम उठाएं। साथ ही केंद्र से स्थिति की रिपोर्ट मांगी है। अगली सुनवाई 17 मई को होगी।

शिशु निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मनाई गई रवींद्र जयंती

गुवाहाटी (विभास)। नारायण नगर स्तिथ शिशु निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को रवींद्र जयंती मनाई गई। नोबेल पुरस्कार प्राप्त विश्व कवि गुरू रवींद्र नाथ ठाकुर का 162वी जयंती के मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रीना भौमिक द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय के छात्र- छात्राओं और शिक्षक गणों ने रवींद्र संगीत और नृत्य प्रस्तुत कर के कवि गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने इस मौके पर छात्र- छात्राओं और शिक्षक गणों को रवींद्र नाथ ठाकुर के कविताओं एवं लेखनी से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में उतारने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों सहित शिक्षकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

रवींद्र जयंती के अवसर पर टोकोबाड़ी काली मंदिर में सफाई अभियान

गुवाहाटी (विभास)। रवींद्र जयंती के उपलक्ष में टोकोबाड़ी काली मंदिर होरेन कोलिता पथ का सफाई अभियान स्थानीय नागरिकों द्वारा चलाया गया। जिसमें 18 नंबर वार्ड के पार्षद शंकर चक्रवर्ती ने नेतृत्व लेते हुए नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को सफाई के लिए उत्साहित कर सफाई अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस कार्य से होरेन कलिता पथ के बाशिंदों ने भी सहयोग दिया। जिसमें पदम जैन, प्रदीप गांगुली, टूटन कर्मकार, असीम दे,अधीर शाह और राज किशोर शर्मा के अलावा अन्य कई नागरिक थे।

बंगाईगांव में पूप्रमायुम की सोलहवें प्रांतीय कार्यकारिणी की पहली बैठक संपन्न

होजाई (होसं)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच की सत्र 2023-25 की कार्यकारिणी की प्रथम बैठक बंगाईगांव एवं बंगाईगांव जागृति शाखा के आतिथ्य में बंगाईगांव में दिनांक 6 एवं 7 मई 2023 को आयोजित की गयी। इस बैठक में प्रान्त के सभी हिस्सों से प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य पधारे। दो दिवसीय इस बैठक का शुभारंभ आयोजक शाखा बंगाईगांव व बंगाईगांव जागृति के अध्यक्ष पीयूष सुराणा एवं संजू भंसाली के संबोधन से हुआ तथा बंगाईगांव जागृत शाखा द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने की तथा अपना संबोधन सभी के समक्ष रखा। महामंत्री सुभाष सुराणा ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, कोषाध्यक्ष प्रेरणा सेठिया ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष (मुख्यालय) प्रदीप राठी ने मुख्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डिब्रूगढ़ अधिवेशन की रिपोर्ट डिब्रूगढ़ शाखा के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गयी। सभी उपाध्यक्षों ने बहुत ही सुंदर रूप से अपने-अपने मंडल की रिपोर्ट तथा आगामी कार्य योजना को बैठक में रखा। सभी संयोजकों, चेयरमैन-वाइस चेयरमैन ने अपने-अपने विभाग की कार्य योजना प्रस्तुत की। बैठक में सलाहकार, समन्वयक तथा आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे। बैठक के पश्चात सांस्कृतिक संध्या का आयोजन आतिथ्य शाखा द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सदस्यों एवं समाजबंधुओं ने अंश ग्रहण किया। द्वितीय दिवस की बैठक के दौरान समाजबंधुओं के साथ एक वार्तालाप का आयोजन किया गया।

आरपीएफ ने 10 नाबालिग और एक लापता व्यक्ति का उद्धार किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने 04 से 8 मई को पूसीरे के विभिन्न ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर जारी जांच अभियान के दौरान 10 नाबालिग और एक व्यक्ति को उद्धार किया। इस दौरान रेसुब ने 02 दलालों को भी पकड़ा, जो अवैध रूप से रेलवे टिकटों की बिक्री में लिप्त थे। गढ़बनैली स्टेशन से 4 तत्काल टिकट, जिसका मूल्य 14,200 रुपए और किशनगंज स्टेशन से 01 तत्काल टिकट, जिसका मूल्य 4,260 रुपए है, बरामद किया गया। पूसीरे के सीपीआरओ ने आज (मंगलवार) बताया है कि 04 से 8 मई तक रंगिया, गुवाहाटी, न्यू जलपाईगुड़ी, डिमापुर, धर्मनगर और न्यू हाफलोंग स्टेशनों के विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाए गया। अभियान के दौरान पूसीरे की रेसुब ने घर से भागे हुए 10

नाबालिगों (04 लड़कियों/06 लड़कों) और 01 लापता पुरुष को उद्धार किया। बाद में सभी उद्धार नाबालिगों और पुरुष को मानदंड के अनुसार उचित सत्यापन के बाद परिवार के सदस्यों और सुरक्षित अभिरक्षा के लिए संबंधित चाइल्ड लाइन को सौंप दिया गया। वहीं 08 मई को किशनगंज के रेसुब ने किशनगंज रेलवे स्टेशन के यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में दलाली गतिविधियों के खिलाफ एक अभियान चलाया। अभियान के दौरान उन्होंने रुधाशा, किशनगंज (बिहार) के रहने वाले सरफराज अहमद नामक एक व्यक्ति को देखा, जो पीआरएस काउंटर से तत्काल टिकट खरीद कर अन्य ग्राहकों को अधिक कीमत पर बेच रहा था। बाद में, उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास से 4260 रुपए मूल्य का एक तत्काल टिकट बरामद किया गया। बाद में बरामद रेल टिकट को जब्त करके उस व्यक्ति को हिरासत में लिया गया और रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया।

रंगिया में हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। असम राज्यिक हज समिति के सौजन्य से रंगिया में आज हज यात्रियों के लिए एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में हज यात्रियों को यात्रा के दौरान पालन करने वाले नीति-नियम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर चर्चा की गई। वहीं कार्यक्रम में हज यात्रियों को समारोह पूर्ण रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन ने कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न अंचलों के 99 हज यात्रियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में कमलपुर के विधायक दिगंत कलिता सहित सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत बोरा, कुमुद काकती, रंगिया पौरसभा के उपाध्यक्ष विद्युत डेका, हज समिति के अब्दुल जब्बार देव और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि गत शनिवार को रंगिया खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 98 हज यात्रियों का विभिन्न टीकाकरण किया गया।

भाजपा व एआईयूडीएफ एक ही सिक्के के दो पहलू : नंदिता दास

नगरबेड़ा (विभास)। एआईयूडीएफ कांग्रेस के साथ नहीं है। वर्तमान समय राज्य में एआईयूडीएफ पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं है। बोको निर्वाचन क्षेत्र से विधायक नंदिता दास ने कहीं। उन्होंने कहा कि असम के लोग एआईयूडीएफ को नहीं चाहते हैं। यह उक्त बातें आज उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के जामलाई पालपाड़ा में वर्ष 2022-2023 के लिए विधायक निधि से 4 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सड़क निर्माण कार्य के उद्घाटन समारोह में कहीं। नंदिता दास ने एआईयूडीएफ-भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि एआईयूडीएफ और भाजपा एक ही सिक्के का दो पहलू हैं। इसलिए एआईयूडीएफ को छोड़कर सभी विपक्षी दल एक साथ आने की प्रक्रिया में हैं। सत्तारूढ़ राज्य के भाजपा सरकार विफल बताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने में विफल रही है। भाजपा सरकार जाति, भूमि, नींव संरक्षण, एनआरसी को पूरा करने, डी-वोटर समस्या, असम समझौते के कार्यान्वयन, सड़क समस्याओं, मूल्य वृद्धि की रोकथाम आदि जैसे

विभिन्न मुद्दों को हल करने और काम करने में पूरी तरह से विफल रही है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतें, सड़कों की कमी आदि ने लोगों को परेशान किया है। असम के लोग भाजपा सरकार के हालिया कार्यकाल के दौरान अस्थिर वातावरण में रह रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लाल फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करने के बाद वहां मौजूद लोगों से क्षेत्र के विकास को लेकर बातचीत की। इस कार्यक्रम में समरिया उन्नयन ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी दीप्तकांत चमुआ, जमलाई-कल्याणपुर मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोमिन अली, समरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के महासचिव सोनार उद्दीन और क्षेत्र के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

क्रिकेट गैंबलर और बैटिंग करने वालों के खिलाफ अभियान में पांच गिरफ्तार

होजाई (होसं)। क्रिकेट गैंबलर और बैटिंग करने वालों के खिलाफ अभियान के तहत होजाई पुलिस को सफलता हासिल हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, होजाई के लंका थाना अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है, असम पुलिस के डीजीपी जीपी सिंह ने एक ट्वीट कर इस आशय की जानकारी दी। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि क्रिकेट गैंबलर और बैटिंग करने वालों के खिलाफ अभियान के तहत होजाई से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन लोगों के पास से आठ लाख नगदी और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। पकड़े गए लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई जारी है।

कोकराझाड़ में मनी रवींद्रनाथ टाकुर की जयंती

कोकराझारड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के तीतागुड़ी और मांगूरमारी में रवींद्रनाथ टैगोर का 162वां जन्मोत्सव मनाया गया। अखिल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेसन की तीतागुड़ी और मांगूरमारी आंचलिक समिति के नेतृत्व में सबसे पहले सुबह झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके बाद कवि रवींद्रनाथ टैगोर के तस्वीर माल्यार्पण कर उन्हें याद किए गए। इस दौरान नृत्य, संगीत आदि कार्यक्रमों का आयोजन किए गए। कार्यक्रम में अखिल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेसन के कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत देबनाथ, बीटीआर जोनल के अध्यक्ष गोपाल घोष सहित अन्य कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं मांगूरमारी में आयोजित कार्यक्रम में बीटीसी जोनल समिति के अध्यक्ष राजीब सरकार, जिला अध्यक्ष रोमेन बरोई सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फर्जी मोबाइल कनेक्शन के खिलाफ चला सघन अभियान

गुवाहाटी (विभास)। अक्सर देखा गया है कि नकली वह जाली दस्तावेजों पर सब्सक्राइब किए गए मोबाइल कनेक्शनों का उपयोग साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, असामाजिक और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। दूरसंचार विभाग ने ऐसी धोखाघड़ी का पता लगाने और धोखाधड़ी कनेक्शन बेचने में शामिल प्वाइंट आफ सेल्स (पीओएस) और जिन्होंने फर्जी व जाली दस्तावेजों के आधार पर ऐसे कनेक्शन दिए हैं ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कई कदम उठाए हैं। यह बातें दूरसंचार विभाग के एडिशनल डायरेक्टर जनरल मिथिलेश कुमार ने दूरसंचार भवन में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में पत्रकारों को बताई। मिथिलेश कुमार ने आगे बताया कि इनमें से एक पहल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) आधारित फैसियल रिकॉग्निशन सिस्टम का उपयोग है। यह एक ही फोटो लेकिन अलग-अलग नाम से दिए गए फर्जी कनेक्शन का पता लगाने के लिए समाधान है। इस उन्नत फैसियल रिकॉग्निशन तकनीक का उपयोग करते हुए विभाग ने सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के ग्राहकों का विश्लेषण किया है। इससे कई फर्जी मोबाइल कनेक्शन का पता लगाया जो फर्जी पहचान जमा करके लिए गए हैं। पहले चरण में लगभग डेढ़ लाख सिम कार्ड विभिन्न टीएसपी के पीओएस से सक्रिय होने का पता चला था। लगभग 1लाा 48 हजार फर्जी कनेक्शन काटे गए हैं और टीएसपी द्वारा 55 पीओएस पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है ओर उसको ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है।

एनटीपीसी, बंगाईगांव ने सालाकाटी एमई स्कूल में दी शैक्षणिक प्रयोगशाला-सामग्री

कोकराझाड़ (विभास)। एनटीपीसी बंगाईगांव ने आज सालाकाटी एमई स्कूल को शैक्षणिक सामग्री प्रदान की। गतिविधि आधारित शिक्षण का उद्घाटन एनटीपीसी बंगाईगांव के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) करुणाकर दास ने स्थानीय समुदायों के कल्याण के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और उन्हें उम्मीद थी कि यह विशेष पहल बच्चों के सीखने की अवस्था में एक सकारात्मक बदलाव साबित होगी। इससे पहले स्कूल की प्रधान शिक्षिका संदिता ब्रह्म ने श्री दास और एनटीपीसी के अन्य अधिकारियों का स्वागत किया। ब्रह्म ने एनटीपीसी की प्रमुख सीएसआर पहल- बालिका अधिकारिता मिशन (जीईएम) का हिस्सा बनने के लिए स्कूल से छात्रों को भेजने का मौका मिलने के साथ-साथ इस पहल के लिए एनटीपीसी बंगाईगांव प्रबंधन को भी धन्यवाद दिया।

आठवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए स्कूल में लर्निंग लैब बनाने के लिए सामग्री की आपूर्ति के लिए भारत सरकार के उद्यम एडिसनल के सहयोग से यह परियोजना की जा रही है। उद्घाटन कार्यक्रम में एनटीपीसी के अतिरिक्त महाप्रबंधक शशि शेखर, अतिरिक्त महाप्रबंधक (एचआर), मधुरज्य सिंहा लहकर उपस्थित थे। प्रबंधक, कॉर्पोरेट संचार अद्युति ठाकुरी, कार्यकारी, सीएसआर। एनटीपीसी बंगाईगांव ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सीखने के परिणामों और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर कंपनी की सीएसआर नीति के हिस्से के रूप में इस गतिविधि-आधारित लर्निंग लैब के कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान की है। यह उल्लेख करना उचित है कि शिक्षा एनटीपीसी की सीएसआर नीति के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में से एक है, जिसका उद्देश्य शिक्षाशास्त्र में नवाचार को लागू करके स्कूल जाने वाले बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार करना है। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए एनटीपीसी द्वारा कार्यान्वित हस्तक्षेप को राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा खेल-आधारित या गतिविधि-आधारित शिक्षा के रूप में भी अनुशंसित किया गया है।

सिविल सेवा उम्मीदवारों के लिए *सुपर 20* छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित

गुवाहाटी। चाणक्य आईएएस अकादमी, गुवाहाटी ने गोरखा विकास परिषद और गोरखा छात्र संघ के सहयोग से 9 मई 2023 को चाणक्य आईएएस अकादमी, गुवाहाटी केंद्र में गोरखा समुदाय के यूपीएससी/एपीएससी उम्मीदवारों के लिए एक विशाल अखिल असम छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया। छात्रवृत्ति परीक्षा में सुपर 20 कार्यक्रम के लिए चुने जाने की इच्छा रखने वाले 600 से अधिक छात्रों की भागीदारी देखी गई। सुपर 20 कार्यक्रम गोरखा विकास परिषद के अध्यक्ष प्रेम तमांग और चाणक्य आईएएस अकादमी के पूर्वोत्तर भारत की निदेशक कुरंग नयनी चेतिया का एक ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसमें गोरखा समुदाय के उम्मीदवारों को भी प्रतिष्ठित सिविल सेवा में भागीदार बनाने की योजना प्रस्तुत की गई है। इस उद्देश्य से, 9 मई, 2023 को गोरखा विकास परिषद के अध्यक्ष प्रेम तमांग द्वारा घोषित सुपर 20 कार्यक्रम के

माध्यम से अखिल असम छात्रवृत्ति परीक्षा में शामिल होने वाले सभी उम्मीदवारों में से 20 छात्रों का चयन किया गया। सुपर 20 को चाणक्य आईएएस अकादमी, गुवाहाटी केंद्र में सिविल सेवा परीक्षा के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उम्मीदवारों को चाणक्य आईएएस अकादमी के पूर्वोत्तर भारत के निदेशक श्रीमती कुरंग नयनी चेतिया के मार्गदर्शन में चाणक्य आईएएस अकादमी के उन्नत फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षित किया जाएगा। छात्रों को ऑफलाइन और ऑनलाइन कक्षाएं, दिल्ली से विशेष प्रशिक्षक, चाणक्य प्रकाशन के तहत नवीनतम और व्यापक अध्ययन सामग्री, प्रारंभिक और मूल दोनों के लिए प्रश्नावली, सिविल सेवकों के साथ बातचीत और साथ ही सप्ताह में 7 दिन पुस्तकालय सुविधा प्रदान की जाएगी। चाणक्य आईएएस अकादमी, उत्तर पूर्व भारत की निदेशक, श्रीमती कुरंगा नयनी चेतिया का कहना है कि चाणक्य आईएएस अकादमी छात्रों को तैयारी के लिए 360 डिग्री प्रणाली प्रदान करने में विश्वास रखती है। तैयारी के स्थिर और वर्तमान पहलू को समान महत्व दिया जाता है, ताकि छात्र भविष्य के सिविल सेवकों की तरह सोचने, महसूस करने और कार्य करने के लिए प्रेरित हों।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल द्वादश अध्याय
(चार प्रकार के भक्त)
(आरत)

विघ्न नाश दुख नाश हो, कलह वीपदा नाश।
आय शान्ति सुख शान्ति हो, तुम बिन अन्य न आश॥ 03॥

शब्दार्थ : (विघ्न) बाधा, रुकावट (कलह) झगड़ा (वीपदा) दुःख, दुर्गति (आश) विश्वास, भरोसा।

भाष्य : हे प्रभो! विघ्नों को नाश कर दुःखों को नाश कर दो, जिससे कलह और विपत्तियों का नाश हो जावे एवं सुख-शांति आ कर प्राप्त हो। मुझे तुम्हारे बिना दूसरे की आशा नहीं है। इस प्रकार दुःखी, आर्त्त जीव प्रभु की शरण में अपने दुःख निवृत्ति के लिए प्रार्थना करता है। इसी को आर्त्त भक्त कहते हैं। प्रभु के सिवाय कष्ट, आपदा एवं संकट को दूर करने वाला कोई नहीं है इसलिए विपत्ति और संकट में विघ्न-नाश और सुख-शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिए।

(जिज्ञासू)

ब्रह्मवेत्ता विज्ञान कर, बोध शान्ति सुख सार।
श्रुतज्ञान गुरु दीजिये, हे प्रभु कृपा आगार॥ 04॥

शब्दार्थ : (ब्रह्मवेत्ता) ब्रह्मविद (विज्ञान वर) सर्वश्रेष्ठ (कृपा आगार) कृपा का सागर, घर।

भाष्य : ज्ञान, शांति एवं सुख के मूल सर्वश्रेष्ठ ब्रह्मविद्या विज्ञान पर तत्व को जानने वाले कृपासागर प्रभु सद्गुरुदेव आप मुझे श्रुतज्ञान प्रदान केरं। ब्रह्मस्वरूप सद्गुरुदेव से भक्त की श्रुतज्ञान प्रदान की मांग है।

श्रर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 282 | गुवाहाटी | बुधवार, 10 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मणिपुर हिंसा में म्यांमार के उग्रवादी भी शामिल पेज 2
दक्षिण चीन सागर में गुजरे चीनी जहाजों को भारत ने अपनी निगरबानी में रखा पेज 4
चार माह में मिलने लगेगा बुंदेलखंड के हर घर को नल जल : योगी आदित्यनाथ पेज 5
लगता है गहलोत की नेता सोनिया गांधी नहीं, वसुंधरा राजे हैं : पायलट पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graphy
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आदमी अपने जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान होता है।
– आचार्य चाणक्य

हमारी सरकार का पहला लक्ष्य है शांति का माहौल : मुख्यमंत्री

राज्य में बहुविवाह को पूर्णतः बंद करने की तैयारी

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज अपनी सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित कोईनाधारा गेस्ट हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का पहला लक्ष्य राज्य में शांति का माहौल कायम करना है। इस कड़ी में बोडो, कार्बी, आदिवासी, डिमासा संगठनों के साथ शांति समझौता किया गया। इस समझौते का पूरे देश में एक सकारात्मक संदेश गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 में हमारी सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के पांच जिलों में शांति-व्यवस्था बहाल कर अफ्सपा कानून को पूरी तरह से समाप्त करना है। तीसरे वर्ष में इसे एक विशेष चुनौती के रूप में स्वीकार किया है। डॉ शर्मा ने कहा कि राज्य के कृषि क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य में धान खरीद, गोदाम का निर्माण करना, और राइस मिल स्थापित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस बार 5 लाख 25 हजार क्विंटल धान की खरीद हुई है। अगले वर्ष 10 लाख क्विंटल तथा अगले पांच वर्षों में 20 लाख क्विंटल धान की खरीद का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सरसों के तेल के लिए भी राज्य को आत्मनिर्भर बनाने तथा मिलेट की सरकारी तौर पर खरीददारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक जून से डेयरी के लिए भी विशेष कदम उठाए जाएंगे। सम्वाय समितियों के जरिए दूध की खरीद पर किसानों को सरकार पांच रुपए अतिरिक्त प्रदान करेगी। असम में डेरी का एक बड़ा ब्रांड बनाने के लिए प्रयास किए जाने की बात बताई। उन्होंने कहा कि कोई भी सम्वाय समिति किसानों से दूध खरीदेगी लेकिन ब्रांड का नाम एक ही रहेगा। राज्य में अमूल या नंदिनी के स्तर का एक ब्रांड बनाने की तैयारी की गयी है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर कहा कि क्राइम अगेंस्ट वूमेन, क्राइम अगेंस्ट प्रॉपर्टी पर ध्यान दिया जा रहा है। आज असम कानून-व्यवस्था के मामले में काफी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में कनविक्शन रेट को बढ़ाना होगा। कनविक्शन रेट 4 से 6 प्रतिशत था इसे 14 प्रतिशत तक हम पहुंचा पाए हैं। सरकार का लक्ष्य इसे राष्ट्रीय औसत तक ले जाना है। असम पुलिस साइबर और फॉरेंसिक के मामलों में तकनीकी के उपयोग की बात कही। उन्होंने कहा कि सुपारी और ड्रग्स के विरुद्ध कठोरतम कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हेल्थ सेक्टर में नये कदम उठाए गए हैं। तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज जल्द ही क्रियान्वित होगा। साथ ही उन्होंने करीमगंज, राताबाड़ी और शिवसागर में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में एमएससी, बीएससी नर्सिंग कॉलेज खोले जाएंगे। इसमें एक विदेशी भाषा और सब स्किल का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। सरकार राज्य में ग्लोबल स्तर के नर्स को तैयार करने की तैयारी की है। डॉ शर्मा ने कहा कि बजट घोषणाओं के अनुरूप स्वास्थ्य क्षेत्र को बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के जरिए राज्य के प्रत्येक राशन कार्ड धारकों को जोड़ा जाएगा। इसके जरिए सभी प्रकार की बीमारियों के इलाज के लिए पांच लाख रुपए तक के इंश्योरेंस का प्रावधान होगा। उन्होंने राज्य के शिक्षा क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि काफी बेहतर प्रगति हुई –शेष पृष्ठ आठ पर

भारत- बांग्लादेश के संबंधों कमजोर करना संभव नहीं : शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को इशारों में चीन और पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच आपस में जुड़ी संस्कृति और भाषा के इतिहास के साथ गहरे संबंध हैं और ऐसे में कोई भी ताकत दोनों के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर नहीं कर सकता। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित एकीकृत जांच चौकी (आइसीपी) पेट्रापोल में आयोजित कार्यक्रम में लैंड पोर्ट अथारिटी आफ इंडिया और बीएसएफ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास के मौके –शेष पृष्ठ आठ पर

नौका दुर्घटना : केरल एचसी ने राज्य सरकार को लताड़ा

तिरुवनंतपुरम। तनूर नौका दुर्घटना पर केरल उच्च न्यायालय ने स्वतःसंज्ञान लेते हुए जनहित याचिका शुरू कर दी है। केरल हाई कोर्ट ने तनूर नाव दुर्घटना के बारे में राज्य सरकार से सवाल किया है कि हादसे के समय अधिकारी कहां थे? वे क्या कर रहे थे? बता दें कि 8 मई को केरल के मलप्पुरम जिले के तनूर के पास नौका पलटने से 22 लोगों की मौत हो गई थी। केरल पुलिस ने मलप्पुरम जिले के तनूर इलाके में हुई दर्दनाक नाव दुर्घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल –शेष पृष्ठ आठ पर

न्यूज गैलरी

राज्य में 4,380 शिक्षकों के पदों के परिणाम घोषित

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के प्राथमिक शिक्षा निदेशालय (डीईई) ने निम्न प्राथमिक और मध्य अंग्रेजी स्कूलों में 4,380 शिक्षण पदों की अंतिम परिणाम सूची की घोषणा कर दी है। परिणाम डीईई की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। इन शिक्षक पदों में से 3,887 पद निम्न प्राथमिक विद्यालयों में सहायक शिक्षक हैं, जबकि मध्य अंग्रेजी स्कूलों में 1,443 पद सहायक शिक्षक और विज्ञान शिक्षक के हैं। शिक्षकों के पद के लिए परिणाम डीईई की आधिकारिक वेबसाइट पर जिलेवार बीते मध्य रात्रि को घोषित किए गए। पहले उल्लेख किया –शेष पृष्ठ आठ पर

कर्नाटक विस मतदान आज

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने बुधवार को कर्नाटक में होने वाले मतदान से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कर्नाटक विधानसभा का कार्यकाल 25 मई को समाप्त होने वाला है। राज्य की 224 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को मतदान होगा। इसके अलावा बुधवार को जालंधर लोकसभा सीट और दो राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव तथा मेघालय की सोहिओंग सीट पर मतदान होगा। इन –शेष पृष्ठ आठ पर

पलटन बाजार की भूमि रेलवे को हस्तांतरित करेगी एएसटीसी

गुवाहाटी। असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार के निर्माण के लिए असम के गुवाहाटी के पलटनबाजार में अपनी जमीन रेलवे प्राधिकरण को हस्तांतरित करने का फैसला किया है। सोमवार को राज्य की साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस कदम का उद्देश्य स्टेशन जाने वाले यात्रियों के सामने आने वाली समस्याओं को कम करना और यात्री सुविधाओं में सुधार करना है। रेलवे अधिकारियों को दी जाने वाली कुल भूमि क्षेत्र 4 बीघा, 4 कट्ठा और 19 लेसा है। बदले में, एएसटीसी को रेलवे की जालुकबाड़ी भूमि पर भूमि के समान मूल्य (ईवीएल) के आधार पर भूमि का एक समान मूल्य और पलटन बाजार में अपने मौजूदा कार्यालय संरचनाओं का मूल्यह्रास मूल्य प्राप्त होगा। दूसरे प्रवेश बिंदु के –शेष पृष्ठ आठ पर

इमरान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में हिंसा, 144 लागू

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं ने इस्लामाबाद में प्रदर्शन और हंगामा किया। इसके बाद पाकिस्तान पुलिस ने शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। प्रदर्शनकारी लाहौर में सेना के कमांडरों के आवास और रावलपिंडी में सेना मुख्यालय के परिसर में घुस गए हैं। पाकिस्तानी सेना के रावलपिंडी मुख्यालय में तोड़फोड़ की गई और इमरान खान समर्थकों ने कोर कमांडर हाउस में आग लगा दी। धारा 144 लागू कर दी गई है और पाक सेना ने देखते ही गोली मारने का आदेश दिया है। इमरान खान के समर्थकों ने लाहौर कैंट स्थित कॉर्प्स कमांडर के घर पर हमला किया। सरगोधा, पेशावर, लाहौर और मर्दन में कोर कमांडर मुख्यालय पर बड़ा हमला किया गया है। पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में प्रदर्शनकारी लाहौर में सेना के कमांडरों के आवास और रावलपिंडी में सेना मुख्यालय के परिसर में घुस गए हैं। इतना ही नहीं, गुस्साई जनता ने पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई मुख्यालय पर भी हमला किया। पाकिस्तानी सेना ने जनता पर फायरिंग की, कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। उधर बलूचिस्तान के क्वेटा में विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना ने जनता पर फायरिंग की। गोली लगने से कई –शेष पृष्ठ आठ पर

ईडी ने कांग्रेस के विधायकों समेत आईएएस अफ्सरों पर की कार्रवाई

नई दिल्ली। कोयला लेवी पीएमएलए मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 2 विधायकों और पीसीसी प्रमुख की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव, चंद्रदेव प्रसाद राय और पीसीसी अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की अचल संपत्ति, शानदार वाहन, आभूषण और 51 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी जब्त की है। ईडी ने आईएएस अधिकारी रानू साहू, कोयला व्यापारी सूर्यकांत तिवारी के अलावा दो अन्य व्यक्तियों आरपी सिंह और विनोद तिवारी की संपत्तियों को भी जब्त किया है। सभी संपत्ति को धन –शेष पृष्ठ आठ पर

खरगोन में बस पुल से गिरी, 24 की मौत

खरगोन। खरगोन जिले में बड़ा हादसा हुआ है। बोराड़ नदी पर बने पुल से एक यात्री बस 50 फीट नीचे गिर गई। हादसे में कुल 24 लोगों की मौत हो गई है, बताया जा रहा है कि 15 लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था। जिला प्रशासन ने मौत की पुष्टि कर दी है। 20-25 लोग घायल हैं। हादसे में ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर की भी मौत होने की सूचना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने खरगोन में हुई बस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। हादसे में नौ महिलाएं, तीन बच्चे और नौ पुरुषों समेत कुल 24 लोगों की मौत हुई है। सभी मृतक खरगोन के बताए जा रहे हैं। 10 घायलों को इंदौर रेफर किया गया है। 22 घायलों का खरगोन जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। बस श्रीखण्डी से इंदौर जा रही थी। हादसा सुबह नौ बजे हुआ। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बेहद दुखद घटना है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घटनास्थल पर अधिकारी तत्काल पहुंच गए हैं। घायलों को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। खरगोन में –शेष पृष्ठ आठ पर

स्वर्णिम भारत के लिए सोच के साथ काम करना होगा : कोविंद

देहरादून/ मसूरी (हि.स.)। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि स्वर्णिम भारत के निर्माण के लिए आधुनिक और सेवा परक सोच के साथ काम करना होगा। भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रहे राष्ट्रीय अभियान में आप सभी को अग्रणी भूमिका निभानी है। मंगलवार को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 2022 बैच के प्रशिक्षु, अधिकारियों के फेज-1 प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 दिवसीय विपश्यना शिविर के अवसर पर यह बातें कहीं। इस दौरान राम नाथ कोविंद ने कहा कि 2047 में जब देश स्वतंत्रता –शेष पृष्ठ आठ पर

इंफाल एयरपोर्ट बना रिफ्यूजी कैंप

नई दिल्ली। हिंसा ग्रस्त मणिपुर से किसी तरह बाहर निकलने की कोशिश में जुटे लोगों की भारी भीड़ इंफाल हवाईअड्डे पर देखी जा सकती है जिनमें छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं जिनमें से कई बीमार भी हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि आईसीयू से ठीक बाहर आए ऐसे मरीज जिन्हें कैथेटर लगा है, माताओं के साथ नवजात और समय से पहले जन्मे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बिस्तर पर पड़े कैंसर के मरीज के साथ ही बड़ी संख्या में लोग प्रदेश से बाहर जाने के लिए पिछले कुछ दिनों में हवाईअड्डे पर पहुंचे हैं। इन सबमें जो एक बात समान नजर आती है वह है हालात को लेकर चिंता। गोली लगने से घायल हुए कुछ यात्री भी हवाईअड्डे पर देखे गए हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने बताया कि अगर आप इंफाल हवाईअड्डे का दृश्य देखेंगे तो आपका रोने का मन करेगा। हवाई अड्डा परिसर में करीब 2000 यात्री फंसे हैं जबकि इसकी इमारत एक वक्त में 750 यात्रियों- 250 आगमन के लिए और 500 प्रस्थान के लिए- को ही संभाल सकती है। एयरलाइन कंपनियों ने यात्रियों को ले जाने के लिए अतिरिक्त उड़ानें भरी हैं, उनकी कतार धीरे-धीरे लंबी होती जा रही है। मणिपुर में कुछ दिन पहले हिंसा भड़क गई थी और सेना के जवानों को तैनात करना पड़ा था। हवाईअड्डे के डॉक्टर, एएआई के कर्मचारी और विभिन्न एयरलाइनों के कर्मचारी संकटग्रस्त लोगों को सांत्वना देने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। एएआई सभी फंसे –शेष पृष्ठ आठ पर

समलैंगिक शादी पर सीजेआई बोले–

लाइव स्ट्रीमिंग से कोर्ट घर-घर पहुंचा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि उसकी कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग अदालत को आम नागरिकों के घरों और दिलों तक ले गई है और वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की कोशिश कर रहा है कि लाइव-स्ट्रीम की गई सामग्री अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में एक साथ उपलब्ध कराई जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसका अनुसरण कर सकें। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली याचिकाओं पर आठवें दिन दलीलें सुनने के दौरान यह टिप्पणी की। मध्य प्रदेश की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि कार्यवाही का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि समाज में मंथन हो रहा है। देश के विभिन्न कोनों में इस बहस और लाइव स्ट्रीमिंग के कारण लोग इन मुद्दों के बारे में सोच रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि –शेष पृष्ठ आठ पर

दक्षिण चीन सागर में गुजरे चीनी जहाजों को भारत ने अपनी निगहबानी में रखा

- भारत आसियान समुद्री अभ्यास के दौरान बेहद करीब से गुजरे चीनी नौसेना के जहाज
- आसियान देशों के युद्धपोतों ने भी चीनी जहाजों पर नजर रखने में भारत का साथ दिया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत आसियान समुद्री अभ्यास के दौरान दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना की नजर चीनी जहाजों पर रही। भारत के विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस दिल्ली और स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा ने लगभग 100 समुद्री मील (185 किमी.) दूर तक चीनी जहाजों को अपनी निगहबानी में रखा। यह दोनों जहाज समुद्री अभ्यास में हिस्सा लेने सिंगापुर के चांगी नेवल बेस गए थे। इस अभ्यास का दो दिवसीय समुद्री चरण दक्षिण चीन सागर में 8 मई को पूरा हुआ है। सिंगापुर के चांगी नेवल बेस में 02 मई से आसियान देशों का पहला समुद्री अभ्यास शुरू हुआ था, जिसका उद्घाटन भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार और सिंगापुर नौसेना प्रमुख एडमिरल सीन वाट ने संयुक्त रूप से किया था। भारत के युद्धपोत आईएनएस दिल्ली और आईएनएस सतपुड़ा समुद्री अभ्यास में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे। अभ्यास का बंदरगाह चरण 2-4 मई तक चांगी नौसेना बेस में और समुद्री चरण दक्षिण चीन सागर में 7-8 मई तक हुआ। ड्रिल में नौ जहाज, छह विमान और आसियान देशों और भारत के 1,800 से अधिक कर्मचारी शामिल थे। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि चीनी निगरानी पोत जियांग यांग होंग 10 और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) के कम से कम आठ समुद्री मिलिशिया जहाज उस क्षेत्र की ओर रवाना हुए, जहां आसियान-भारत नौसैनिक अभ्यास का समुद्री चरण सोमवार को समाप्त हुआ है। इसके बाद चीनी जहाज वियतनाम के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की ओर चले गए, लेकिन भारतीय नौसेना ने लगभग 100 समुद्री मील (185 किमी.) दूर तक चीनी जहाजों को अपनी निगहबानी में रखा। इस तरह पहला भारत-एशिया अभ्यास दक्षिण चीन सागर में सफलतापूर्वक समाप्त हो गया और क्षेत्र में चीनी जहाजों की मौजूदगी से प्रभावित नहीं हुआ।

चीनी जहाजों की मौजूदगी की सूचना सोशल मीडिया पर सबसे पहले अमेरिकी वायु सेना के पूर्व अधिकारी रे पॉवेल ने दी थी, जो स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में गॉर्डियन नॉट सेंटर फॉर नेशनल सिक्योरिटी इनोवेशन के लिए दक्षिण चीन सागर में विकास को ट्रैक करते हैं। पॉवेल ने कहा कि पांच चीनी समुद्री मिलिशिया जहाज स्प्रैटली द्वीप समूह से भारत-आसियान ड्रिल के क्षेत्र में चले गए। अन्य तीन चीनी समुद्री मिलिशिया जहाज सूबी रीफ से निकलकर अभ्यास क्षेत्र की ओर बढ़े। हालांकि, यह साफ नहीं है कि इन चीनी जहाजों का उद्देश्य नौसैनिक अभ्यास पर नजर रखना था या वियतनाम के ईईजेड में प्रवेश करना था, जहां चीन समुद्री विवाद में उलझा हुआ है। चीनी जहाजों पर निगरानी रखने के लिए अभ्यास में शामिल भारतीय युद्धपोत ने अपनी स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) को बंद कर दिया था। ऐसा ही आसियान देशों के अन्य युद्धपोतों ने भी करके चीनी जहाजों पर नजर रखने के लिए भारत का साथ दिया। इसमें ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। आसियान देशों के लिए अपने हित के क्षेत्रों में सैन्य अभ्यास और अन्य गतिविधियों पर नजर रखना असामान्य नहीं है। चीनी पक्ष ने दक्षिण चीन सागर में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित करने की मांग की है, जहां वह ब्रुनेई, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम के साथ समुद्री विवादों में लगा हुआ है।

गोखले ने शिक्षा व सामाजिक सशक्तिकरण को मजबूत किया : प्रधानमंत्री मोदी

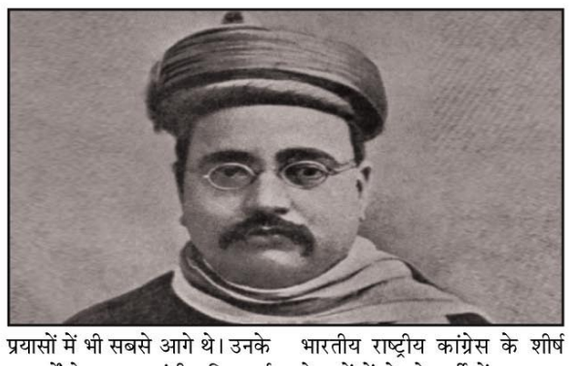

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महान स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले को उनकी जन्म-जयंती पर स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायक थे। उनके आदर्शों ने महात्मा गांधी सहित कई लोगों को प्रभावित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि मैं भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नायक गोपाल कृष्ण गोखले को उनकी जन्म-जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आगे उन्होंने कहा कि गोपाल कृष्ण गोखले शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए कई प्रयासों में भी सबसे आगे थे। उनके आदर्शों ने महात्मा गांधी सहित कई लोगों को प्रभावित किया। महाराष्ट्र के रत्नागिरि में 09 मई 1866 को पैदा हुए गोपाल कृष्ण गोखले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में थे। वे पार्टी में नरम दल का नेतृत्व करते थे। स्वयं महात्मा गांधी उन्हें अपना राजनीतिक गुरु मानते थे।

जंतर मंतर पर 17वें दिन पूरा इलाका छावनी में तब्दील

अजय कुमार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर पहलवानों को धरना देते हुए 16 दिन हो चुके हैं। पहलवानों के धरना प्रदर्शन का आज 17वां दिन है। पुलिस ने आज पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस प्रकार से कल कुछ किसान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग को तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की थी। उसी को ध्यान में रखते हुए आज सुरक्षा बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों की संख्या बढ़ाई गई है। बैरिकेट्स को वेल्डिंग मशीन से सील कर दिया गया है। जिससे वह अपनी जगह से हील न सकें। उल्लेखनीय है कि जंतर मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन 23 अप्रैल को शुरू हुआ था। पहलवानों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वो ऐसे ही धरने पर बैठे रहेंगे। इसके अलावा अब किसान भी पहलवानों के समर्थन में उतर आए हैं। वहीं किसानों का कहना है कि 11 मई को देशभर में कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह का पूतला फूंकेंगे। पहलवान लगातार बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की बात कर रहे हैं।

मोदी सरकार के फैसले से खुश कश्मीरी किसान, सेब के इंपोर्ट पर बैन लगाने का फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार ने सेब के इंपोर्ट को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मोदी सरकार ने 50 रुपए प्रति किलो से कम कीमत वाले सेब के इंपोर्ट पर बैन लगाने का फैसला किया है। मोदी सरकार ने इस बारे में फैसला लिया, जिसका लाभ सेब किसानों को मिलेगा। इस फैसले का लाभ कश्मीर के किसानों को मिलेगा। ये किसान लंबे वक्त से सेब पर बैन लगाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि बाहर से सेब मंगाने की वजह से घरेलू दाम प्रभावित होते हैं, जिसका नुकसान उन्हें होता है। अब सरकार ने इस दिशा में बड़ा फैसला लिया है। हालांकि इससे भूटान को अलग रखा गया है, यानी भूटान से आयात होने वाले सेब पर इस पाबंदी का असर नहीं होगा। डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने कहा कि 50 रुपए से कम की कीमत वाले सेबों के इंपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। इसमें कॉस्ट, बीमा, ट्रैवल खर्च शामिल है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तब वित्तीय वर्ष साल 2022-23 में अप्रैल से फरवरी के 296 मिलियन डॉलर सेब का आयात किया गया था, तब वहीं साल 2021-22 भारत ने 385 मिलियन डॉलर सेब आयात किया था। भारत अलग-अलग देशों से सेब आयात करता है। इसमें अमेरिका, ईरान, ब्राजील, यूनाइटेड अरब अमीरात, अफगानिस्तान, फ्रांस, बेल्जियम, चिली, इटली, तुर्की के अलावा न्यूजीलैंड, अफ्रीका और पोलैंड जैसे देश शामिल हैं। सेब को लेकर आयात की शर्तों के बाद इन देशों से सेबों के आयात पर प्रभाव पड़ेगा। सरकार के इस फैसले से किसानों के चेहरे खिल गए है। कश्मीर के सेब किसानों में खुशी है। कश्मीर के सेब किसानों की मांग की थी कि सरकार ईरानी सेब के आयात पर प्रतिबंध लगाए।

एनडीएमसी ने वर्ष 2023-24 के लिए स्वास्थ्य लाइसेंस शुल्क में वृद्धि की

अजय त्यागी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में होटल, रेस्तरां, कॉफी शॉप, लॉजिंग हाउस, मिठाई की दुकानें और दैनिक खाने योग्य वस्तुओं को बेचने वाले छोटे स्टॉल / कियोस्क आदि जैसी व्यावसायिक गतिविधियों को चलाने के लिए विभिन्न ट्रेड लाइसेंसों के अनुदान/नवीनीकरण के लिए स्वास्थ्य लाइसेंस शुल्क में वृद्धि की है। वार्षिक संशोधन दिनांक 23/08/2018 को एनडीएमसी के निर्णय के अनुसार, पालिका परिषद द्वारा 01/04/2023 से प्रभावी किया गया है। इस निर्णय के तहत लॉन्ड्री, बॉयलर, डी.जी.सेट, हॉकिंग, ड्राई क्लीनर,डेयरी बूथ आदि के लिए कोई वृद्धि नहीं होगी। लॉजिंग हाउस और पांच सितारा होटलों को छोड़कर, बाकी श्रेणियों में भी इस राशि में न्यूनतम वृद्धि रु.100 से 2000/- वार्षिक की गयी है। एनडीएमसी इस वर्ष स्वास्थ्य लाइसेंस के लिए लगभग 200- 300 मामलों पर विचार करेगी। स्वास्थ्य लाइसेंस शुल्क में संशोधन/वृद्धि के संबंध में आदेश दिनांक 06.05.2023 पालिका परिषद की वेबसाइट www.ndmc.gov.in पर उपलब्ध है।

श्रद्धा हत्याकांड: आफताब के खिलाफ हत्या का आरोप तय

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने बहुचर्चित श्रद्धा हत्याकांड के आरोपित आफताब के खिलाफ हत्या का आरोप तय कर दिया है। एडिशनल सेशंस जज मनीषा खुराना कक्कड़ ने आफताब पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 201(सबूतों को नष्ट करने) के तहत आरोप तय किये। सुनवाई के दौरान आफताब ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार कर दिया और ट्रायल का सामना करने की बात कही। आरोप तय करने के मामले पर 15 अप्रैल को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। 31 मार्च को आफताब की ओर से कहा गया था कि जेल में आफताब के साथ दूसरे कैदियों ने मारपीट की है। उसके बाद कोर्ट ने जेल प्रशासन को आफताब की पेशी के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने का निर्देश दिया था। 25 मार्च को आफताब ने अपना वकील दोबारा बदल लिया था। आफताब ने विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मिले वकील को बदलते हुए वकील अक्षय भंडारी को अपना वकील नियुक्त किया था। दिल्ली पुलिस ने 20 मार्च को साकेत कोर्ट को बताया था कि आफताब ने सोच-समझकर घटना को अंजाम दिया है।

दिल्ली पुलिस ने कहा था कि परिस्थिति जन्य साक्ष्य से पता चलता है कि श्रद्धा और आफताब का लिव-इन रिलेशन हिंसक था। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया था कि श्रद्धा प्रैक्टो ऐप के जरिये डॉक्टरों से परामर्श भी ले रही थी। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में श्रद्धा की काउंसलिंग का वीडियो प्ले कर दिखाया था, जिसमें श्रद्धा कह रही है कि आफताब उसको खोज लेगा और मार देगा। इतना ही नहीं, श्रद्धा ने आरोप भी लगाया था कि आफताब उसको मारकर टुकड़ों में काटने की भी धमकी देता था और आफताब ने उसे मारने की भी कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कहा था जांच के दौरान पुलिस को श्रद्धा की हड्डी, जबड़ा और खून के निशान मिले। श्रद्धा के खून फ्रीज और कमरे की अलमारी में लगे हुए मिले। आफताब पर आरोप है कि उसने श्रद्धा की हत्या कर उसके शरीर के करीब तीस टुकड़े कर दिए थे। शव के इन टुकड़ों को फ्रिज में रखा हुआ था। वो शव के अंगों को अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर फेंकता था। बाद में पुलिस ने आफताब की निशानदेही पर श्रद्धा के कई अंगों को बरामद किया।

सामूहिक प्रयासों से थैलेसीमिया मुक्त भारत का संकल्प पूरा होगा : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से थैलेसीमिया मुक्त भारत का संकल्प पूरा होगा। जन प्रतिनिधियों को संसद से लेकर पंचायत तक हर स्तर पर सामूहिक प्रयासों से जन आंदोलन कर थैलेसीमिया की रोकथाम के प्रयास करने चाहिए। बिरला ने मंगलवार को सर गंगाराम अस्पताल में विश्व थैलेसीमिया दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आम जनमानस के बीच थैलेसीमिया की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। रक्तदान का जिक्र करते हुए बिरला ने कहा कि शिक्षा और सामूहिक प्रयासों से लोगों ने रक्तदान का महत्त्व समझा, जिससे आम जनमानस को लाभ मिल सका। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार सामूहिक इच्छा शक्ति और जन आंदोलन की सहायता से थैलेसीमिया की चुनौती से भी निपटा जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस (आईटीडी) 2023 के विषय 'बी अवेयर, शेयर, केयरः स्ट्रेन्थनिंग एजुकेशन टू ब्रिज दि थैलेसीमिया केयर गैपद्ध का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि यह विषय भविष्य में उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी देता है और पीड़ित लोगों और उनकी देख-रेख करने वाले चिकित्सकों के लिए थैलेसीमिया के बारे में अद्यतन जानकारी सुलभ कराने पर बल देता है। रिसर्च और इनोवेशन का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि वैज्ञानिक शोध से गंभीर बीमारियों के इलाज के विषय में रोज नई जानकारियां मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा कि डिजीज स्क्रीनिंग से समय रहते बीमारियों का पता चलता है और सही समय पर इलाज आरंभ किया जा सकता है। बिरला ने स्क्रीनिंग पर जोर देते हुए कहा कि जन प्रतिनिधियों, अस्पतालों और आम लोगों को समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर स्क्रीनिंग शिविर स्थापित कर थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के रोकथाम और इलाज के प्रयास करने चाहिए।

दिल्ली कैंट इलाके में आर्मी के बेस अस्पताल में लगी आग

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के दिल्ली कैंट इलाके स्थित आर्मी के बेस अस्पताल में मंगलवार तड़के आग लग गई। आग हॉस्पिटल के आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर और स्टोर रूम में लगी थी। दमकल विभाग को 3:50 बजे के आसपास आग लगने की सूचना मिली। जिसके बाद मौके पर अलग-अलग दमकल स्टेशन से आग बुझाने वाली पहले 5 गाड़ियां भेजी गई थी, लेकिन आग भीषण होने के कारण और भी गाड़ियां मौके पर रवाना की गई है। दमकलकर्मियों ने लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने फायरकर्मियों की सूझबूझ की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि आग लगने के स्थल के साथ ही ऑक्सीजन सीलेंडर का स्टोरेज था और मेडिकल में इस्तेमाल दूसरे गैस का भी स्टोर था।

सामाजिक सुरक्षा योजनाएं वंचितों को वित्तीय जोखिमों से देती हैं सुरक्षा: सीतारमण

आशीष वर्मा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का मकसद विशेष रूप से वंचितों को जरूरी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराना है। सीतारमण ने सामाजिक सुरक्षा योजनाएं वंचित वर्ग को जोखिम, नुकसान और वित्तीय अनिश्चितता से बचाती हैं। वित्त मंत्री ने मंगलवार को तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर ये बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह तीनों योजनाएं नागरिकों की भलाई के लिए हैं, जो अप्रत्याशित घटना और वित्तीय अनिश्चितताओं की स्थिति में सुरक्षा देती हैं। सीतारमण ने तीन योजनाओं के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 26 अप्रैल 2023 तक पीएमजेजेबीवाई के तहत 16.2 करोड़, पीएमएसबीवाई के तहत 34.2 करोड़ और एपीवाई के तहत 5.2 करोड़ नामांकन किए गए हैं। पीएमजेजेबीवाई के बारे में वित्त मंत्री ने कहा कि इसने 6.64 लाख परिवारों को महत्वपूर्ण सहायता दी है और उन्हें कुल 13,290 करोड़ रुपये की राशि दी गई। उन्होंने बताया कि पीएमएसबीवाई के तहत कुल 1.15 लाख से अधिक परिवारों को 2,302 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री भागवत किशन राव कराड ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को इन योजनाओं में शामिल करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में अभियान चलाए जा रहे हैं। पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के लिए दावा प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ये तीनों जन सुरक्षा योजनाएं पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई 9 मई, 2015 को शुरू की गई थी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक जोड़े को सरोगेसी एक्ट के दायरे में लाने का विरोध किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे और समलैंगिक जोड़े को सरोगेसी एक्ट के दायरे में लाने का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाब में सरकार ने कहा है कि ऐसे कपल को सरोगेसी की इजाजत देना इस एक्ट के दुरुपयोग को बढ़ावा देगा। साथ ही किराए की कोख से जन्मे बच्चे के उज्ज्वल भविष्य को लेकर भी आशंका बनी रहेगी। कोर्ट ने 23 जनवरी को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया था कि वह याचिका की कॉपी एएसजी ऐश्वर्या भाटी के कार्यालय को उपलब्ध कराए। दरअसल, अविवाहित महिला ने एक याचिका दाखिल कर सरोगेसी कानून, 2021 के उस प्रावधान को चुनौती दी है, जिसमें अविवाहित महिलाओं को 'इच्छुक महिला' की परिभाषा के दायरे से बाहर रखा गया है। ऐसा होने से याचिकाकर्ताओं को सरोगेसी के जरिये संतान का विकल्प खत्म हो जाता है। याचिका में कहा गया है कि इस कानून के तहत इच्छुक महिलाओं में भारतीय महिलाएं शामिल हैं, जो 35 से 45 वर्ष की आयु के बीच विधवा या तलाकशुदा हैं और जो सरोगेसी का लाभ उठाने का इरादा रखती हैं। इसके अलावा वह महिला सरोगेसी से संतान चाहने वाले जोड़े से जेनिटक रूप से जुड़ी हुई होनी चाहिए। इन सारे शर्तों के साथ किसी महिला को सरोगेसी के लिए खोजना काफी मुश्किल काम है। याचिका में कहा गया है कि दोनों कानूनों के प्रावधान संविधान की धारा 14 और 21 का उल्लंघन करते हैं।

अमित शाह ने सीमा सुरक्षा में बीएसएफ की भूमिका को सराहा, 108 करोड़ की परियोजना का उद्घाटन

कोलकाता, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सुविधाओं के लिए चार जॉइंट आउटपोस्ट, एक रेजिडेंशियल काम्पलेक्स और एक ऑफिसर्स मेस का उद्घाटन किया है। 108 करोड़ रुपये की लागत से बनी इन परियोजनाओं में बीएसएफ के सात अलग-अलग थाने भी शामिल हैं, जिनका उद्घाटन शाह ने किया। इस दौरान उन्होंने सीमा पर सुरक्षा और शांति बहाली में बीएसएफ की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि 1971 के भारत बांग्लादेश युद्ध में बीएसएफ ने शानदार काम किया, जिसकी वजह से आज भी दोनों देशों के रिश्तों में अपनापन मौजूद है। शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने भी बफीर्ली चोटियों से लेकर रेगिस्तान तक, भूमि सीमा से लेकर बंगाल की खाड़ी तक, हर जगह हमारी भूमि और सीमा की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के बिना भारत की जमीनी सीमा की सुरक्षा की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। जब बीएसएफ का जवान सीमा पर तैनात होता है, तब देश में किसी को भी देश की जमीनी सीमा की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं होती। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा नीति में व्यापार का बहुत महत्व रहा है। 15 हजार किलोमीटर की भारत की भूमि सीमा सात देशों को छूती है और दक्षिण एशिया के सभी देशों के साथ हमारे संबंध और व्यापारिक रिश्ते मजबूत हों, इसके लिए मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद नई नीति बनाई गई। उन्होंने कहा कि पहले बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, व्यापार, पीपल टू पीपल कनेक्टिविटी और बॉर्डर विलेज डेवलपमेंट की बहुत कमी थी। शाह ने कहा कि मोदी सरकार में आज बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप हो रहा है, कनेक्टिविटी बढ़ रही है, देशों के साथ व्यापार बढ़ रहा है, पीपल टू पीपल कनेक्टिविटी भी बढ़ रही है और बॉर्डर विलेज डेवलपमेंट के माध्यम से सीमावर्ती गांव आज देश के प्रथम गांव बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की सीमा सुरक्षा की नीति बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों मे मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रही है। सीमावर्ती गांवों में देश के हर गांव जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के प्रयास कर रही है और इन गांवों में कनेक्टिविटी सुधारने पर भी हम काम कर रहे हैं।

भाजपा निकायों में फैली समस्याओं पर नहीं बात करती : अखिलेश यादव

- रसूलाबाद में जनसभा को सम्बोधित कर सपा अध्यक्ष ने जनता से वोट की अपील की

कानपुर देहात, (हि.स.)। कूड़ा, बंद पड़ी नालियां, जलभराव, सड़कों पर जानवर, महंगी बिजली, हाउस टैक्स, इन बातों पर चुनाव होने जा रहा है और भाजपा इनकी बातें नहीं कर रही है। यह आरोप मंगलवार को रसूलाबाद में जनसभा को सम्बोधित करने पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कही। अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार कूड़े के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी का भी सफाया होगा। मुख्यमंत्री ने अपने कितने केस वापस लिए, क्या धारा 307 वापस नहीं लिया? उन पर जो मुकदमे थे दंगे के,वे वापस नहीं लिए? सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री से पूछो कि शहरों में कूड़ा है तो कहते हैं तमंचा, उनसे पूछो कि नाली साफ नहीं हुई है तो वो कहते हैं तमंचा, उनसे कहो कि नौजवान बेरोजगार है तो कहते हैं तमंचा, उनसे कोई सवाल पूछो तो केवल तमंचा बोलेंगे। उन्होंने कहा कि जो ये चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनना शुरू हुई थीं, जितना समाजवादी सरकार में बनीं, उतनी ही बनीं, उसके आगे नहीं बढ़ी। एंबुलेंस जो चल रही, वही एंबुलेंस हैं जो समाजवादियों ने दी थी। कोई नई एंबुलेंस नहीं चला पाए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रसूलाबाद में नगर पंचायत अध्यक्ष पद के उम्मीदवार यदुनाथ संखवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए जनता से समर्थन मांगा। कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में दूसरे चरण का मतदान 11 मई को है, आप सभी सपा उम्मीदवारों की मदद कीजिए और उन्हें जिताने का काम कीजिए , हम निकायों में विकास का काम करेंगे।

चार माह में मिलने लगेगा बुंदेलखंड के हर घर को नल जल : योगी आदित्यनाथ

-महिलाओं को पानी के लिए दूर-दूर तक नहीं जाना होगा

बांदा, (हि.स.)। पहले बुंदेलखंड में पीने के पानी का बड़ा संकट था। महिलाएं मटकी लेकर एक से पांच किलोमीटर दूर तक पैदल जाती थीं और सिर पर पानी से भरी मटकी लेकर आती थीं, लेकिन हमारी सरकार ने बुंदेलखंड की इस समस्या को खत्म करते हुए हर घर जल नल परियोजना बनाईहै। जो चार महीने के अंदर चालू हो जाएगी, जिससे महिलाओं को दूर तक पानी लेने नहीं जाना पड़ेगा। यह बातें मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निकाय चुनाव एक दूसरे चरण के अंतिम दिन बांदा के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार आने के पहले दूसरी सरकारों के जमाने में बुंदेलखंड सुरक्षित नहीं था। यहां लूट-खसोट का दौर जारी था। हमारी सरकार ने यहां लूट-खसोट को खत्म करने के साथ माफिया राज का खात्मा किया। यहां विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। हमारी सरकार ने ही बुंदेलखंड एक्सप्रेस बना कर दिया। जहां आज कम समय में दिल्ली तक की यात्रा करने के लिए वाहन फरार्टे भर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने इसी तरह सरकार की तमाम उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि चुनाव लोकतंत्र का त्योहार है। लोकतंत्र की ताकत के हथियार को उसी के हाथ में देना चाहिए जो उसका सही उपयोग कर सके। अगर यह ताकत गलत हाथों में चली गई तो वह भस्मासुर बन जाएगा। उन्होंने इस मौके पर नगर पालिका परिषद बांदा, अतर्रा नगर पालिका के चेयरमैन उम्मीदवारों के साथ ही जिले की छह नगर पंचायतों में चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार को नगर पालिका में जिता कर भेजिए तभी शहर का भी विकास होगा। आपका शहर स्वच्छ व सुंदर दिखाई देगा। इस मौके पर प्रदेश के जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद, सांसद आरके सिंह पटेल, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, नरैनी विधायक ओम मणि वर्मा, जिला अध्यक्ष भाजपा संजय सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता मौजूद थे।

जोहफा कैटेगरी चुनने पर हज यात्रियों से लिए जाते हैं 117 रियाल : मोहसिन रजा

- हज कमेटी ऑफ इंडिया को सुविधा न लेने का मेल कर रिफंड हो जाती है रकम
- उप्र राज्य हज समिति के अध्यक्ष ने हज यात्रियों की समस्या का किया समाधान

लखनऊ, (हि.स.)। सऊदी अरब मक्का मदीना जाने वाले आजमीन (हज यात्रियों) के 117 रियाल लिए जाने वाले सवाल पर उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के अध्यक्ष एवं हज कमेटी ऑफ इंडिया के सदस्य मोहसिन रजा ने समाधान किया। उन्होंने बताया कि जिन आजमीन ने हज रजिस्ट्रेशन में एक्स्ट्रा ऑप्शन भरा है उस कैटेगरी के चलते यह रियाल आपसे लिए जाते हैं। उप्र राज्य हज समिति के अध्यक्ष ने मंगलवार को एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि जिन्होंने यह ऑप्शन भरा है उनके लिए सऊदी अरब सरकार और भारत सरकार के ऑफिशियल्स मिल कर अलग से इंतजाम करते हैं। जोहफा मिकाद से एहराम करके हज के लिए जाने के लिए 100 किलोमीटर का सफर होता है। इसमें जिनके द्वारा यह ऑप्शन सेलेक्ट किया गया है उन्हें ओपन बस इत्यादि विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके एवज में 117 रियाल का डिफ्रेंस है। मोहसिन रजा ने बताया कि यह बहुत ही पारदर्शी व्यवस्था है, फिर भी जो लोग यह सुविधा नहीं लेना चाहते हैं वह उसी पोर्टल पर जाकर हज कमेटी ऑफ इंडिया को मेल कर दें। उनका पैसा रिफंड (वापस) हो जाएगा जो जोहफा मिकाद से एहराम करने नहीं जाना चाहते हैं। उन्होंने आजमीन के सवालों का उत्तर देते हुए कहा कि यह हज कमेटी ऑफ इंडिया का विषय नहीं है, यह ऑप्शन आपका है। आप इसे डिलीट कर सकते हैं। आपका पैसा रिफंड हो जाएगा और अगर आप यह अतिरिक्त सुविधा लेना चाहते हैं तो इसके लिए आपको 117 रियाल अधिक व्यय करना होता है।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने मुख्यमंत्री योगी से की शिष्टाचार भेंट

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर प्रवास पर आए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। गुरु गोरखनाथ का विधिवत दर्शन पूजन करने के बाद उन्होंने यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने शुक्ल का अभिनंदन करते हुए उनका कुशलक्षेम पूछा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने उन्हें शॉल व हिमाचली टोपी भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान योगी एवं शुक्ल ने सांस्कृतिक विकास व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। शिष्टाचार भेंट के संबंध में राजभवन हिमाचल प्रदेश के ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर बताया गया कि आस्था और विश्वास के केंद्र विख्यात धार्मिक स्थल गोरखनाथ मंदिर में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने माथा टेका और पूजा-अर्चना की। राज्यपाल ने गोरक्षनाथ जी से सबकी सुख-समृद्धि व रक्षा के लिये प्रार्थना की। सोमवार शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह गोसेवा की। मंदिर की गोशाला में जाकर उन्होंने गोवंश को दुलारा और उन्हें गुड़ खिलाया। मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए वह भीम सरोवर पहुंचे और यहां विचरण कर रहे बतखों को भी दाना दिया। इसके पूर्व उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधिस्थली पर जाकर उन्हें नमन किया।

मेरठ में बसपा को झटका, पूर्व जिलाध्यक्ष समेत 28 नेता भाजपा में शामिल

मेरठ, (हि.स.)। नगर निकाय चुनाव के मतदान से पहले बसपा को करारा झटका लगा है। मंगलवार को बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व पूर्व दर्जा राज्य मंत्री समेत 28 नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की उपस्थिति में सभी नेता भाजपा में शामिल हुए। बागपत रोड स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पर मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी पहुंचे। उनके सामने बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और बसपा सरकार में दर्जा राज्य मंत्री रहे योगेंद्र जाटव, मेरठ शहर के पूर्व बसपा उम्मीदवार और पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनय कुराली ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष ने इन नेताओं का पटके पहना कर स्वागत किया। प्रदेश उपाध्यक्ष व मेरठ निकाय चुनाव प्रभारी पंकज सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल, सांसद राजेंद्र अग्रवाल, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष मुकेश सिंघल, कमलदत्त शर्मा की उपस्थिति में बसपा नेताओं ने भाजपा ज्वाइन की। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में सुशील गर्ग, र-ाकेश गुप्ता, चरण सिंह रविंद्र चौहान, विनोद गुप्ता, विवेक विनय कुराली, नवनीत गुप्ता, चौधरी दीपक सकंह, सौरभ कुराली, अमित कुराली, सुनील जाटव, नमन जाटव, हनी जाटव, उदय चंद जाटव पूर्व पार्षद, रवि जाटव, रमाकांत पचौरी, संजीव जाटव, मनु कंसल, रामकुमार त्यागी, सुजय गुप्ता कुराली, सुरेंद्र जाटव, प्रदीप कुराली, गौरव गुप्ता, संजीव जाटव, चंद्रभान, अंकुर गुप्ता, वरुण गुप्ता शामिल रहे। इससे बसपा को करारा झटका लगा है। इससे पहले रालोद के महानगर अध्यक्ष उज्ज्वल अरोड़ा, राममेहर सिंह ने अपने समर्थकों समेत भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी।

कांग्रेस के निरंजन कुमार सिन्हा 250 कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में हुए शामिल

-झारखंड की जनता हेमंत सरकार को चुनाव में उखाड़ फेंकेगी : दीपक प्रकाश

रांची, (हि.स.)। प्रदेश भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को निरंजन सिन्हा के नेतृत्व में कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा के 250 के करीब कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए। प्रदेश अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश ने निरंजन कुमार सिन्हा को भाजपा का पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल किया। बाबाधाम से आए पंडितों ने मंत्रोच्चारन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। दीपक प्र-काश ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में कांग्रेस और झामुमो पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव से पहले भाजपा का दामन थाम रहे हैं। यह दशार्ता है कि कार्यकर्ताओं को भी समझ आने लगा है कि ये पार्टियां अब डूब रही है। ऐसे में 2024 के विधानसभा चुनाव में कमल फूल खिलना तय है। झारखंड की जनता हेमंत सरकार को चुनाव में उखाड़ फेकेंगी। इस दौरान निरंजन सिन्हा ने कहा कि 2014 चुनाव में मैं भाजपा के साथ ही था। यह भाजपा के साथ मेरी दूसरी पारी है। अब अगले लोकसभा चुनाव में फिर से कमल खिलना चाहिए। विधानसभा चुनाव में भी झामुमो और कांग्रेस को उखाड़ फेंकना है। निरंजन कुमार सिन्हा इससे पूर्व कांग्रेस पार्टी में थे। पिछले दिनों देवघर में भाजपा कार्यालय भवन के शिलान्यास समा-रोह में प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह देवघर आये थे। इस दौरान बंद कमरे में प्रदेश के इन दो शीर्ष नेताओं के साथ एनके सिन्हा की बातचीत हुई। इस दौरान महगामा विधानसभा और वहां की कुर्मी बहुल आबादी के संबंध में नेताओं के बीच चर्चा हुई।

राज्य सरकार अविलंब ट्रिपल टेस्ट कराकर निगम चुनाव कराए : संजय सेठ

रांची, (हि. स.)। रांची के सांसद संजय सेठ के अरगोड़ा स्थित कार्यालय में मंगलवार को पार्षदों के साथ एक बैठक हुई। बैठक में सभी पार्षदों ने नगर निगम का चुनाव जल्द कराने का आग्रह सांसद से किया। सांसद ने कहा कि राज्य सरकार अविलंब ट्रिपल टेस्ट कराकर नगर निगम का चुनाव सुनिश्चित करे। उत्तर प्रदेश सरकार ट्रिपल टेस्ट करा कर छह महीने के अंदर चुनाव करवा रही है। इसके लिए राज्य सरकार को गंभीर होना होगा। सांसद ने कहा कि अगर जल्द चुनाव नहीं हुए तो शहर में विकास कार्य बाधित हो जाएगा। साथ ही विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, लाल कार्ड ,प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई महत्वपूर्ण योजनाएं बाधित होगी। सांसद ने कहा वह जल्द ही केंद्र सरकार के नगर विकास मंत्रालय के मंत्री से मिलकर राज्य सरकार को जल्द चुनाव कराने के लिए बाध्य करेंगे। अगर राज्य स-रकार चुनाव नहीं कराती है तो भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। बैठक में पार्षद विनोद सिंह, अरुण झा, रौशनी खलखो ,आनंद मूर्ति, ओमप्रकाश, सुनील कुमार यादव, सुजाता कच्छप, वीणा अग्रवाल, अशोक यादव, नकुल तिर्की, दिनेश राम, दीपक लोहरा, सुचिता रानी राय, रीता मुंडा, कृष्णा महतो उपस्थित थे।

दिन की शुरूआत योग से करें, जीवन में मिलेगा सकारात्मक बदलाव : कीर्तिश्री

-आमजनों से दिनचर्या में योग को शामिल करने की अपील

बोकारो, (हि.स.)। बोकारो स्टील सिटी के सिटी पार्क परिसर में मंगलवार को नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत घाट पर 'योग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन उपायुक्त सह जिला गंगा समिति के अध्यक्ष कुलदीप चौधरी के निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप विकास आयुक्त श्रीमती कीर्तीश्री ने स्वस्थ्य शरीर को लेकर अपने दिनचर्या में योग को शामिल करने का आमजनों से अपील किया। क-हाकि योग न केवल हमारे शरीर की मांसपेशियों को अच्छा व्यायाम देता है, बल्कि यह हमारे दिमाग को शांत रखने में भी मदद करता है। दिन की शुरूआत योग के साथ करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव को महसूस किया जा सकता है। उप विकास आयुक्त श्रीमती कीर्तिश्री ने कहा कि नदियां सदैव ही जीवनदायिनी रही हैं। प्रकृति का अभिन्न अंग हैं नदियां। नदियां अपने साथ बारिश का जल एकत्रित कर उसे भू-भाग में पहुंचाती हैं, जिससे भू-जल स्तर बना रहता है। उन्होंने आमजनों से अपने आसझपास की नदियों एवं अन्य जल श्रोतों को स्वच्छ रखने का अपील किया। स्वयं ऐसा करने एवं दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने की बात कहीं। इसके पूर्व पंतजलि योग गुरू द्वारा योग के विभिन्न आसन क्रमशः अर्धमत्स्येन्द्रासन, बद्ध पद्मासन, भद्रासन, भुजंगासन, चक्रासन, धनु-रासन, गोमुखासन, हलासन आदि किया गया। जिसका सभी ने क्रमवार दोहराव करते हुए अभ्यास किया। इस अवसर पर गंगा व दामोदर नदियों एवं अन्य जलश्रोतों को स्वच्छ रखने को लेकर भी आमजनों को प्रेरित भी किया गया। योग कार्यक्रम में एसड-ीओ चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, नोडल पदाधिकारी नमामि गंगे शक्ति कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी डा. मनोज कुमार मणि, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, नेहरू युवा केंद्र से जुड़े युवा, आमजन, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

सांसद ने अधिकारियों को दी सख्त हिदायत, काम का बदले तरीका अन्यथा होगी कार्रवाई

अररिया (हि.स.)। अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने मंगलवार को जोकीहाट प्रखंड कार्यालय में प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। जोकीहाट प्र-खंड की जनता औऱ जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार मिल रही शिकायत औऱ जोकीहाट नगर पंचायत में हुए विकास कार्यों में बरती गई अनियमिताओं की सही जानकारी लेने को लेकर सांसद ने प्रखंड स्तर के अधिकारियों के साथ मीटिंग की और अधिकारियों को काम काज के तरीके में सुधार लाने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि काम काज के तौर तरीकों में बदलाव करे,अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहे। जनता की समस्याओं के निष्पादन में गंभीरतापूर्वक ध्यान देने की हिदायत दी। बैठक में उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों को जनसमस्याओं के निष्पादन में हो रही है देरी का कारण पूछने के साथ पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में भी जानकारी ली।

सांसद ने बैठक के दौरान मौजूद सभी अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निष्पादन एंव जनता की परेशानियों को दूर करने का दिशा- निर्देश दिया। बैठक के उपरांत सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि बीते कुछ महीनों से जोकीहाट की जनता औऱ पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रखंड स्तरीय अधिकारियों एंव कर्मचारियों की लापरवाही की शिकायत मिल रही थी। जनता से लेकर जनप्रतिनिधि तक इन अधिकारियों के कामकाज के तौर तरीके से तंग थे। विकास कार्यों में लगातार अनियमिताओं की भी जानकारी मिल रही थी।

लिहाजा प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के संग बैठक कर विकास कार्यों का लेखा-जोखा लिया एंव बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों के समक्ष सही तरीके जनसमस्याओं के सही तरीके से निपटाने का सख्त निर्देश दिया।

बाल संरक्षण ईकाई ने झुग्गी झोपड़ी मुहल्ला में चलाया रेस्क्यू अभियान

बेगूसराय, (हि.स.)। बाल संरक्षण ईकाई बेगूसराय ने मंगलवार को लोहिया नगर ओवरब्रिज स्थित झुग्गी झोपड़ी मुहल्ला में रेस्क्यू अभियान चलाया। जिसमें कूड़ा चुनने वाले एक बच्चे को बाल गृह भेजा गया। इसके साथ ही मुहल्ले के अन्य बच्चों के अभिभावकों को बच्चों से काम नहीं करवाने, बच्चों को प्रत्येक दिन स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, बच्चों से जुड़े सरकारी योजनाओं के संबंध में भी घूम-घूम कर बताया गया। अभिभावकों से बच्चे को पढ़ाने के लिए शपथ भी दिलवाया गया। रेस्क्यू टीम में माया कौशल्या फाउंडेशन के सचिव रौशन कुमार, सब इंस्पेक्टर निधि श्री, जिला बाल संरक्षण ईकाई के रणवीर कुमार, निक्की कुमारी,अमृता कुमारी सहित अन्य सदस्य शामिल थे। टीम के सदस्यों ने बताया कि छोटे-छोटे बच्चों से काम करवाना कानून ही नहीं, बाल हित के भी खिलाफ है। सरकार बच्चों के लिए तरह-तरह की योजनाएं चला रही है। इसके बाद भी अगर बच्चों से काम लिया जाता है तो दुर्भाग्यपूर्ण है। बाल हित में यह रेस्क्यू अभियान लगातार अलग-अलग जगहों पर चलाया जा रहा है।

समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने मुंगेर की डीपीओ को किया निलंबित

पटना, (हि.स.)। बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने बड़ा एक्शन लेते हुए मुंगेर की डीपीओ वंदना पांडे को निलंबित कर दिया है। समाज कल्याण मंत्री ने सोमवार को कहा कि विभागीय जांच के बाद मुंगेर की डीपीओ पर बड़ी कार्रवाई की गई है। समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने कहा कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी वंदना पांडे के ऊपर कई मामलों में अनियमितता के आरोप हैं। विभाग ने वंदना पांडे की निलंबन को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।इसके साथ मधुबनी की डीपीओ के ऊपर भी विभागीय गाज गिरी है। विभागीय स्तर पर शाहपुर, भोजपुर की सीडीपीओ अलका कुमारी के निलंबन को लेकर भी नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इस कार्रवाई पर मंत्री ने कहा कि मुख्यालय से टीम भेजकर जांच करवाते रहते हैं, जिससे आंगनबाड़ी केंद्र सुचारू ढंग से चल सके। अनियमितता के मामले जहां सामने आते हैं, वहां जांच-पड़ताल की जाती है। सहनी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में सरकार की ओर से जो भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है, उसमें कोई भी गड़बड़ी करेंगे तो बचेंगे नहीं। मंत्री ने बताया कि जिलाधिकारी की रिपोर्ट पर मुंगेर के डीपीओ वंदना पांडे को निलंबित किया गया है। इससे पहले भी एक दर्जन सीडीपीओ और डीपीओ पर इस साल कार्रवाई हो चुकी है। यह नियमित प्रक्रिया है और पहले भी स्तर की कार्रवाई होती रही है और आगे भी जहां भी अनियमितता मिलेगी कार्रवाई की जाएगी।सहनी ने कहा कि मुंगेर की डीपीओ को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी और उसके बाद जिलाधिकारी की रिपोर्ट मिलने के बाद निलंबित कर दिया गया है।

संपादकीय

'दंगल' बनेगा सियासी!

बीते 16 दिनों से, राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर, जो 'दंगल' लड़ा जा रहा है, अब उसका स्वरूप और विस्तार बदलता जा रहा है। अब भी हमारे पदकवीर पहलवान यौन-शोषण, उत्पीडन और भद्दी गालियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक के मकसद और मंसूबों पर कोई सवाल नहीं किया जा सकता, क्योंकि वे भारत का सम्मान हैं, धरोहर हैं, आन-बान-शान हैं। देश भी चाहता है कि उन्हें यथाशीघ्र इंसाफ मिले और कुश्ती के भीतर जो शैतान मौजूद हैं, उन्हें सजा दी जाए और खेल संघों को खिलाड़ियों तक ही सीमित रखा जाए। खेल में बाहुबलियों, हैवानों और हवस के प्रतिनिधियों का क्या काम है? उनकी क्या भूमिका हो सकती है? संविधान और लोकतंत्र खेल की आड़ में यौन-हिंसा की जरा-सी भी अनुमति नहीं देते। यदि यह मामला खिंचता जा रहा है और एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप लेता जा रहा है, तो यह हमारी व्यवस्था का ही दोष है। किसान संगठन, खाप पंचायतों के चौधरी, अखिल भारतीय स्तर के चार महिला संगठन, पंजाब से भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) की महिलाएं, कर्मचारी और छात्र संगठन, अभिनेता और कई वर्गों के अनाम चेहरे जंतर-मंतर पर पहुंच चुके हैं। सभी आंदोलित हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और शिक्षा मंत्री आतिशी, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और नवजोत सिंह सिद्धू, किसान नेता राकेश टिकैत, अभिनेता-राजनेता राज बब्बर आदि ने भी पहुंच कर पहलवानों के मकसद और संघर्ष को समर्थन दिया है। इस भीड़ में ऐसे भी चेहरे आ घुसे, जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ 'सियासी नफरत' को हवा देने की कोशिश की। यहीं आंदोलन के सियासी होने की आशंका होती है। बेशक पहलवानों के धरना-प्रदर्शन को व्यापकता मिली है, लेकिन हरियाणा खाप के 11 सदस्य पहलवानों के साथ मौजूद रहेंगे। सरकार और पुलिस को 20 मई तक का अल्टीमेटम दिया गया है। फिर उसके बाद हरियाणा के महम चौबीसी में महापंचायत होगी और खाप यह निर्णय लेंगी कि आंदोलन को राष्ट्रव्यापी रूप कैसे दिया जाए! आखिर इस लड़ाई में खाप जैसों की जरूरत क्या है? यह खेल से जुड़ा आंदोलन है, कोई राजनीतिक, सामाजिक या वैचारिक आंदोलन नहीं है। पहलवानों के लिए खलनायक है-बृजभूषण शरण सिंह। वह भारतीय कुश्ती संघ का अध्यक्ष रहा है और अब उसका कार्यकाल समाप्त हो चुका है। कुश्ती की महिला खिलाड़ियों के साथ हवस का घिनौना खेल खेलने के आरोप भी उसी के खिलाफ हैं। प्राथमिकी दर्ज किए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक बृजभूषण से सवाल-जवाब नहीं किए गए हैं। सवाल तो यह बेहद गंभीर है कि दिल्ली पुलिस ने अभी तक धारा 164 के तहत न्यायाधीश के सामने पीड़ित महिला पहलवानों के बयान दर्ज क्यों नहीं कराए हैं? पॉक्सो कानून में तो आरोपित की तुरंत गिरफ्तारी का प्रावधान है। तो फिर पुलिस सोच क्या रही है? क्या जांच की जा रही है? ओलंपिक चार्टर में खेल संघ के ऐसे अधिकारी के खिलाफ उसे हमेशा के लिए खेल की किसी भी संस्था के लिए 'अयोग्य' करार देने तक के प्रावधान हैं। बृजभूषण अभी बिल्कुल मुक्त है और अनाप-शनाप वीडियो बयान और इंटरव्यू देने में मस्त है। बेशक देश अंतरराष्ट्रीय पदकवीरों के धरना-प्रदर्शन पर विश्वास कर रहा है कि कुछ तो हुआ है, जो ऐसे पहलवान सडक पर बैठने को विवश हुए हैं। बुनियादी चिंता यह है कि आंदोलन भटकना नहीं चाहिए।

देश भी चाहता है कि उन्हें यथाशीघ्र इंसाफ मिले और कुश्ती के भीतर जो शैतान मौजूद हैं, उन्हें सजा दी जाए और खेल संघों को खिलाड़ियों तक ही सीमित रखा जाए। खेल में बाहुबलियों, हैवानों और हवस के प्रतिनिधियों का क्या काम है? उनकी क्या भूमिका हो सकती है? संविधान और लोकतंत्र खेल की आड़ में यौन-हिंसा की जरा-सी भी अनुमति नहीं देते। यदि यह मामला खिंचता जा रहा है और एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप लेता जा रहा है, तो यह हमारी व्यवस्था का ही दोष है। किसान संगठन, खाप पंचायतों के चौधरी, अखिल भारतीय स्तर के चार महिला संगठन, पंजाब से भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) की महिलाएं, कर्मचारी और छात्र संगठन, अभिनेता और कई वर्गों के अनाम चेहरे जंतर-मंतर पर पहुंच चुके हैं। सभी आंदोलित हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और शिक्षा मंत्री आतिशी, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और नवजोत सिंह सिद्धू, किसान नेता राकेश टिकैत, अभिनेता-राजनेता राज बब्बर आदि ने भी पहुंच कर पहलवानों के मकसद और संघर्ष को समर्थन दिया है।

कुछ अलग

बदलता ई-परिदृश्य

हिमाचल की वर्तमान सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं का गुलदस्ता पेश करते हुए कई रंग ढूंढे हैं, लेकिन ई-वाहनों के जरिए नई मंजिलों का पता भी बताया गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में ग्रीन कोरिडोर चिन्हित करने के उपरांत अब 500 ई बस रूट जोड़े जा रहे हैं। ई-वाहनों की एक खेप सरकारी बसों के माध्यम से आएगी, जबकि युवा बेरोजगारों के लिए भी यह सौगात बन कर स्वरोजगार का ई-परिदृश्य पेश कर रही है। हिमाचल में परिवहन का सरकारी पक्ष हमेशा सरकारों के लिए कठिन चुनौती रहा है, लेकिन अबकी बार एक ऐसी सरकार आई है, जो पहाड़ पर चलता हुआ दिखना चाहती है। इसी संदर्भ में चार्जिंग स्टेशन और इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की जरूरत की व्याख्या हो रही है। छोटी और बड़ी बसों के रूट निर्धारित करने की प्रक्रिया से परिवहन के कुनबे में एक नई परिभाषा, प्रतिस्पर्धा तथा रोजगार की संभावना परिलक्षित हुई है, लेकिन ई वाहन पॉलिसी के तहत समग्रता से सारे ट्रांसपोर्ट सेक्टर की धमनियों की जांच परख भी आवश्यक हो जाती है। पहले तो यही कि ई-बसों के साथ-साथ स्वरोजगार क्षेत्र को व्यापक दृष्टि देते हुए इसके साथ टैक्सी आपरेशन को भी जोड़ना होगा। कम से कम प्रमुख पर्यटक स्थलों तथा धार्मिक नगरियों के इर्द-गिर्द ई टैक्सी आपरेशन की एक सशक्त भूमिका अभिलषित है। यह इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि हिमाचल में टैक्सी संचालन गैर जिम्मेदाराना ढंग, जवाबदेही के बिना, निरंकुश दरों के तहत तथा व्यावहारिक तौर पर असहज तरीके से हो रहा है। ऐसे में राज्य सरकार किसी एक ई-वाहन कंपनी से करार करते हुए उसे टैक्सी आपरेशन का पार्टनर बनाकर, इसका सीधा लाभ युवा बेरोजगार को राज्य की गारंटी से वाहन खरीदने में मदद कर सकती है। दूसरे इलेक्ट्रिक टैक्सियों को दिल्ली की तर्ज पर प्वाइंट टू प्वाइंट आपरेशन की दरें निर्धारित करके पर्यटन उद्योग व दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत दे सकती है। उदाहरण के लिए शिमला, कांगड़ा व कुल्लू एयरपोर्ट से इलेक्ट्रिक टैक्सियां अगर प्वाइंट टू प्वाइंट दौड़ती हैं, तो कम दरों पर ऐसी सुविधा से सारा परिदृश्य बदल सकता है। शिमला और धर्मशाला में आरंभिक तौर पर स्थानीय परिवहन में अगर ई बसें स्मार्ट सिटी के तहत आ चुकी हैं, तो यहां टैक्सियों को स्मार्ट रूप रेखा में पेश करते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों से जोड़ दिया जाए। इलेक्ट्रिक वाहन अपने साथ ऐसी तकनीक ला रहे हैं जिससे नया रोजगार व सस्ती परिवहन सेवा संभव हो सकती है, लेकिन इसका परोक्ष लाभ प्रदेश की परिवहन नीति को सरल, साहसी व उपयोगी बनाने को भी मिलेगा। सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों का शामिल होना राज्य की पर्यटन छवि और संभावना को भी आगे बढ़ाने में काम आ सकता है। इलेक्ट्रिक बसों के मार्फत सबसे पहले धार्मिक पर्यटकों की आवाजाही सुनिश्चित की जाए, तो ग्रीन कोरिडोर ऐसे वाहनों के आगमन को प्रतिबंधित कर सकते हैं, जो अब तक कई शहरों का प्रदूषण स्तर से खिलवाड़ कर रहे हैं। तमाम धार्मिक व पर्यटक स्थलों से बीस-पच्चीस किलोमीटर पहले ही बाहरी वाहनों के वाहन रोक कर अगर आगे पर्यटकों को इलेक्ट्रिक वाहनों से ले जाया जाए, तो पर्यटन सीजन के ट्रैफिक जाम बीते कल की बात हो जाएंगे। दरअसल परिवहन पर सोच विकसित करें, तो प्रदेश में रोजगार के अवसर, आर्थिक विकास और भविष्य के विकास का नक्शा कुछ इस तरह बनेगा कि सामान्य परिवहन से ऊपर उठकर रज्जु मार्गों का अधिकतम इस्तेमाल तथा भविष्य के बस स्टैंड अपने भीतर पर्यटक सुविधाओं के स्तंभ बन सकते हैं। प्रदेश के शिमला, मंडी, ऊना व कांगड़ा में बस स्टैंड का एक मॉडल बनता हुआ नजर आया है और अगर इसी तर्ज पर निजी निवेश से कम से कम सौ और बस स्टैंड कम शापिंग-पार्किंग कांप्लेक्स विकसित होते हैं, तो परिवहन के रास्ते पर्यटन परिसर हर जगह स्वागत करेंगे। कुछ मंदिर परिसर ऐसे बस स्टैंड के मार्फत यात्री सुविधाओं के केंद्र व दर्शन को आरामदायक बना सकते हैं। उदाहरण के लिए ज्वालामुखी व चिंतपूर्णी में बस स्टैंड की परिकल्पना को यात्री सुविधा, शापिंग व मनोरंजन केंद्र के रूप में विकसित करते हुए आगे मंदिर परिसर तक रज्जु मार्गों तक जुड़ जाएं, तो परिवहन व पर्यटन एक ही सिक्के के दो पहलू हो जाएंगे।

सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री डॉ. मृदुला सिन्हा ने महिलाओं की असुरक्षा एवं अवांछित बर्ताव के संदर्भ में एक कटु सत्य को रेखांकित किया

पत्रकार भावना किशोर के साथ जो कुछ हुआ उसने समाज को झकझोर कर रख दिया है

ललित गर्ग

नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करते हुए समाज में ऐसी नारी अपमान एवं अत्याचार की घटनाओं का कायम रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। दिल्ली के जिस नर्सिंग कॉलेज में चोरी करने का आरोप लगाते हुए दो छात्राओं के साथ अवांछित व्यवहार की क्रूर एवं आपत्तिजनक घटना सामने आई है, वह बेहद चिन्ताजनक है। इससे पता चलता है कि किसी संस्थान में जिम्मेदारी वाले पद पर होने के बावजूद कोई व्यक्ति कैसे अपनी मर्यादाओं एवं जिम्मेदारियों को भूल जाता है और इस क्रम में वह किसी महिला के सम्मान को गहरी चोट पहुंचाता है। हालांकि दोनों के पास से कोई पैसा नहीं मिला।

दिल्ली के एक नर्सिंग कॉलेज में दो छात्राओं के साथ हो या पंजाब पुलिस द्वारा टाइम्स नाऊ- नवभारत टाइम्स की पत्रकार भावना किशोर को बदले की भावना से हिरासत में लेने की अवांछित घटनाएं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की शर्मसार करने वाली घटनाएं हैं। ये दोनों घटनाएं ऊंचे ओहदों पर बैठे अधिकारियों द्वारा न सिर्फ नाहक आपा खोकर की गई अमानवीय हरकत है, बल्कि यह कानूनन अपराध के दायरे में भी आता है। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के द्वारा नारी से अभद्र एवं अपमान करने एवं अमानवीय घटनाओं का होना प्रशासनिक ढांचे एवं उसकी संरचना पर अनेक सवाल खड़े करता है। प्रश्न है कि क्यों भूल रहे हैं ऐसे लोग अपनी मर्यादाएं। नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करते हुए समाज में ऐसी नारी अपमान एवं अत्याचार की घटनाओं का कायम रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। दिल्ली के जिस नर्सिंग कॉलेज में चोरी करने का आरोप लगाते हुए दो छात्राओं के साथ अवांछित व्यवहार की क्रूर एवं आपत्तिजनक घटना सामने आई है, वह बेहद चिन्ताजनक है। इससे पता चलता है कि किसी संस्थान में जिम्मेदारी वाले पद पर होने के बावजूद कोई व्यक्ति कैसे अपनी मर्यादाओं एवं जिम्मेदारियों को भूल जाता है और इस क्रम में वह किसी महिला के सम्मान को गहरी चोट पहुंचाता है। हालांकि दोनों के पास से कोई पैसा नहीं मिला। सवाल है कि पैसा चोरी होने के बाद अगर वार्डन को कोई शक था भी, तो उसे खुद कानून हाथ में लेने का क्या अधिकार था? फिर, जैसा बर्ताव छात्राओं के साथ किया गया, क्या वह किसी भी रूप में शक को दूर करने की कोशिश लगती है? निश्चित रूप से यह न केवल स्त्री की गरिमा के विरुद्ध है, बल्कि ऐसे व्यक्ति के उस सामंती ढांचे को भी दर्शाता है, जो पद की अकड़ में किसी के खिलाफ अवांछित व्यवहार कर बैठता है। जो हमारे समूचे परिवेश एवं सांस्कृतिक सोच पर एक बदनुमा दाग है। सच यह है कि हड़बड़ी या फिर पद के नाहक अहं में आकर लड़कियों के कपड़े उतरवाए गए और इस तरह उन्हें अपमानित किया गया। अगर चोरी हुई भी, तो इसकी शिकायत पुलिस के पास की जा सकती थी। लेकिन वार्डन ने स्वयं को सर्वेसर्वा मानकर जो बर्ताव किया, वह कानून को तो ताक पर रखता ही है, हमारी मर्यादा, शालीनता, संस्कार एवं महिलाओं के प्रति सम्मानजनक नजरिये की धज्जियां भी उड़ाता है। इस

तरह की घटनाओं की रह-रह की पुनरावृत्ति होना गंभीर चिन्ता का विषय है। भले ही घटना हो जाने के बाद पीड़ति छात्राएं और उनके अभिभावकों की शिकायत के बाद इस मसले पर वार्डन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और अब उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी, लेकिन एक बड़ा प्रश्न है कि ऐसी घटनाएं कब तक समाज की गरिमा को क्षत-विक्षत करती रहेंगी। हैरानी की बात है कि समाज के जिस तबके के बारे में शिक्षित होने और किसी संस्थान के सभ्य आचार संहिता से संचालित होने की उम्मीद की जाती है, अक्सर उसी की ओर से ऐसी हरकतें सामने आती हैं, जिसमें आज भी सामंती मूल्य एवं पुरुषवादी संकीर्ण सोच बनी हुई हैं और उसे कानून की परवाह नहीं है। सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री डॉ. मृदुला सिन्हा ने महिलाओं की असुरक्षा एवं अवांछित बर्ताव के संदर्भ में एक कटु सत्य को रेखांकित किया है- 'अनपढ़ या कम पढ़ी-लिखी महिलाएं ऐसे हादसों का प्रतिकार करती हैं, किन्तु पढ़ी-लिखी लड़कियां मौन रह जाती हैं।' सचमुच यह एक चौंका देने वाला सत्य है। पढ़ी-लिखी महिला इस प्रकार के किसी हादसे का शिकार होने के बाद यह चिंतन करती है कि प्रतिकार करने से उसकी बदनामी होगी, उसके पारिवारिक रिश्तों पर असर पड़ेगा, उसका कैरियर चौपट हो जाएगा, आगे जाकर उसको कोई विशेष अवसर नहीं मिल सकेगा, उसके लिए विकास का द्वार बंद हो जाएगा। वस्तुतः एक महिला प्रकृति से तो कमजोर है ही, शक्ति से भी इतनी कमजोर है कि वह अपनी मानसिक सोच को भी उसी के अनुरूप ढाल लेती है। भले ही नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने शिकायत दर्ज कर साहस का परिचय दिया है। महिलाओं के जागने से ज्यादा जरूरी है इस तरह की विकृत सोच एवं अवांछितों व्यवहार पर स्वतः नियंत्रित होने की। दिल्ली की यह घटना इस तरह का कोई अकेला उदाहरण नहीं है। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिसमें कहीं चोरी के आरोप में तो कभी परीक्षा में नकल रोकने के नाम पर कपड़े उतरवा कर लड़कियों की तलाशी ली जाती है। आम आदमी पार्टी के राजनेता एवं राजनीतिक दल तो इतने अहंकारी हो गये हैं कि उनके भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली टाइम्स नाऊ की महिला पत्रकार को ही झूठा मामला बनाकर बिना महिला पुलिसकर्मी के सात घंटे तक हिरासत में रखा और अवांछित तरीके से परेशान किया। ऑपरेशन शीशमहल में केजरीवाल के 45 करोड़ खर्च के मामले को उठाने वाली महिला पत्रकारों से बदसलूकी की गयी है। पहले उन्हें पीटा गया, उनके रास्ते रोके गए और अब एक पत्रकार को बीच रास्ते में हिरासत में ले लिया गया। ऐसी हरकतें करने वाले लोगों या संस्थानों को क्या इस बात का अंदाजा भी होता है कि ऐसे व्यवहार की शिकार लड़कियों के मन-मस्तिष्क पर क्या असर पड़ता है? करीब सात महीने पहले झारखण्ड से एक खबर आई थी, जिसमें नकल के शक में कपड़े उतरवा कर एक छात्रा की तलाशी लेने का आरोप था। इससे बेहद आहत और अपमानित महसूस करने के बाद छात्रा ने घर जाकर खुद को आग लगा ली थी। यह समझना मुश्किल है कि ऐसा करके किसी गड़बड़ी को रोकने की कोशिश की जाती है या एक नई गड़बड़ी को अंजाम दिया जाता है। अगर किसी संस्थान या व्यक्ति को चोरी या नकल का शक है तो क्या इससे निपटने का यही तरीका बचा है कि किसी लड़की को इस तरह अपमानित किया जाए? आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा? अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार। कब टूटेगी हमारी यह मूर्च्छा? कब बदलेगी हमारी सोच। यह सब हमारे बदलने पर निर्भर करता है। हमें एक बात बहुत ईमानदारी से स्वीकारनी है कि गलत रास्तों पर चलकर कभी सही नहीं हुआ जा सकता। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल के बिना हमारी दुनिया में न कोई क्रांति संभव है, न प्रतिक्रांति।

बिजनेस का 'कैश बर्निंग मॉडल' विफल

निवेशकों ने बड़े चाव से इन शेयरों को खरीदा था, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि जल्दी ही इन शेयरों में निवेशकों को भारी नुकसान सहना पड़ा। नवंबर 2022 तक पॉलिसीबाजार के निवेशकों की 69 प्रतिशत राशि डूब चुकी है, पेटीएम में 65 .4 प्रतिशत की राशि डूबी, नाइका में 49 .34 प्रतिशत, जोमैटो में 41 .39 प्रतिशत और देहलीवरी में 31 .33 प्रतिशत का नुकसान निवेशकों को सहना पड़ा है। इस प्रकार जोमैटो के निवेशकों के लगभग 40911 करोड़ रुपए, पॉलिसीबाजार के निवेशकों के लगभग 37277 करोड़ रुपए, नाइका के निवेशकों के लगभग 51469 करोड़ रुपए, देहलीवरी के निवेशकों के लगभग 12175 करोड़ रुपए, पेटीएम के निवेशकों के सबसे अधिक लगभग 66169 करोड़ रुपए नवंबर 2022 तक डूब चुके हैं। सरसरी तौर पर देखें तो पता चलता है कि ये सभी कंपनियां शेयर जारी होते समय भी नुकसान में थी और अभी भी नुकसान में हैं। वास्तव में इन कंपनियों का बिजनेस मॉडल ही 'कैश बर्निंग मॉडल' है। बिजनेस का परंपरागत और सदाबहार तरीका तो लाभ अधिकतर करने का है, जिसके अंतर्गत कंपनियां अपनी प्राप्तियों को अधिकतम और खर्चों को न्यूनतम कर अधिकाधिक लाभ कमाने का प्रयास करती हैं।

पिछले लगभग डेढ़ वर्ष में नए जमाने की कई ऐसी कंपनियों, जिनमें अधिकांश नुकसान में फंसी ई-कॉमर्स कंपनियां थी, जिन्होंने अपना बड़ा व्यवसाय खड़ा कर लिया था, ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी के कुछ प्रावधानों के अंतर्गत आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफर जारी किया और आम निवेशकों ने इन कंपनियों के पूर्व में बढ़ते जा रहे बाजार मूल्यांकन से प्रभावित होकर बड़ी मात्रा में इनके शेयर खरीदकर निवेश किया। जुलाई 2021 में जोमैटो, नवंबर 2021 में नाइका, पेटीएम और पॉलिसीबाजार, मई 2022 में देहलीवरी ने जनता को शेयर जारी किए। निवेशकों ने बड़े चाव से इन शेयरों को खरीदा था, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि जल्दी ही इन शेयरों में निवेशकों को भारी नुकसान सहना पड़ा। नवंबर 2022 तक पॉलिसीबाजार के निवेशकों की 69 प्रतिशत राशि डूब चुकी है, पेटीएम में 65.4 प्रतिशत की राशि डूबी, नाइका में 49.34 प्रतिशत, जोमैटो में 41.39 प्रतिशत और देहलीवरी में 31.33 प्रतिशत का नुकसान निवेशकों को सहना पड़ा है। इस प्रकार जोमैटो के निवेशकों के लगभग 40911 करोड़ रुपए, पॉलिसीबाजार के निवेशकों के लगभग 37277 करोड़ रुपए, नाइका के निवेशकों के लगभग 51469 करोड़ रुपए, देहलीवरी के निवेशकों के लगभग 12175 करोड़ रुपए, पेटीएम के निवेशकों के सबसे अधिक लगभग 66169 करोड़ रुपए नवंबर 2022 तक डूब चुके हैं। सरसरी तौर पर देखें तो पता चलता है कि ये सभी कंपनियां शेयर जारी होते समय भी नुकसान में थी और अभी भी नुकसान में हैं। वास्तव में इन कंपनियों का बिजनेस मॉडल ही 'कैश बर्निंग मॉडल' है। बिजनेस का परंपरागत और सदाबहार तरीका तो लाभ अधिकतर करने का है, जिसके अंतर्गत कंपनियां अपनी प्राप्तियों को अधिकतम और खर्चों को न्यूनतम कर अधिकाधिक लाभ कमाने का प्रयास करती हैं। आर्थिक सिद्धांतों में हालांकि अधिकतम लाभ के अतिरिक्त अधिकतम बिक्री का उद्देश्य भी बताया जाता है, यानी उद्यमी तात्कालिक रूप से अधिकतम लाभ का त्याग कर अधिकतम बिक्री के भी प्रयास करते रहे, हालांकि उसमें भी तात्कालिक रूप से भी नुकसान नहीं लेते हुए, दीर्घकाल में लाभों को अधिकतम करने की उनकी रणनीति भी रही। लेकिन पिछले दो दशकों से बिजनेस का एक नया मॉडल उभर कर आया, जो प्रारंभ में तो सफल भी होता दिखाई दिया और यह मॉडल था 'कैश बर्निंग मॉडल'। इसकी शुरुआत ई-कॉमर्स व्यवसाय में हुई। प्रारंभ में तो ऐसा लगा कि ई-कॉमर्स कंपनियां लोगों को शुरू में लुभाने के लिए उन्हें सस्ते में माल देती हैं, लेकिन बाद में वो उसकी भरपाई कर ही लेंगी। लेकिन जब कंपनियों ने परंपरागत व्यवसायियों यानी छोटे दुकानदारों, थोक व्यापारियों आदि को बाजार से बाहर करने की रणनीति के तहत दशकों तक नुकसान करते हुए अपने व्यवसाय को जारी रखा तो उनकी इस कार्यनीति को आर्थिक विश्लेषकों ने समझने का प्रयास किया। ऐसा ध्यान में आया कि कैश बर्निंग कोई अल्पकालिक नीति नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति है, जो प्रमोटरों को मालामाल कर रही है और व्यवसाय में भी भारी वृद्धि कर रही है। सामान्य तौर पर जब किसी व्यवसाय में रणनीतिक तौर पर नुकसान करते हुए एकाधिकार करने की कोशिश होती है, तो उसके साथ ही साथ पूंजी भी घटती है और अंततोगत्वा व्यवसायी की परिसंपत्तियां कम होती हैं। लेकिन पिछले दो दशकों से चल रहे 'कैश बर्निंग मॉडल' ने गणना का तरीका ही बदल दिया है। एक उदाहरण से इस बात को समझने की कोशिश करते हैं। दो युवाओं ने एक कंपनी बनाई, जिसका नाम था फिल्पकार्ट। अपने निजी संबंधों से कुछ राशि उन युवाओं ने उस कंपनी में लगाई और ई-कॉमर्स का व्यवसाय शुरू किया। बाजार कीमत से 20 से 30 प्रतिशत कम कीमत पर उन्होंने सामान बेचना शुरू किया। स्वाभाविक तौर पर माल सस्ता बेचने के कारण जो प्रारंभिक राशि उन्होंने लगाई थी वो समाप्त हो गई थी। उन्होंने बाजार में निवेशकों के साथ संपर्क साधा और उस व्यवसाय में राशि लगाने के लिए कहा। उस कंपनी की खासियत यह थी कि बड़ी संख्या में ग्राहकों की जानकारियां उनके पास थी और ग्राहकों का विश्वास भी उन्होंने अर्जित किया था। उस आधार पर कंपनी का मूल्यांकन किया गया और हिस्सेदारी के रूप में कुछ प्रतिशत शेयर निवेशकों को देकर एक बड़ी राशि प्राप्त की गई। बाद में वो राशि भी डिस्काउंट और हिंसक कीमतों में उड़ा दी गई, तब तक उस कंपनी का मूल्यांकन और अधिक बढ़ गया था और नए निवेशकों ने हिस्सेदारी के रूप में कुछ और प्रतिशत लिया और बड़ी राशि कंपनी को दे दी। यह प्रक्रिया चलती रही और अंत में वर्ष 2018 के अप्रैल माह के दौरान वालमार्ट नाम की विश्व की सबसे बड़ी खुदरा व्यापार कंपनी, जो ई-कॉमर्स के व्यवसाय में आने की इच्छुक थी, ने कंपनी का मूल्यांकन 20 अरब डालर का किया और विभिन्न निवेशकों से समझौता कर फिल्पकार्ट कंपनी के 77 प्रतिशत शेयर 15.4 अरब डालर में खरीद लिए, जिसमें एक बड़ा हिस्सा उन दो प्रमोटर युवाओं को भी मिला। यहां एक बात बताना लाभकारी रहेगा कि अगस्त 2017 में सॉफ्टबैंक नाम की एक निवेशक कंपनी ने फिल्पकार्ट कंपनी के 22 प्रतिशत शेयर फिल्पकार्ट के मूल्यांकन, 10 अरब डालर, के हिसाब से 2.2 अरब डालर में खरीदे थे। जब वालमार्ट ने इस कंपनी के 77 प्रतिशत शेयर 20 अरब डालर के मूल्यांकन के आधार पर खरीदे तो सॉफ्टबैंक को 2.2 अरब डालर के निवेश के बदले अब 4.4 अरब डालर मिल गए। समझा जा सकता है कि इस 'कैश बर्निंग मॉडल' में अभी तक किसी को नुकसान नहीं हुआ था। उपभोक्ताओं को सस्ता सामान मिल रहा था, प्रमोटरों को ज्यादा वैल्युएशन मिल रही थी और निवेशकों के निवेश पर भी भारी लाभ उन्हें मिल रहा था। आर्थिक एवं बिजनेस विश्लेषक इस मॉडल के गुणगान कर रहे थे। लेकिन कहानी इसके बाद भी है। पिछले लगभग डेढ़ वर्ष में ऐसी कई कंपनियों, जिन्होंने कैश बर्निंग मॉडल के बलबूते अपना व्यवसाय बढ़ाया, और वैल्यूएशन के प्रच्छन्न और अनोखे तरीके से उनका मूल्यांकन जरूरत से अधिक होता रहा और इन्हें बड़ी मात्रा में निवेश भी मिलता रहा।

देश दुनीया से

पुरस्कारों की गरिमा एवं विश्वसनीयता

कौन अपने अच्छे कार्यों के लिए प्रशंसा, सम्मान या शाबाशी नहीं पाना चाहता? यह सभी की आन्तरिक इच्छा तथा दबी हुई चाहत होती है कि उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक, राजनैतिक तथा मानवीय कार्यों के लिए मान-सम्मान, प्रतिष्ठा तथा पहचान मिले। यह समाज में व्यक्तियों को उत्कृष्ट एवं श्रेष्ठ कार्य के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक भी है। वैसे श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए केवल कर्म करने तथा फल की इच्छा न करने का संदेश दिया है। मनुष्य की इच्छाएं, आकांक्षाएं और मनोकामनाएं उसे कर्म के पश्चात फल के लिए आकर्षित तथा प्रभावित करती हैं जो स्वाभाविक भी है। आज विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्रों में श्रेष्ठ एवं कर्मठ कर्मचारियों एवं अधिकारियों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न सम्मान, अलंकरण एवं अवार्ड निर्धारित किए गए हैं। विभिन्न मानकों के आधार पर कर्मचारियों का सम्मान के लिए चयन किया जाता है, लेकिन हर बार मानकों, चयन प्रक्रिया तथा चयनकर्ताओं पर उंगलियां उठती रही हैं। इसका कारण या तो श्रेष्ठता की स्वीकार्यता नहीं है या फिर चयन प्रक्रिया दोषी होती है। अनेकों बार तो विरोध के स्वर न्यायालय तक पहुंच चुके हैं। इसके अतिरिक्त समाज में अनेकों गैर सरकारी संस्थाएं भी विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित कर प्रोत्साहित करती हैं। आजकल बहुत सी संस्थाएं सम्मानित होने के लिए आनलाइन तथा ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित करती हैं। कभी-कभी ये संस्थाएं ज्यूरी द्वारा चयनित व्यक्तियों को अग्रिम फीस, आने-जाने के माध्यम तथा होटल आदि में ठहरने आदि की व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करती हैं। कभी-कभी यह भी एक व्यवसाय के रूप में प्रतीत होता है। सम्मान चाहने वालों में भी प्रतिस्पर्धा तथा तीव्र महत्त्वाकांक्षा सी दिखाई देती है। इसी कारण योग्य व्यक्तियों की उपेक्षा भी होती है। अनेकों बार महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति अपना कार्य छोड़ कर केवल पुरस्कारों के आवेदन, प्रबन्धन तथा जुगाड़ पर केन्द्रित रहते हैं। इससे कार्यव्यवस्था प्रभावित होती है। पुरस्कारों की इस तीव्र महत्त्वाकांक्षा तथा प्रतिस्पर्धा के कारण अनेकों कर्मठ व्यक्तियों की उपेक्षा होती है जिससे ईमानदारी से कार्य करने वालों का मनोबल भी कम होता है। अनेकों बार अंगूर खट्टे होने के कारण भी इस प्रकार की चर्चाएं जन्म लेती हैं परन्तु यह भी आवश्यक है कि जहां समाज में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए मान-सम्मान तथा अलंकरण आवश्यक है, वहीं पर पुरस्कारों की गरिमा भी बहुत आवश्यक है। कुछ पुरस्कार महत्त्वाकांक्षी लोग किसी भी कीमत पर पुरस्कार प्राप्त करना चाहते हैं तथा वे 'पुरस्कार प्रबन्धन कला कौशल' में बहुत ही दक्ष होते हैं। ऐसे लोग जहां अपनी तीव्र इच्छा एवं महत्त्वाकांक्षा को पूरा करने में पूरा श्रम करते हैं तथा पूरा दिमाग एवं शक्ति लगा कर एड़ी-चोटी का जोर लगा देते हैं, वहीं पर ये लोग योग्य एवं पात्र व्यक्तियों को नीचा दिखाकर उनका मनोबल गिराने में कोई कसर नहीं छोड़ते। पिछले माह सम्पन्न हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सत्र में शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों के स्थानांतरण तथा प्रतिवर्ष राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किए जाने वाले शिक्षक पुरस्कारों में जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों ने चिंता जाहिर की। कुछ विधानसभा सदस्यों ने शिक्षक पुरस्कारों पर अध्यापकों के चयन पर उंगली उठाते हुए बहुत ही गम्भीर सवाल उठाए हैं। विधानसभा चर्चा में जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों ने ऐसे लोगों को भी व्यवस्था द्वारा पुरस्कृत किए जाने की बात स्वीकार की जिनका पाठशाला, बच्चों तथा कक्षा शिक्षण से दूर-दूर तक संबंध नहीं था।

मनुष्य की इच्छाएं, आकांक्षाएं और मनोकामनाएं उसे कर्म के पश्चात फल के लिए आकर्षित तथा प्रभावित करती हैं जो स्वाभाविक भी है। आज विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्रों में श्रेष्ठ एवं कर्मठ कर्मचारियों एवं अधिकारियों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न सम्मान, अलंकरण एवं अवार्ड निर्धारित किए गए हैं। विभिन्न मानकों के आधार पर कर्मचारियों का सम्मान के लिए चयन किया जाता है, लेकिन हर बार मानकों, चयन प्रक्रिया तथा चयनकर्ताओं पर उंगलियां उठती रही हैं। इसका कारण या तो श्रेष्ठता की स्वीकार्यता नहीं है या फिर चयन प्रक्रिया दोषी होती है।

नागरिक बोध

राजस्थान में अशोक गहलोत ने वसुंधरा राजे की तारीफ कर निशाना साधा

राजस्थान में अशोक गहलोत ने भाजपा की नेता वसुंधरा राजे की तारीफ में कसीदे पढ़कर भाजपा को नुकसान पहुंचाने की बजाए कांग्रेस को ही कठघरे में ले लिया है। राजस्थान में छह महीने के भीतर विधानसभा चुनाव होने है। सियासी घमासान में राजनीतिक पार्टियांमन की भड़ास निकालते नजर आ रहे है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के पक्ष मेंतारीफ के कसीदे पढ़कर राजनैतिक गर्माहट ला दी है। राजस्थान में तथ्यहीन बयानबाजी का सहारा लिया जा रहा है। अशोक गहलोत ने एक सभा मे कहा कि सियासत संकट के वक्त सरकार गिराने में सहयोग नही देने के लिए वसुंधरा की तारीफ की। वसुंधरा ने अशोक गहलोत का राजनैतिक संकट करार दिया। अशोक गहलोत मेरे खिलाफ बहुत बड़ा संकट खड़ा करने और सियासी षड्यंत्र है। अशोक गहलोत ने गृहमंत्री अमित शाह ने विधायको को सरकार गिराने का पैसा देने का आरोप लगाकर राजस्थान सहित कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में पत्थर बनकर विघ्न डालने की कांग्रेस की मंशा है। अमित शाह ने पैसे दिए है तो अशोक गहलोत को चाहिए कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। सच्चाई से दूर भाग रहे अशोक गहलोत को कांग्रेस की प्रतिष्ठा की कोई परवाह नही है। देश जानता है कि कांग्रेस की ऐसी कोई विचारधारा ही नही है कि अच्छे काम के लिए विपक्ष को सराहा जाए। मोदी को हर समय गाली देने वाली कांग्रेस वसुंधरा की तारीफ कर रही है। जबकि मोदी देश के ही नही दुनिया के नम्बर वन नेता का तमगा संयुक्त राष्ट्र दे चुका है। वसुंधरा ने कहा कि 2023 के चुनाव में कांग्रेस की हार निश्चित है। इसलिए षड्यंत्र का सहारा ले रही है।सियासी घमासान में दिल की भड़ास निकालने और मतदाताओ को रिझाने राजनीतिक दल आरोपो की झड़ी लगा रहे है। वसुंधरा ने अशोक गहलोत को सलाह दी कि विधायको ने पैसे लिए है तो एफआईआर करना चाहिए। क्योंकि अशोक गहलोत तो विधायको की खरीद फरोख्त में माहिर है।शोभारानी के साथ कैलाश मेघवाल और वसुंधरा की तारीफ करना सियासी मायने क्या है? सियासी चर्चा को हवा देने में अशोक गहलोत का कोई सानी नही है। इसलिए मोदी ने अशोक गहलोत की दो बार राजस्थान में ही तारीफ की थी। जिसका मतलब कई दिनों के बाद अशोक गहलोत को समझ आने पर कहा कि मोदी ने मेरी तारीफ नही कर मुझ पर निशाना साधा है। सचिन पायलट की सियासी जमीन खींचने वाली राजस्थान कांग्रेस में अंदरूनी लड़ाई, पंजाब की याद ताजा कर रही है। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत नेवसुंधरा के नाम का उल्लेख कर भाजपा में उनकी स्थिति असहज कर दी और उस बयान के लिए राजे को मीडिया के समक्ष आना पड़ा है। मिलीभगत के आरोप और सचिन ने वसुंधरा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर भाजपा में राजे विरोधी खेमा बयान को भुनाने की कोशिश करेगा।

रूस की विक्ट्री-डे परेड में शामिल हुए 10 हजार सैनिक : पुतिन ने यूक्रेनी नेताओं को नाजी कहा, बोले- पश्चिमी देश हमें तबाह करना चाहते हैं

मॉस्को।

रूस में विक्ट्री-डे मनाया जा रहा है। इसी दिन सोवियत यूनियन ने वर्ल्ड वॉर 2 में नाजी जर्मनी को हराया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन क्रेमलिन से रेड स्क्वायर पहुंचे जहां परेड का आयोजन किया गया। विक्ट्री डे पर अपनी 10 मिनट की स्पीच के दौरान पुतिन ने कहा- नाजियों की हार को 78 साल बाद एक बार फिर से रूस और पूरी दुनिया पर खतरा मंडरा रहा है। रूस के खिलाफ असली युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ चल रही जंग की तुलना नाजियों के साथ हुए युद्ध से की। उन्होंने कहा- यूक्रेन के लीडर्स दुनिया के नए नाजी हैं। यूक्रेन जंग ने वैश्विक समुदाय को एक ब्रेकिंग पॉइंट पर ला दिया है। रूस भविष्य में शांति स्थापित करना चाहता है लेकिन पश्चिमी देश ऐसा नहीं चाहते। वो लगातार लोगों में नफरत और रशोफोबिया (रूस के खिलाफ नफरत और डर) की भावना को बढ़ावा दे रहे हैं। वो सिर्फ हमारे देश को बर्बाद करना चाहते हैं। यूक्रेनी नागरिक पश्चिमी देशों के बुरे मंसूबों के गुला**म बन गए हैं।**

6 देशों के लीडर्स हुए शामिल - विक्ट्री डे सेलिब्रेशन में उन 6 देशों ने भी हिस्सा लिया जो कभी सोवियत संघ में शामिल थे। कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, आर्मेनिया, उजबेकिस्तान, तजीकिस्तान और बेलारूस के लीडर्स पुतिन के साथ नजर आए। सभी ने रेड स्क्वायर पर दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मारे गए रूसी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान 125 मिलिट्री व्हीकल्स और 10 हजार रूसी सैनिकों ने परेड निकाली। इसमें रूस की इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल और एस-400 मिसाइल सिस्टम भी शामिल थे। हालांकि, कुछ दिन पहले ही क्रेमलिन पर हुए ड्रोन अटैक को देखते हुए इस साल परेड में कोई मिलिट्री फ्लाईपास्ट नहीं निकाला गया।

पुतिन बोले- सैनिकों पर टिका देश का भविष्य - भाषण की शुरुआत करते हुए पुतिन ने सभी साथी देशों का परेड में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया। इसके बाद उन्होंने वर्ल्ड वॉर 2 में मारे गए सैनिकों की याद में 1 मिनट के मौन की घोषणा की। पुतिन बोले- देश के लिए उसके सैनिक जंग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। यूक्रेन में जो सैनिक रूस के स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन का हिस्सा हैं, मुझे उन पर गर्व है। रूस का भविष्य इन्हीं सैनिकों पर टिका हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में जारी है अमेरिका बनाम चीन की बहस, हिना रब्बानी के लीक हुए पत्र से मचा बवाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अमेरिका के प्रति ज्यादा झुकाव रखे या चीन की तरफ, इस सवाल पर देश में बहस लगातार चल रही है। इस बहस की जड़ें कुछ समय पहले अमेरिका में लीक हुए दस्तावेजों से हैं, जिससे जाहिर हुआ था कि अब शहबाज शरीफ सरकार चीन से अपने रिश्तों को ज्यादा अहमियत दे रही है। यहां कूटनीति विशेषज्ञों की राय है कि आर्थिक संकट से निकलने के लिए जूझ रहे पाकिस्तान को अमेरिका से अपेक्षित मदद नहीं मिली है। इससे शहबाज शरीफ सरकार में असंतोष पैदा हुआ है। लेकिन कुछ दूसरे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि अगर लीक हुए दस्तावेजों का बारीकी से अध्ययन किया जाए, तो साफ होता है कि पाकिस्तान सरकार के एक बड़े हिस्से के साथ-साथ पाकिस्तान की सेना भी अमेरिका और चीन के बीच संतुलन बना कर चलने के पक्ष में है। लीक हुए दस्तावेज पाकिस्तान की विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार को यह कहते बताया गया था कि पाकिस्तान अब चीन और अमेरिका से समान दूरी बना कर नहीं चल सकता। अब पाकिस्तान को पश्चिमी देशों को तुष्ट करना छोड़ देना चाहिए, क्योंकि अमेरिका के साथ संबंध बनाने के चक्कर में पाकिस्तान चीन के साथ अपने पार्टनरशिप के पूरे लाभों से वंचित हो जाएगा। इस्लामाबाद स्थित एक थिंक टैंक के प्रमुख मुशर्रफ जैदी कहा है कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि खार का पत्र लीक कैसे हुआ। उन्होंने कहा कि सारे लीक जानबूझ कर कुछ खास मकसद से किए जाते हैं। जैदी ने कहा- 'इस मामले में अमेरिका का मकसद संभवत: यह है कि पाकिस्तान चीन की तरफ अपने झुकाव की बात का खंडन करने को मजबूर हो जाए। अमेरिका स्थित थिंक टैंक क्विन्सी इंस्टीट्यूट फॉर रेस्पॉन्सिबल स्टेटक्राफ्ट में रिसर्च फेलॉ एडम विंस्टीन के मुताबिक जब चीन और अमेरिका के बीच संतुलन बनाने का मुद्दा आता है, तो पाकिस्तान के राजनयिकों और सेना अधिकारियों के नजरिए में मतभेद का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा- 'सेना अधिकारी मध्य मार्ग पर चलना चाहते हैं, जबकि कूटनीतिज्ञ अमेरिका के साथ संबंध को लेकर नकारात्मक धारणा रखते हैं।

पाकिस्तान में उग्रवाद के विशेषज्ञ और स्वतंत्र विश्लेषक फखर काकाखेल की राय में पड़ोसी देश अफगानिस्तान में अफरातफरी पैदा करने में अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश शामिल रहे हैं।

टेक्सास गोलीबारी में मारी गई ऐश्वर्या के शव को भारत भेजने में लगा दूतावास, परिवार से साधे हुए है संपर्क

ह्यूस्टन। टेक्सास राज्य के डेलास में भीड़भाड़ वाले मॉल में एक बंदूकधारी की गोलीबारी में एक भारतीय महिला इंजीनियर समेत नौ लोगों की मौत हुई है। वहां के भारतीय वाणिज्य दूतावास ने बताया कि 26 वर्षीय ऐश्वर्या थाटिकोंडा के शव को उनके परिवार के पास यानी भारत भेजने की प्रक्रिया चल रही है। दूतावास लगातार परिवार के संपर्क में है और उनकी मदद कर रहा है ताकि शव वापस लाने की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। बता दें, इस घटना में दो भारतीय घायल भी हुए है। वहीं, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट करके जानकारी दी है कि वह लगातार इस पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और दूतावास से नियमित अपडेट ले रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा भारतीय दूतावास लगातार परिवारों के संपर्क में हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, मैककिनी में रहने वाली ऐश्वर्या थाटिकोंडा 18 मई को 27 साल की होने वाली थी। वह पार्टी के लिए कपड़े खरीदने के लिए मॉल गई थीं।

दक्षिण चीन सागर में भारत का आसियान देशों के साथ युद्धाभ्यास, चीनी नौसेना ने की जासूसी

सिंगापुर। भारत और चीन के बीच जारी सीमा विवाद के बीच भारत ने एक बड़ा कदम उठाया है। दरअसल भारतीय नौसेना ने आसियान देशों के साथ मिलकर चीन के प्रभाव वाले दक्षिण चीन सागर में युद्धाभ्यास किया। हालांकि चीन की नौसेना ने यहां भी जासूसी की कोशिश की। चीन के कई जहाज युद्धाभ्यास वाले क्षेत्र के आसपास चक्कर लगाते देखे गए। हालांकि चीनी जहाजों ने युद्धाभ्यास को बाधित नहीं किया। बता दें कि भारतीय नौसेना ने आसियान देशों के साथ सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से 7-8 मई को दक्षिण चीन सागर में युद्धाभ्यास किया। इस युद्धाभ्यास में भारतीय नौसेना के अलावा आसियान देशों फिलीपींस, इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, ब्रुनेई और वियतनाम की नौसेनाएं शामिल हुईं। इस युद्धाभ्यास को आसियान-इंडिया मेरीटाइम एक्सरसाइज नाम दिया गया। भारत की तरफ से मिसाइल गाइडेड विध्वंसक आईएनएस दिल्ली और बहु उद्देशीय पोत आईएनएस सतपुड़ा ने सिंगापुर के चांगी नेवल बेस के पास हुए इस युद्धाभ्यास में भाग लिया।

स्विटजरलैंड ऑफ पाकिस्तान पर तालिबान का कब्जा

स्वात घाटी में कैम्प बना सकता है तालिबान; 2012 में यहीं हुआ था मलाला पर हमला

इस्लामाबाद।

स्विटजरलैंड ऑफ पाकिस्तान कही जाने वाली पाकिस्तान की स्वात घाटी पर एक बार फिर तालिबान ने करीब-करीब कब्जा कर लिया है। स्वात वही जगह है, जहां 9 अक्टूबर 2012 को नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई पर हमला किया गया था। 'पाकिस्तान मिलिट्री मॉनिटर' की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान तालिबान ने बहुत तेजी से स्वात में कदम जमाए हैं। ये आतंकी संगठन बहुत जल्द इस खूबसूरत घाटी में अपने टेरेरिस्ट कैम्प बना सकता है।

स्वात में डर का माहौल

स्वात घाटी खैबर पख्तूनख्वा राज्य में आती है। यहां पिछले साल नवंबर तक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की सरकार थी। खान की पार्टी ने यहां लगातार 10 साल से ज्यादा हुकूमत की। पिछले साल अक्टूबर और नवंबर के दौरान 100 से ज्यादा तालिबान आतंकियों को रिहा किया गया था। इतना ही नहीं उनसे बातचीत भी की गई थी। बाद में ये नाकाम हो गई और तालिबान ने फिर हमले शुरू कर दिए।

इस राज्य की सीमा अफगानिस्तान से लगती है। रिपोर्ट के मुताबिक- स्वात में अफगान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान मिलकर हमले कर रहे हैं। इससे भी ज्यादा परेशानी की बात यह है कि खैबर पख्तूनख्वा में ही पाकिस्तानी फौज तालिबान के खिलाफ ऑपरेशन चला रही है और सबसे ज्यादा नुकसान भी उसे ही हो रहा है। 16 दिन में पाकिस्तानी फौज के 21 सैनिक मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 8 टीचर्स की भी हत्या हुई है। फौज की नाकामी और आतंकी हमलों की वजह से यहां के लोगों में डर का माहौल है। आतंकी हमले में एक पुलिस अफसर और कुछ आम लोगों की मौत हुई है। सरकार ने इसकी पुष्टि तक नहीं की।

यहां टेररिस्ट कैम्प बनाएगा तालिबान

रिपोर्ट के मुताबिक- तालिबान आतंकी इस खूबसूरत घाटी को तबाह करके उसे रेगिस्तान में तब्दील कर सकते हैं। आतंकियों के लिए यह जगह काफी मुफीद है, क्योंकि ये पहाड़ी इलाका है और इन पर से नीचे हमला किया जा सकता है। 15 साल पहले तालिबान के मुल्ला फजल-उल्लाह ने इस इलाके पर कब्जा कर लिया था। यहां के लोगों को वो दौर आज भी याद है। बाद में अमेरिका की मदद से पाकिस्तान ने स्वात को तालिबान के कब्जे से छुड़ाया था। स्वात घाटी मिंगोरा सिटी के काफी करीब है। तालिबानी अपने दुश्मनों के सिर मिंगोरा के चौराहों पर लटकाते रहे हैं। यहां के 640 स्कूलों को तालिबान ने जमींदोज कर चुका है। इसके अलावा रेडियो और एंटरटेनमेंट के दूसरे साधनों पर भी सख्ती से रोक है। इस आदेश को न मानने वालों को ईशनिंदा का आरोपी करार दिया जाता है। यहां के हजारों लोग अपने घर छोड़कर पाकिस्तान की दूसरी जगहों पर जा चुके हैं।

धमकी भरे फोन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- तालिबान यहां टारगेट किलिंग्स में शामिल हैं। इसके अलवा वो फोन पर धमकी देकर कारोबारियों से जबरिया उगाही भी करते हैं। कई मामलों में कत्ल और किडनैपिंग की घटनाएं भी सामने आई हैं। इन तमाम चीजों के बावजूद पाकिस्तानी फौज और सरकार अब तालिबान के आगे घुटने टेकते नजर आ रहे हैं। यहां के लोग घर छोड़कर स्वाबी, मरदान, चारसड्डा और पेशावर भाग रहे हैं। अक्टूबर 2022 से स्वात ही नहीं, पूरे खैबर पख्तूनख्वा में तालिबान का दबदबा बढ़ रहा है। दो महीने पहले तालिबान के खिलाफ ऑपरेशन की तैयारी कर रहे आईएसआई के दो अफसरों को उनके होटल की लॉबी में मार गिराया गया था। इसके बाद काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट के एक अफसर को उसके दफ्तर में ही ढेर किया गया था।

मलाला पर यहीं हमला हुआ था

9 अक्टूबर 2012 को मिंगोरा जिले की स्वात घाटी में दोपहर करीब 1 बजे मलाला पर उस वक्त हमला हुआ था, जब वो स्कूल वैन से घर लौट रहीं थीं। उन्हें पेशावर के आर्मी हॉस्पिटल ले जाया गया। हालत गंभीर थी। लिहाजा, एयर एम्बुलेंस से लंदन भेज दिया गया। अब उनके पास पाकिस्तान के साथ ही ब्रिटेन की नागरिकता भी है।

मलाला की ऑटोबायोग्राफी पर बैन

2014 में मलाला को नोबेल मिला। 'फॉरेन पॉलिसी' मैगजीन के मुताबिक, इसके ठीक एक महीने बाद 'ऑल पाकिस्तान प्राइवेट स्कूल फेडरेशन' ने एक ऐलान किया, कैम्पेन चलाया। इस संगठन के बैनर तले 1 लाख 50 हजार से ज्यादा स्कूल हैं। मलाला की ऑटोबायोग्राफी का नाम है- मलाला इस संगठन ने कैम्पेन को नाम दिया। मलाला जिस खैबर-पख्तूनख्वा राज्य की हैं, वहां के कई सांसदों-विधायकों ने मैगजीन से बातचीत में दावा किया कि मलाला पर तालिबान का हमला 'प्री-प्लान्ड' था।

पाकिस्तान से सैनिक गठजोड़ बनाने की चीन ने साफ कर दी अपनी मंशा

बीजिंग।

चीन अब पाकिस्तान को अपनी सैनिक धुरी में और भी ज्यादा जकड़ने की कोशिश कर रहा है। यह बात चीन के रक्षा मंत्री और पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष की मुलाकात के बाद जाहिर हो गई। चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष से कहा कि दोनों देशों की नौ सेनाओं सहित तमाम सेनाओं को 'नए क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार' करना चाहिए, ताकि 'इस क्षेत्र को सुरक्षित रखने' की अपनी क्षमता को वे बढ़ा सकें।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इस टिप्पणी का मतलब यह है कि चीन पाकिस्तान को अपनी सैन्य रणनीति और सैन्य तैयारियों का हिस्सा बनाना चाहता है। वह दोनों देशों की सेनाओं में एक तरह निकट जुड़ाव कायम करना चाहता है, जिससे युद्ध के समय जरूरत पड़ने पर वे मिल कर लड़ सकें। चीन और पाकिस्तान की सेनाओं में संबंध वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों की वायु सेनाएं और नौ सेनाएं साझा अभ्यास भी करती रही हैं। चीन अब इस संबंध को एक स्तर और ऊंचा ले जाना चाहता है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन की नजर अरब सागर तक उसकी पहुंच बनाने के लिहाज से पाकिस्तान की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। अगर मलक्का जलडमरूमध्य में युद्ध के कारण रास्ता बंद हो गया, तो उस समय अरब सागर के जरिए चीन अपने आयात-निर्यात को सुरक्षित करना चाहता है। इसमें पाकिस्तान की नौ सेना की सहायता की जरूरत चीन को पड़ेगी। कूटनीति जानकारों के मुताबिक चीन की पाकिस्तान की सेना के साथ निकटता बढ़ाने की चीन की कोशिश पर अमेरिका और उसके साथी देश निकट निगाह रख रहे हैं। इसके पहले 2017 में चीन ने हिंद महासागर के उत्तर-पश्चिमी छोर पर जबूती में अपना एक सैनिक अड्डा बनाया था। उसके बारे में भी समझा गया था कि चीन युद्ध की स्थिति में अपने व्यापार हितों को सुरक्षित करने के एहतियाती कदम उठा रहा है। चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू ने चीन की यात्रा पर आए पाकिस्तान के नौ सेनाध्यक्ष अमजद खान नियाजी से दो टूक कहा कि चीन और पाकिस्तान के द्विपक्षीय रिश्तों में सैन्य संबंध का सबसे प्रमुख स्थान है। चीनी रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उन्होंने कहा- 'दोनों देशों की सेनाओं को अपने आदान-प्रदान को नए क्षेत्रों तक बढ़ाना चाहिए। उन्हें सहयोग को एक नई ऊंचाई देनी चाहिए, जिससे तमाम तरह की चुनौतियों और खतरों का मुकाबला करने की उनकी क्षमता बढ़े और वे मिल कर दोनों देशों और इस क्षेत्र में अपने सुरक्षा हितों को बरकरार रख सकें।

चीन का अमेरिका पर अंतरिक्ष में जासूसी का आरोप, ड्रैगन बढ़ाना चाहता है टकराव

बीजिंग।

इस वर्ष जनवरी-फरवरी में अमेरिकी आसमान में चीनी गुब्बारों के उड़ने को लेकर उठे विवाद के बाद अब चीन ने अमेरिका पर जासूसी करने के जवाबी इल्जाम मढ़ दिए हैं। जानकारों का कहना है कि इससे दोनों देशों के बीच टकराव और बढ़ने की आशंका है। गुब्बारा विवाद के कारण अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने फरवरी में होने वाली अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी थी। उसके बाद ब्लिंकेन की यात्रा का कार्यक्रम अभी तक तय नहीं हो पाया है। अब चीन ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी उपग्रहों ने कम से कम 14 बार अंतरिक्ष में चीनी उपग्रहों के करीब आकर जासूसी की कोशिश की। ये घटनाएं अंतरिक्ष की ऊंची कक्षाओं में पिछले दो वर्ष के दौरान हुई हैं। इस बारे में चीन ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। उसका दावा है कि यह रिपोर्ट उसके विशेषज्ञों ने तैयार की है। इसके मुताबिक अमेरिकी वायु सेना के जियोसिक्रोनस स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस प्रोग्राम से जुड़े उपग्रहों ने चीन के सबसे खास और उन्नत उपग्रहों के करीब आकर जासूसी की। यह रिपोर्ट पहले चीनी भाषा के एक जर्नल में प्रकाशित हुई। इसके मुताबिक इस अनुसंधान का नेतृत्व इन्फ्रारेड और लेजर इंजीनियरिंग के विशेषज्ञ काई शेंग ने किया। इमें चांगचुन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्टिक्स में कार्यरत फाइन मेकेनिक्स और फीजिक्स टीम से जुड़े विशेषज्ञ भी शामिल हुए। रिपोर्ट में दावा किया है कि जासूसी गतिविधियों के दौरान अमेरिकी सेना ने चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम में दखल देने की अपक्षी क्षमता और इरादे दोनों का प्रदर्शन किया। चीन फिलहाल कई जियो सैटेलाइट्स का संचालन करता है, जिनके जरिए संचार, मार्गदर्शन, और रिमोट सेंसिंग जैसी सेवाएं वह प्राप्त करता है। जियो सैटेलाइट धरती की मध्यांतर रेखा के ऊपर एक जगह पर स्थित रहते हैं। आज के दौर में अनेक देश उपग्रहों का इस्तेमाल संचार, निगरानी और बैंकिंग या वित्तीय सिस्टम की सेवाओं के संचालन के लिए कर रहे हैं।

तुर्किये के गांधी हैं कमाल कलचदारलू: दांडी मार्च की तरह 450 किमी जस्टिस मार्च निकाला, हमले झेले; अब एर्दोगन को सबसे कड़ी चुनौती दे रहे

अंकारा।

14 मई को तुर्किये में आम चुनाव हैं। बीते दो दशक में पहली बार राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का सिंहासन डोलता नजर आ रहा है। राजनीतिक जीवन में पहली बार उन्हें कड़ी चुनौती मिल रही है। उनके सामने हैं 74 साल के पूर्व नौकरशाह कमाल कलचदारलू। कमाल की पहचान अब 'तुर्किये के गांधी' के तौर पर बन चुकी है। स्थानीय मीडिया उन्हें 'गांधी कमाल' कहता है। वह महात्मा गांधी की तरह ही चश्मा पहनते हैं, उन्हीं की तरह राजनीतिक शैली भी विनम्र है। मुख्य विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी के कमाल की लोकप्रियता इस कदर बढ़ गई है कि 6 विपक्षी दलों ने एर्दोगेन के खिलाफ उन्हें अपना प्रत्याशी चुन लिया है। इस गठबंधन को 'टेबल ऑफ सिक्स' नाम दिया गया है। जानिए, कैसे एक शिक्षाविद् और पूर्व लोक सेवक एर्दोगन के गले की फांस बन गया है। 1948 में जन्मे कमाल ने अंकारा एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्शियल साइंसेज से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद देश के आर्थिक और वित्तीय संस्थानों में शीर्ष पदों पर रहे। 2002 में वे जुड़े। यह देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। इसकी स्थापना आधुनिक तुर्की के संस्थापक मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने की थी। 2010 में वीडियो लीक के बाद प्रमुख बायकल ने इस्तीफा दे दिया। तब कमाल को पार्टी की कमान सौंपी गई। हालांकि वे इच्छुक नहीं थे। नागरिक अधिकार, सामाजिक न्याय और लोकतंत्र के लिए तो वे लड़ ही रहे थे, 2011 में एर्दोगन के पीएम बनने के बाद कमाल ने अभियान और तेज कर दिया। गांधी जी की दांडी यात्रा से प्रेरित होकर कमाल ने 2017 में एर्दोगन के खिलाफ अंकारा से इस्तांबुल तक (450 किमी) रैली 'मार्च फॉर जस्टिस' निकाला था। रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। विरोध को दबाने के लिए एर्दोगन ने 2 लाख लोगों को जेल भिजवा दिया था। देश की सभी 372 जेलें क्षमता से ज्यादा भर गई थीं। कमाल की एक खासियत और है कि वो उग्र नहीं होते। 2014 में संसद में एक शख्स ने उनके चेहरे पर घूंसे मारे थे। इससे उनके गाल व आंख चोटिल हुई थी। पर उन्होंने सहकर्मियों से संयम बरतने को कहा था। 2016 में उनके काफिले पर मिसाइल से और 2017 में बम से हमला किया था। 2019 में भी उन्हें मारने की कोशिश की गई थी। कमाल को निरंकुश, कट्टरपंथी एर्दोगन के ठीक उलट माना जाता है। लोकतांत्रिक संस्थान खत्म करने और मीडिया पर नियंत्रण जैसे मुद्दों पर वे एर्दोगन को घेरते रहे हैं। फरवरी में आए भूकंप और लोगों के बेघर होने पर भी उन्होंने एर्दोगन को दोषी ठहराया है।

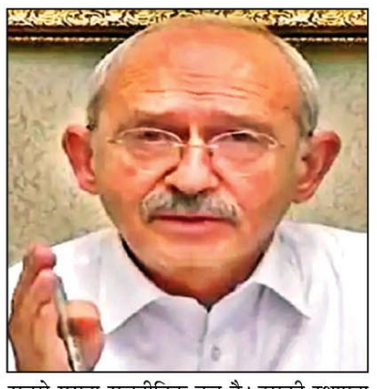

कनाडा में सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष बने सचित

46 साल के मेहरा पर इलेक्शन में जीत दिलाने का जिम्मा, पीएम ट्रूडो के करीबी दोस्त हैं

टोरंटो।

भारतीय मूल के सचित मेहरा कनाडा की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के नए प्रेसिडेंट बन गए हैं। इसके लिए इलेक्शन हुए थे। नतीजों का ऐलान किया गया। 46 साल के सचित ने मीरा अहमद को हराया। सचित प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के करीबी दोस्त हैं और करीब 32 साल से लिबरल पार्टी से जुड़े हैं। शेड्यूल के मुताबिक, कनाडा में 2025 में जनरल इलेक्शन होने वाले हैं। ट्रूडो अलायंस के साथ सरकार चला रहे हैं। इसके लिए कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाने वालों में भी सचित की अहम भूमिका थी।

मीरा अहमद को हराया

लिबरल पार्टी के इस चुनाव में मुकाबला कड़ा माना जा रहा था। इसकी वजह यह थी कि उनका मुकाबला मीरा अहमद से था जो पहले भी इस पार्टी की प्रेसिडेंट रह चुकी हैं। जीत के बाद सचित ने पार्टी मेंबर्स का शुक्रिया अदा किया। कहा- यह जीत एक हिसाब से नई चुनौती की शुरुआत है। हमें इसी वक्त से अगले चुनाव की तैयारी शुरू करनी है। अपने कैंडिडेट्स को जिताने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। हम चाहते हैं कि देश के हर हिस्से में लिबरल पार्टी के कैंडिडेट्स जीतें और हम मजबूत सरकार बनाएं। मेहरा ने आगे कहा- इसमें किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि लिबरल पार्टी एकजुट थी, है और रहेगी। अब हमारे सामने सबसे बड़ा चैलेंज यह है कि देश में चौथी बार हम सरकार कैसे बनाएं। इसके लिए बहुत मेहनत की जरूरत है। जिस कन्वेंशन में मुझे नेशनल पार्टी प्रेसिडेंट चुना गया, उसमें सभी ने देखा कि हमारी टीम के पास कितने अच्छे लोग और आईडियाज हैं।

इस जीत के मायने

कनाडा में भी पार्टी प्रेसिडेंट की वही अहमियत है जो भारत में होती है। यह पार्टी की इंटरनल फंक्शनिंग का हेड होता है। राज्यों के प्रेसिडेंट और दूसरे ओहदेदारों का चुनाव इसी के गाइडेंस में होता है। लिबरल पार्टी को एक नेशनल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स चलाता है। मेहरा इसके भी हेड होंगे। देश में आम चुनाव 2025 में होने हैं, लेकिन इसके पहले राज्यों में भी इलेक्शन एक्टिविटीज होती रहती हैं। सचित के ऊपर इन इलेक्शन्स में पार्टी को जिताने की जिम्मेदारी होगी।

सचित ने खुद कहा- इलेक्शन के पहले मुझे और मेरी पार्टी को हर आम आदमी तक पहुंचना है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करना होगा। इसमें अनुष्का कुरियन मदद करेंगी। अनुष्का भी भारतीय मूल की हैं और लिबरल पार्टी की चीफ इलेक्शन स्ट्रैटेजिस्ट हैं।

कौन हैं सचित

सचित के पेरेंट्स 1960 के आसपास दिल्ली से कनाडा शिफ्ट हुए थे। उनके पिता का नाम कमल और मां का नाम सुधा मेहरा है। इस परिवार को कनाडा के अमीरों में शुमार किया जाता है। उनके पास रियल एस्टेट के अलावा रेस्टोरेंट्स की फूड सप्लाई चेन है। प्रेसिडेंट बनने से पहले भी सचित लिबरल पार्टी के लिए लंबे वक्त तक चंदा जुटाते रहे हैं। उनका परिवार मूल रूप से कनाडा के विनिपेग इलाके में रहता है जो मनीतोबा राज्य में आता है। सचित ने पिछले साल अक्टूबर में ही साफ कर दिया था कि वो लिबरल पार्टी प्रेसिडेंट का इलेक्शन लड़ेंगे। 2021 में जब भारत कोविड से जूझ रहा था, तब सचित ने ऑक्सी-जेनरेटर के लिए चंदा जुटाया और इसे भारत भेजा।

अफगानिस्तान से सेना वापसी के फैसले पर घिरी बाइडन सरकार, संसदीय समिति ने दी कानूनी कार्रवाई की धमकी

वॉशिंगटन। साल 2021 में अमेरिका सेना ने अफगानिस्तान छोड़ दिया था लेकिन जिस जल्दबाजी में अमेरिका की जो बाइडन सरकार ने यह फैसला किया था, उससे पूरी दुनिया हैरान थी। अब खबर आ रही है कि इस फैसले को लेकर बाइडन सरकार और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन घिर सकते हैं। दरअसल अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैक्कॉल ने धमकी दी है कि एंटनी ब्लिंकेन के खिलाफ संसद की अवमानना के आरोप में कार्रवाई की जा सकती है। विदेश मामलों की संसदीय समिति ने अपनी जांच में पाया है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी को लेकर खूफिया रिपोर्ट में इस फैसले की आलोचना की गई थी और कहा गया था कि इस फैसले से अफगानिस्तान में फिर से तालिबान की सत्ता काबिज हो सकती है। इसके बावजूद बाइडन सरकार अपने फैसले पर अडिग रही और आखिरकार हुआ भी वही, जिसका डर था। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान काबिज हो चुका है।

लगता है गहलोत की नेता सोनिया गांधी नहीं, वसुंधरा राजे हैं : पायलट

जयपुर (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच मतभेद अब खुलकर सामने आ गए हैं। पायलट ने मंगलवार को सीएम गहलोत पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के दो दिन पूर्व धौलपुर में दिए गए भाषण से ऐसा लगा कि अशोक गहलोत की नेता सोनिया गांधी नहीं है बल्कि उनकी नेता वसुंधरा राजे सिंधिया हैं। इस भाषण से मुझे समझ में आ गया कि मेरे धरने के बावजूद वसुंधरा राजे के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने ऐलान किया कि वे 11 मई से राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर कार्यालय से जयपुर तक 125 किलोमीटर जन संघर्ष पदयात्रा निकालेंगे। पांच दिन की यह यात्रा भ्रष्टाचार के खिलाफ और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए होगी। पायलट मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। पत्रकार वार्ता में पूरी तरह से बगावती मूड में दिखे सचिन ने कहा कि एक तरफ यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस सरकार को गिराने का काम भाजपा कर रही है तो दूसरी तरफ यह कहा गया कि सरकार को बचाने का काम वसुंधरा राजे कर रही थीं। मुख्यमंत्री कहना क्या चाहते हैं, स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि पहली बार देख रहा हूं कि कोई अपनी ही पार्टी के सांसदों- विधायकों की आलोचना कर रहा है, यह पूरी तरह गलत है। पायलट ने कहा कि वसुंधरा राजे सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर मैंने कई चिट्ठियां लिखी, अनशन पर बैठा, लेकिन जांच नहीं हुई। समझ में आ गया है कि एक्शन क्यों नहीं लिया गया। अब मैं नाउम्मीद हूं। मैं जनता के बीच जाऊंगा। जनता के सामने सभी को नतमस्तक होना होता है। पायलट ने कहा कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे, जनता के बीच में जाएंगे उनके मुद्दे उठाएंगे। पायलट ने कहा कि पिछले ढाई साल में मुझे कोरोना, निकम्मा, नाकारा-गद्दार तक कहा गया। मैं यह सब सुन रहा था। हम चुप थे, क्योंकि हम पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते थे। मैं दिल्ली गया, अपनी बात रखी और सारे

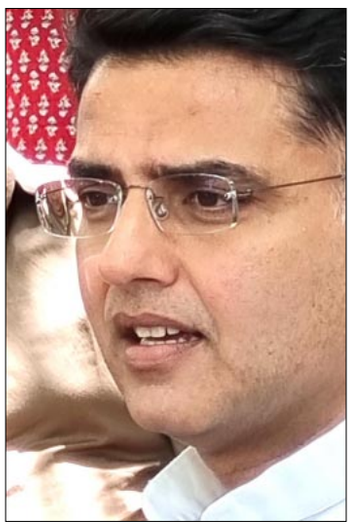

तथ्यों को देखते हुए तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 25 सितंबर, 2022 को विधायकों से बात करने के लिए तत्कालीन प्रदेश प्रभारी अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे को जयपुर भेजा था लेकिन विधायकों की बैठक हो नहीं पाई। सोनिया गांधी के आदेशों की अवहेलना हुई, उनकी मानहानि हुई, बेइज्जती हुई, वह गद्दारी थी। उन्होंने कहा कि इतने सारे विधायकों को उनकी इच्छा के खिलाफ इस्तीफा दिलाया गया, अपनी सरकार को ही संकट में खड़ा किया गया। यह अनुशासनहीनता है। बहुत से लोग कहते हैं कि मोदी और शाह के कहने पर इस्तीफे दिलाए गए, अब अगर यह बात कोई मुझे कहे और मैं मंच पर जाकर बोलूं तो क्या शोभा देता है। अब तक जो हुआ वह दिखाता है कि अनुशासनहीनता किसने की। पार्टी का अनुशासन किसने तोड़ा और सही मायने में संगठन और सरकार को कौन मजबूत और कौन कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीति में 40-45 साल से काम कर रहे हेमाराम चौधरी और बृजेन्द्र ओला समेत अनेक विधायकों पर आरोप लगाए जा रहे हैं।

पूर्व उप मुख्यमंत्री पायलट कल से निकालेंगे जन संघर्ष पदयात्रा

जयपुर (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट 11 मई से राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर कार्यालय से जयपुर तक 125 किलोमीटर जन संघर्ष पदयात्रा निकालेंगे। पांच दिन की सचिन की यह यात्रा भ्रष्टाचार के खिलाफ और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए होगी। पायलट ने मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हमला बोलते हुए कहा कि गहलोत के धौलपुर में दिए गए भाषण से यह स्पष्ट हो गया की वसुंधरा राजे के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं की कांग्रेस के नेता सोनिया गांधी हैं या वसुंधरा राजे। उन्होंने कहा एक तरफ कहा जा रहा था कि कांग्रेस विधायकों ने सरकार बचाई जबकि वह कह रहे हैं कि वसुंधरा सरकार बचा रही है। इस पर स्थिति स्पष्ट की जाए।

एनएसजी व एनआईए ने संभाली दरबार साहिब धमाकों की जांच

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर स्थित दरबार साहिब परिसर में लगातार दो दिन हुए धमाकों की जांच एनएसजी तथा एनआईए ने शुरू कर दी है। इधर, पंजाब पुलिस की टीमों द्वारा भी अपने स्तर पर जांच की जा रही है। जांच के लिए प्रभावित क्षेत्र को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया है। मंगलवार सुबह एनएसजी मानेसर की टीमें अमृतसर पहुंची और करीब तीन घंटे घटनास्थल पर रहकर सैंपल लिए। दरबार साहिब परिसर के पास बनी सारागढ़ी सराय के निकट हेरिटेज स्ट्रीट में शनिवार मध्य रात्रि पहला धमाका हुआ था। रविवार को पूरा दिन पंजाब पुलिस की टीमों द्वारा जांच की गई। सोमवार सुबह फिर से उसी स्थान पर दोबारा धमाका हो गया। पंजाब पुलिस इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने सोमवार देर रात से ही जांच शुरू कर दी थी। मंगलवार सुबह एनएसजी की टीम भी यहां पहुंची। दोनों टीमों ने मिलकर सीन को रीक्रिएट किया और पूरे क्षेत्र का जायजा लिया। एनआईए की टीम ने हेरिटेज मार्ग पर जांच करने वाली फॉरेंसिक टीम से भी मुलाकात की। फॉरेंसिक टीम की तरफ से अभी तक बनाए गए नोट्स पर भी विचार किया गया। अमृतसर के डीसीपी लॉ एंड आर्डर परमिंदर सिंह भंडाल के अनुसार सभी जांच टीमें अपना-अपना काम कर रही हैं। हालात पूरी तरह से नियंत्रण में हैं। संगत को किसी प्रकार से घबराने की जरूरत नहीं है। इस घटना की हर पहलू के आधार पर जांच की जा रही है।

मणिपुर हिंसा के बीच वापस पहुंची नरवाना की रितू, सरकार का जताया आभार

जींद (हिंस)। मणिपुर में पिछले कई दिनों से चल रही हिंसा के बीच फंसे छात्र-छात्राओं के बीच नरवाना की रितू भी थी, जोकि सोमवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंची। जैसे ही परिजनों को रितु के आने का पता चला तो उसे लेने के लिए एयरपोर्ट गए। रितू को अपने बीच पाकर परिजन बेहद खुश हुए। हालांकि रितू दिल्ली से नरवाना वापस नहीं लौटी हैं और वहीं अपने रिश्तेदारों के यहां है। गौरतलब है कि जींद के नरवाना की रीतू समेत हरियाणा की 11 छात्राएं मणिपुर एयरपोर्ट से 14 किलोमीटर दूर हॉस्टल में फंसी थी। हॉस्टल के बाहर बम और गोलियों की आवाज गूंज रही थी। ऐसे में हॉस्टल में बंद छात्रो को 18 से 20 घंटे में एक बार खाना नसीब हो पा रहा था। एयरपोर्ट तक छात्राओं को पहुंचाने के लिए सुरक्षा नहीं मिल पा रही है। सभी छात्रों की सकुशल वापसी को लेकर सरकार ने स्पेशल अभियान चलाया। बाकायदा मुख्यमंत्री मनोहरलाल इस अभियान पर नजर रखे हुए थे। गौरतलब है कि जींद के नरवाना स्थित हरि नगर की रहने वाली रीतू ने कुरुक्षेत्रा यूनिवर्सिटी से अपनी मास्टर डिग्री करने के बाद एनआईटी मणिपुर में पीएचडी के लिए दाखिला लिया था। एक सप्ताह दिन पहले वह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में आ गई थी। इसके बाद वहां हिंसा और आगजनी की घटनाएं बढ़ गई और वह हॉस्टल में ही रह गई। पहले 100 से ज्यादा छात्राएं यहां थी लेकिन वहां की प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें निकाल लिया गया। लेकिन हरियाणा की 11 छात्राएं और उत्तर प्रदेश की 50 से ज्यादा छात्राएं वहां मौजूद थी। हॉस्टल में काम करने वाले कर्मचारी और अधिकारी यहां से भाग कर जा चुके थे। खाने और पीने की समस्या आने लगी थी। रीतू के पिता राजकुमार ने बताया कि उसक बेटी पीएचडी करने के लिए मणिपुर गई थी लेकिन वह वहां हिंसा के चलते फंस गई थी। उन्होंने प्रशासन व सरकार से मदद की गुहार लगाई थी, ताकि उसकी बेटी को वहां से सुरक्षित निकाला जा सके। सरकार ने स्पेशल अभियान चलाते मणिपुर में फंसे छात्रों को सकुशल लाने का सराहनीय कार्य किया है। सोमवार को सुबह रितु के साथ उनकी बात हुई थी तो उसने बताया कि जिला प्रशासन की मदद से उनकी टिकट बुक हुई है। पहले टिकट भी नहीं बुक हो रही थी। शाम को 3.30 बजे के करीब उनकी बेटी का फोन उनके पिता राजकुमार के पास आया और उसकी बेटी ने माता-पिता को राहत की खबर देते हुए बताया कि वह रात तक दिल्ली पहुंच जाएगी।

फरार आरोपी की सूचना देने पर मिलेगी दोगुनी इनाम राशि

झालावाड़ (हिंस)। महिला थाने से फरार हुए दुष्कर्म के आरोपी का सुराग नहीं लगने पर पुलिस ने इनाम राशि बढ़ाकर दुगनी कर दी हैं। साथ ही आरोपी को सहयोग करने पर उसके ही एक दोस्त को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दुष्कर्म का आरोपी अमरलाल (32) पुत्र देवीलाल भील निवासी अकतासा महिला थाने से फरार चल रहा है, इस मामले में जिलेभर की पुलिस उसको तलाश रही है। आरोपी अमरलाल की सूचना देने पर गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस एसपी की ओर से इनामी राशि दोगुनी करते हुए 11 हजार रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। फरार आरोपी अमरलाल की सहायता करने वाले व्यक्ति अर्जुन पुत्र सूरजमल भील को डिटेन किया है। आरोपी अमरलाल के हवालात से भागने के बाद इसकी भागने में सहायता करने वाले अर्जुन ने आरोपी को अपनी बाइक पर बैठाकर झालावाड़ रेल्वे स्टेशन के पास जंगलों में छोड़ा जाना सामने आया है।

अब दुष्यंत चौटाला के नाम के साथ लगा उप शब्द हटाकर मुख्यमंत्री बनाना है : शीला भ्याण

जींद (हिंस)। जजपा महिला प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय बैठक मंगलवार को अर्बन इस्टेट स्थित जिला पार्टी कार्यालय में जिला प्रधान अमिता ढांडा की अध्यक्षता में हुई। इसमें मुख्यातिथि के तौर पर जजपा की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष शीला भ्याण ने शिरकत कर महिलाओं को संगठन की मजबूती के लिए काम करने को प्रेरित किया। इसके अलावा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला परिषद चेयरपर्सन मनीषा रंधावा ने भी शिरक्त की। उन्होंने कहा कि आज वह जिस पद पर मौजूद हैं। वह महिलाओं को दिए आरक्षण की बदौलत है। जिसके कारण आज वह आगे आकर समाज के विकास में अपनी भूमिका निभा रही हैं। शीला भ्याण ने कहा कि अब फिर से सगंठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने व संगठन को अधिक मजबूत बनाने के लिए हरी चुनरी चौपाल डबवाली से विधायक नैना चौटाला के नेतृत्व में शुरू किया जाएगा। इसकी शुरूआत

जींद से मई माह में की जाएगी। इस कार्यक्रम के चलते संगठन को 2019 के चुनाव से पहले अधिक मजबूती मिली थी। जिसकी बदौलत बहुत कम समय में संगठन को दस सीटें मिली और सता में हिस्सेदारी हुई। जिसके चलते आज सता में रहते उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व विधायक नैना सिंह चौटाला ने महिलाओं के उत्थान के लिए बहुत काम किए। एक तो आज महिलाएं पंचायती चुनावों में 50 प्रतिशत पंच, सरपंच, पार्षद के पदों पर आसीन होकर राजनीति में आगे आई और अपने क्षेत्र का विकास करवाने में सक्षम हुई। अब दुष्यंत चौटाला के नाम के आगे से लगा उप शब्द हटा कर मुख्यमंत्री बनाना है।

हमारी पार्टी गठबंधन का धर्म ईमानदारी से निभा रही है: शेरवाल

यमुनानगर (हिंस)। युवाओं पर भरोसा कर युवा संगठन को मौका दिया जा रहा है और पुराने नेतृत्व के साथ समावेश कर समन्वय से संगठन को मजबूती मिलेगी। यह बात जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अशोक शेरवाल ने मंगलवार को नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गुरविंद्र तेजली के स्वागत कार्यक्रम में कही। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि हमारी पार्टी व भाजपा का गठबंधन एक मजबूत गठबंधन है। यह ठीक है कि दोनों ही पार्टियों ने अपने- अपने मुद्दों पर अलग-अलग चुनाव लड़ा था। लेकिन बाद में शीर्ष नेताओं के नेतृत्व में सहमति से सरकार में हम भागीदारी बने। उन्होंने कहा कि हम अपना गठबंधन का धर्म निभा रहे हैं और आगे भी निभाएंगे।

गुरुग्राम पहुंची भाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर की नेत्रियां

महिलाओं को संगठन के लिए बेहतर काम करने को किया प्रेरित

गुरुग्राम (हिंस)। मंगलवार को यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय गुरुकमल में भाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व हरियाणा प्रदेश महिला मोर्चा प्रभारी नंदा डगला एवं नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्षा महिला मोर्चा, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री सुनीता डांगी का प्रवास रहा। गुरुकमल आगमन पर गुरुग्राम जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ के साथ महिला मोर्चा की समस्त टीम ने उनका स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता जिला कार्यकारी अध्यक्ष मनीता गर्ग ने की। कार्यक्रम की शुरुआत वन्देमातरम् के गायन

से हुई। इस अवसर पर परिचय के साथ संगठन को मजबूती प्रदान करने और महिला मोर्चा का मनोबल बढ़ाने के लिए मंत्र दिये। सभी वरिष्ठ नेत्रियों ने महिला मोर्चा की टीम को संगठन के लिए मजबूती से काम करने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। राजनीति में भी हमें खुद की मजबूती के लिए संगठन को मजबूत करने पर काम करना है। महिला मोर्चा गुरुग्राम प्रभारी अलीशा तोमर, जिला गुरुग्राम महिला मोर्चा प्रभारी ज्योति डेंबला, जिला महिला मोर्चा महामंत्री विधु कालरा एवं अलका सचदेवा, जिला महिला मोर्चा सचिव रेखा सैनी, कांता व उर्मि नांगला, रीतिका जाखड़, प्रदेश महिला मोर्चा से सुमन दहिया, अंजलि मिश्रा, वैशाली तोमर, योगिता धीर, उपस्थित रहे। इन सभी मंडल अध्यक्षों के साथ उनकी टीम भी कार्यक्रम में शामिल हुई।

पृष्ठ तीन का शेष

हमारी सरकार का...

है। हाई स्कूलों को आधुनिक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 40 नए कॉलेज का निर्माण किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सैनिक सोसायटी के तहत पांच और स्कूल खोले जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल का खर्च केंद्र सरकार और राज्य सरकार उठाती है। हालांकि, सैनिक सोसायटी के तहत खोले जाने वाले पांच स्कूलों का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी, उसका नियंत्रण केंद्र सरकार के द्वारा होगा। राज्य में इस वर्ष से नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को लागू करने की बात कही। इसके तहत 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स आरंभ किया जाएगा। पूर्व में घोषित 6 विश्वविद्यालयों के लिए अगस्त या सितंबर माह में सदन में नया कानून पारित किया जाएगा। राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर के संबंध में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी में रिंग रोड, गोलाघाट-गोहपुर में ब्रह्मपुत्र पर एक पुल और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा। जबकि ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर एक से डेढ़ वर्ष में पूरा हो जाएगा। वहीं तटबंधों के विकास में भी तेजी से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण पर भी प्रकाश डाला। चाइल्ड मैरिज में गिरफ्तारियां तीन गुना बढ़ने की बात कही। इससे राज्य में चाइल्ड मैरिज पर रोक लगाने पर बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि वित्तीय परिवेश बेहतर बनाने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके तहत जायका और एडीबी से और बेहतर संबंध बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से राज्य को काफी आर्थिक मदद मिली है, जिससे राज्य में आधारभूत ढांचा का तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने महिला सबलीकरण पर जोर देते हुए सरकार के द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अरुणोदय योजना के तहत 27 लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा जाएगा। उन्हें अब 14 सौ रुपए प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। माइक्रो फाइनेंस ऋण से प्रभावित 12 लाख महिलाओं को सरकार ने उनके ऋण का भुगतान किया है। इस कड़ी में 10 लाख महिलाओं को उनके ऋण का पैसा बैंक में जमा कराकर एनओसी प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पोलीगेमी (बहुविवाह) को पूरी तरह से बंद किया जाएगा। इसके लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। कमेटी सभी धर्मों के विशेषज्ञों, जानकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं से बातचीत कर अपना सुझाव देगी। जिसके आधार पर सरकार कार्यवाही करेगी। उन्होंने कहा कि हम इसे लेजिसलेटिव तरीके से बंद करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संवैधानिक रूप से चार-चार शादियां अनुचित है। इस पर रोक लगना जरूरी है। यह किसी धर्म या संप्रदाय के लिए नहीं है। मुख्यमंत्री ने चराईदेव मैदान को यूनेस्को में शामिल करने के सरकार के प्रयास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसके लिए दो मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है जो इसके लिए रूपरेखा तैयार करेंगे। वहीं चाय की खेती के 2 वर्ष पूरे होने को लेकर भी सरकार इसे उत्सव के रूप में मनाएगी। मुख्यमंत्री ने श्रीमंत शंकरदेव जयंती, प्रतिमा बरूवा पांडे के आवास को संरक्षित करने के संदर्भ में भी बातें रखीं। उन्होंने कहा कि माधवदेव कला क्षेत्र का आगामी कल शुभारंभ किया जाएगा। आने वाले समय में सरकार की प्राथमिकता के बारे में बताया कि कामाख्या कॉरीडोर को इस बार बनाने का कार्य इस वर्ष शुरू किया जाएगा। प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम एक लाख नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने जा रहे हैं। हम इसका पूरा डाटा सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी जून महीने में 10 हजार और नियुक्तियां की जाएंगी। जबकि 26 मई को 45 हजार नियुक्तियां दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है। क्योंकि, अब सभी कार्य पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब लोगों को थाना जाने की जरूरत नहीं है। अपना एफआईआर पुलिस ऐप के जरिए ही दर्ज करा सकते हैं। वेरिफिकेशन के लिए भी थाने जाने की जरूरत नहीं है। ऐप के जरिए ही सारा कार्य हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को घर बैठे ही डिजिटल तरीके से सारे सरकारी काम उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रहे हैं। डॉ शर्मा ने अन्य कई बातों पर भी विस्तार से प्रकाश डालते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री के 24 महीनों के कार्यकाल पर आधारित एक पत्रिका भी जारी की गई। संवाददाता सम्मेलन के दौरान डॉ शर्मा मंत्रिमंडल के सभी सहयोगी मौजूद थे।

भारत- बांग्लादेश के ...

पर शाह ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच गहरे संबंध हैं। हमारी संस्कृति, धर्म, रीति-रिवाज और जीवन शैली हजारों वर्षों से आपस में जुड़ी हुई है। कोई भी बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों को कभी नहीं तोड़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने बांग्लादेश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीएसएफ के योगदान को याद करते हुए शाह ने कहा कि 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में बीएसएफ ने एक प्रमुख भूमिका निभाई है।

नौका दुर्घटना : केरल ...

का गठन किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राज्य के पुलिस प्रमुख अनिल कांत ने मलप्पुरम जिला पुलिस प्रमुख सुजीत दास एस को टीम की कमान सौंपने का आदेश जारी किया है। तनूर डीवाईएसपी वी वी बेनी, तनूर स्टेशन हाउस अधिकारी जीवन जॉर्ज और कोंडोट्टी एएसपी विजय भरत रेड्डी विशेष जांच दल के अन्य सदस्य हैं। जांच उत्तरी क्षेत्र के आईजी नीरज कुमार गुप्ता की सीधी निगरानी में होगी। बयान में कहा गया है कि डीजीपी ने जांच पूरी करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

पलटन बाजार की ...

निर्माण से पलटन बाजार से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन में प्रवेश मिलने और पल्टनबाजार क्षेत्र में भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त असम में एक नया अत्याधुनिक रेलवे टर्मिनल बनाया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सरकारी कर्मचारियों के लिए एक नई अधिसूचना जारी की जाएगी जिसमें कहा गया है कि भर्ती करने वालों को अलग-अलग विभागों में काम करना होगा। राज्य सरकार और अन्य प्रतिष्ठान के कर्मचारियों की असम गतिशीलता (दक्षता के लिए उपलब्ध जनशक्ति के इष्टतम उपयोग के लिए) अध्यादेश, 2023 को प्रतिनियुक्ति के माध्यम से या दूसरे राज्य के आधार पर वैकल्पिक कर्तव्यों के लिए सरकारी प्रतिष्ठान के कर्मचारियों की गतिशीलता प्रदान करने के लिए अनुमोदित किया गया था।

इमरान की गिरफ्तारी ...

प्रदर्शनकारियों की मौत और घायल होने की खबर है। लेफ्टिनेंट जनरल आसिफ गफूर बलूचिस्तान में कोर कमांडर हैं। स्थिति नियंत्रण से बाहर बताई जा रही है। केपीके के इमरान खान समर्थकों के एक बड़े पठान समूह ने पीएम हाउस, जीएचक्यू, आईएसआई कार्यालयों, कोर कमांडर हाउस, 111 ब्रिगेड और सीएम हाउस पर हमला करने के लिए हथियारों के साथ इस्लामाबाद और रावलपिंडी की ओर मार्च करना शुरू कर दिया है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट परिसर से इमरान खान की गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने नाराजगी जताते हुए मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने इस्लामाबाद के पुलिस प्रमुख और गृह सचिव को 15 मिनट के भीतर तलब किया। इमरान खान की गिरफ्तारी से पहले मंगलवार को एक आतंकवाद रोधी अदालत ने कई मामलों में उनकी अंतरिम जमानत अर्जी मंजूर कर ली थी।

ईडी ने कांग्रेस के...

शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत जब्त किया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच के दौरान, सूर्यकांत तिवारी के साथ उपरोक्त व्यक्तियों के वित्तीय संबंधों का प्रत्यक्ष प्रमाण स्थापित किया गया था और पीएमएलए के तहत कुर्की की कार्यवाही के लिए अपराध की आय या समकक्ष संपत्तियों की पहचान की गई संपत्ति की पहचान की गई है।

खरगोन में बस ...

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने कहा कि हादसे में 15 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी। एक यात्री की मौत अस्पताल में हुई है। राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता की घोषणा कर दी है। बस ओवरलोड थी या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

स्वर्णिम भारत के ...

के 100 वर्ष मना रहा होगा तो आप सभी अधिकारी में देश के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में होंगे। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार उन्मूलन में योगदान देने और देश, समाज में नैतिकता पर आधारित व्यवस्था को आगे बढ़ाने में विपश्यना जैसी पद्धतियां उपयोगी सिद्ध होती हैं।

इंफाल एयरपोर्ट बना...

हुए लोगों को खाना और पानी मुहैया करा रहा है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि हवाईअड्डा अब न्यूनतम संसाधनों के साथ चल रहा है। बाहर सभी दुकानें बंद हैं, इंफाल में एएआई के अधिकारियों ने कर्मचारियों और यात्रियों दोनों के लिए भोजन, पानी, आवश्यक दवाएं और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति प्राप्त करने के लिए गुवाहाटी, अगरतला और डिब्रूगढ़ जैसे नजदीकी हवाई अड्डों को आपात संदेश भेजे थे।

लाइव स्ट्रीमिंग से ...

अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग वास्तव में हमारी अदालत को पूरी तरह से घरों और आम नागरिकों के दिलों तक ले गई है और मुझे लगता है कि यह प्रक्रिया का हिस्सा है। बेंच में चीफ जस्टिस के अलावे जस्टिस एसके कौल, एसआर भट्ट, हिमा कोहली और पीएस नरसिम्हा शामिल थे।

राज्य में 4,380 ...

गया था कि 11 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में उन सभी को नियुक्त पत्र प्रदान किया जाएगा, जिनके नाम सूची में शामिल हैं। मणिपुर में मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक स्थिति के कारण 11 मई को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के दूसरे कार्यकाल के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री शाह की यात्रा को 26 मई तक स्थगित करना पड़ा है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने गुवाहाटी में सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की कि नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र 11 मई के स्थान पर 26 मई को वितरित किए जाएंगे, लेकिन अभ्यर्थियों के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि यानी 1 जून के संबंध में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कर्नाटक विस ...

सभी सीटों और कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे 13 मई को आयेंगे। मतदान दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने राज्य में 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं, विशेष रूप से 11.71 लाख पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से कर्नाटक में 224 सीटों के लिए कल होने वाले चुनावों में उत्साह से भाग लेने की अपील की। उन्होंने देश की आईटी राजधानी में युवा और शहरी मतदाताओं से 103 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता महादेव महालिंगा माली जैसे बुजुर्ग मतदाताओं से प्रेरणा लेने और राज्य में शहरी उदासीनता की प्रचलित प्रवृत्ति को पराजित करते हुए लोकतंत्र के उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

सरकारी प्लेटफॉर्म दे रहा स्विगी-जोमैटो को टक्कर, इंटरनेट पर छाई कीमतों में अंतर बताती तस्वीरें

नई दिल्ली।

जोमैटो-स्विगी जैसे ऑनलाइन खाना मंगवाने वाले एप पर जिस मैकचिकन बर्गर के लिए 283 रुपये खर्च करने पड़ते हैं, ओएनडीसी पर उसे 110 रुपये में ही खरीदा जा सकता है। वेज स्टीम्ड मोमो 170 के बजाय सिर्फ 85 रुपये में लिया जा सकता है। दरों में अंतर दिखाती ऐसी दर्जनों तस्वीरें बीते कुछ दिनों से इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। दरअसल, ओएनडीसी यानी डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क को ई-कॉमर्स के क्षेत्र में बड़े बदलाव की तरह देखा जा रहा है। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के इस प्लेटफॉर्म को एकाधिकार की तरह काम कर रहीं और ग्राहकों से भारी कमीशन वसूल रहीं टेक कंपनियों के लिए बड़े खतरे की तरह देखा जा रहा है। हालांकि ग्राहकों को इससे बड़ी राहत मिलनी तय है। ऑनलाइन खाना मंगवाने के लिए एकछत्र राज कर रहे दो प्रमुख एप जोमैटो और स्विगी खरीदारी करने पर 30 फीसदी तक शुल्क लेते हैं। दावा है, ओएनडीसी पर यह शुल्क 2 से 4 फीसदी रह जाएगा। यही वजह है, कई बड़े ब्रांड अपने उत्पादों पर ग्राहकों को 20 से 60 फीसदी तक की सीधी छूट दे रहे हैं।

साबित हो सकती है यूपीआई जैसी पहल - इन्फोसिस के सह संस्थापक नंदन निलेकणी ने ओएनडीसी पर एक रिपोर्ट का हवाला देकर ट्वीट किया, कैसे यह साल 2030 तक स्वरोजगार करने वाले 10 लाख से अधिक लोगों और एमएसएमई को जोड़ कर 50 करोड़ उपभोक्ताओं को सेवाएं दे सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह यूपीआई जैसी पहल साबित हो सकती है। अभी ओएनडीसी प्लेटफॉर्म को पेटीएम, मीशो, मैजिकपिन, मायस्टोर, क्राफ्ट्सविला, स्पाइस मनी जैसे एप उपलब्ध करा रहे हैं। पेटीएम पर ओएनडीसी सर्च करने पर यह उन उत्पादों की सूची उपलब्ध कराएगा, जो इससे खरीदे जा सकते हैं। इसमें खाने-पीने की चीजें, घरेलू सामान व सफाई के उत्पाद शामिल हैं। ओएनडीसी फूड विकल्प से उन रेस्त्रां से खाना ऑर्डर किया जा सकता है, जो इस प्लेटफॉर्म पर सेवाएं दे रहे हैं। नया प्लेटफॉर्म होने के चलते अभी कई रेस्तरां इससे नहीं जुड़े हैं। ओएनडीसी मोबाइल एप नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म है। विक्रेता व खरीदार के बीच सीधा संपर्क बनाता है और मध्यस्थ बने थर्ड पार्टी ई-कॉमर्स एप्स की जरूरत नहीं रहती।

न्यूज ब्रीफ

नए कॉन्ट्रैक्ट से खुश नहीं पायलट! एयरलाइन ने संशोधित मुआवजा ढांचे पर सोचने के लिए दिया और समय

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अपने पायलटों को संशोधित मुआवजा ढांचा (रिवाइज्ड कंपनसेशन स्ट्रक्चर) स्वीकार करने के लिए और समय दिया है। हालांकि, इस ढांचे का दो पायलट यूनियनों ने विरोध किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया ने अपने कई पायलटों के साथ उनकी चिंताओं के बारे में बातचीत की। इसके बाद फैसला लिया गया कि जिन पायलटों ने अभी तक नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, उन्हें अभी थोड़ा और समय सोचने विचारने के लिए दिया जाए। इस दौरान पायलट गंभीरता से सोच कर फैसला लें कि उन्हें क्या करना है। बता दें, एयरलाइन ने नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने के लिए इस सप्ताह के अंत तक का समय दिया है। हालांकि समय सीमा बढ़ाने पर एयर इंडिया की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई। गौरतलब है, इससे पहले नए अनुबंधों को स्वीकार करने की समय सीमा 30 अप्रैल थी, जो खत्म हो चुकी है। अब समय बढ़ाने का फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है, जब संकटग्रस्त गो फर्स्ट ने उड़ान बंद कर दी है और इसका भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। ऐसे में इसके पायलट कहीं और नौकरी के अवसर तलाश रहे हैं सूत्रों ने कहा कि लगभग 800 पायलट ने नए ढांचे को स्वीकार नहीं किया था।

नौकरी खोजने में मदद करने वाली कंपनी में छंटनी: लिंक्डइन ने 716 एम्प्लॉइज को निकालने का किया ऐलान, चीन में इनकरियर ऐप को बंद करेगी कंपनी

नई दिल्ली। लोगों को नौकरी खोजने में मदद करने वाले प्लेटफॉर्म लिंक्डइन ने अब खुद छंटनी करने का ऐलान किया है। लिंक्डइन ने बताया कि डिमांड वेवर के रूप में कंपनी के 716 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाला जाएगा। लेटेस्ट राउंड की इस छंटनी में सेल्स, ऑपरेशंस और सपोर्ट टीम्स के ज्यादातर एम्प्लॉइज प्रभावित होंगे। लिंक्डइन ने बताया कि कंपनी अतिरिक्त लागत को कम करने के लिए अपने ऑपरेशंस को फिर से अरेंज कर रही है। लिंक्डइन ने फरवरी में पहले राउंड की छंटनी की थी, जिसमें ज्यादातर रिक्रूटिंग टीम के एम्प्लॉइज प्रभावित हुए थे। माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले जॉब प्लेटफॉर्म लिंक्डइन में 20,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज हैं। पिछली दो तिमाहियों में रेवेन्यू में ग्रोथ के बावजूद कंपनी ने छंटनी करने का फैसला किया है। एम्प्लॉइज को भेजे गए लेटर में लिंक्डइन के सीईओ रेयान रोसलैंस्की ने कहा कि छंटनी का उद्देश्य कंपनी के ऑपरेशन को फिर से अरेंज करना है। लेटर में यह भी कहा गया है कि कंपनी नए जॉब्स क्रिएट करेगी और छंटनी से प्रभावित एम्प्लॉइज भी फिर से अप्लाई करने के लिए फ्री हैं।

50 रुपये किलो से कम भाव पर सेब के आयात पर पाबंदी, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सरकार ने सेब आयात को लेकर पर अहम शर्तें प्रभावी कर दी हैं। इसके तहत 50 रुपये किलो से कम के भाव पर सेब का आयात नहीं किया जा सकेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा कि अगर सेब की कीमत 50 रुपये किलो से अधिक है तो आयात की अनुमति होगी। अगर सीआईएफ (लागत, बीमा, माल ढुलाई) आयात कीमत 50 रुपये किलो से कम है तो सेब के आयात पर पाबंदी होगी। न्यूनतम आयात मूल्य की शर्त भूटान से होने वाले आयात पर लागू नहीं होगी। भारत को सेब निर्यात करने वाले मुख्य देशों में अमेरिका, ईरान, ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान, फ्रांस, बेल्जियम, चिली, इटली, तुर्की, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और पोलैंड शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका से आयात 2022-23 के अप्रैल-फरवरी में 84.8 प्रतिशत बढ़कर 1.85 करोड़ टन रहा। इसी प्रकार पोलैंड से आयात इस दौरान 83.36 प्रतिशत बढ़कर 1.53 करोड़ टन रहा। हालांकि, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस और अफगानिस्तान से आयात में कमी आई।

बिजनेस शुरू करने के लिए भारत दुनिया के टॉप-5 में

यहां चीन से दोगुनी नई महिला एंटरप्रेन्योर बनीं, 49 देशों पर हुई स्टडी

नई दिल्ली।

देश की महिलाएं खुद का बिजनेस शुरू करने के मामले में भी कहीं आगे हैं। इस मामले में दुनिया की टॉप-5 इकोनॉमी वाले देशों में अमेरिका के बाद हम दूसरे नंबर पर हैं। आबादी में हमसे लगभग बराबरी पर खड़े चीन से तुलना करें तो पिछले साढ़े 3 साल में अपना बिजनेस शुरू करने वाली महिलाओं की तादाद चीन के मुकाबले भारत में दोगुने से भी ज्यादा है।

देश के नए उद्यमियों (एंटरप्रेन्योर) में महिलाओं की हिस्सेदारी जहां 11प्रतिशत तक है, वहीं चीन में यह आंकड़ा सिर्फ 5प्रतिशत पर अटका है। अमेरिका में यह हिस्सेदारी 18प्रतिशत, जर्मनी में 7प्रतिशत और जापान में सिर्फ 3.6प्रतिशत है। ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप मॉनिटर की 2022-23 की ग्लोबल रिपोर्ट में यह तस्वीर सामने आई है। नया बिजनेस शुरू करने के लिए बेहतर देशों में भी, सऊदी अरब, ताइवान के बाद भारत चौथे पर है।

प्रदर्शन: पुरुषों की कंपनी से 35प्रतिशत ज्यादा रिटर्न

बेन एंड कंपनी के सर्वे के मुताबिक, महिलाओं के मालिकाना हक वाले स्टार्ट-अप का (रिटर्न ऑन इंवेस्टमेंट) पुरुष मालिकों की फर्म से 35प्रतिशत तक ज्यादा रहा है।

सर्वे यह भी बताता है कि ग्रामीण इलाकों में 45प्रतिशत से ज्यादा महिलाओं ने खुद की अलग पहचान बनाने के मकसद से अपना बिजनेस शुरू किया।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, देश के कुल 5.85 करोड़ उद्यमियों में से 80 लाख महिलाएं हैं, जो 14प्रतिशत की हिस्सेदारी दर्शाता है। इनकी कंपनियों में 2.2 से 2.7 करोड़ तक लोग काम करते हैं।

देश की 20प्रतिशत इंडस्ट्रीज की मालिक महिलाएं हैं और करीब 23प्रतिशत लोगों को यही कंपनियां रोजगार दे रही हैं।

नया बिजनेस आइडिया देने वालों में महिलाओं की 40प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

क्षमता: 2030 तक 17 करोड़ तक नए जॉब देंगी

2030 तक महिलाओं के मालिकाना हक वाली 3 करोड़ से ज्यादा नई कंपनियों में 15-17 करोड़ तक रोजगार पैदा होने का अनुमान है।

देश की जीडीपी में अभी महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 22प्रतिशत पर ही है, जबकि दुनियाभर में औसत लगभग 45प्रतिशत है।

हमारे स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में महिला लीडर्स की तरक्की का बड़ा संकेत यह भी है कि 2019 से 2022 के बीच 17प्रतिशत निवेश सौदे उन स्टार्ट-अप के साथ हुए हैं, जिनकी मालिक महिलाएं हैं। 2030 तक यह हिस्सेदारी कई गुना बढ़ने की उम्मीद।

इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के अनुसार, महिला लीडर वाले बिजनेस में निवेश की वजह यह है कि वे ज्यादा रिटर्न के लिए ज्यादा जोखिम उठा सकती हैं।

केपीएमजी सर्वे के मुताबिक, 43प्रतिशत महिलाएं ज्यादा जोखिम को तैयार हैं।

चुनौतियां: शुरुआती फंड जुटाना व सीमित दायरा

सीमित वुमन फ्रेंडली सेक्टर: अधिकांश महिला उद्यमी शिक्षा, कपड़े, ब्यूटी केयर जैसे सेक्टरों तक सीमित हैं। जबकि, मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन और इसी तरह के ज्यादा मुनाफे वाले कई सेक्टरों पर पुरुषों का दबदबा है।

घरेलू काम: करीब 43 करोड़ वर्किंग एज महिलाओं में 34 करोड़ ऐसे कामों में लगी हैं, जिनके लिए वेतन नहीं मिलता। रोजगारयोग्य 1.9 करोड़ महिलाओं के पास जॉब ही नहीं है।

फंड का इंतजाम: देश में अधिकांश महिलाओं के नाम पर कोई प्रॉपर्टी नहीं होती, जिससे नए बिजनेस के लिए लोन में मुश्किल होती है।

फिच ने भारत की संप्रभु रेटिंग को बताया मजबूत, बेहतर ग्रोथ है कारण

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की संप्रभु रेटिंग के परिदृश्य को स्थिर बताते हुए कहा कि भारत का विकास मजबूत दिख रहा है। फिच रेटिंग्स ने अपने बयान में कहा कि फिच रेटिंग्स ने भारत की दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ बीबीबी के स्तर पर रखा है। फिच ने कहा कि संप्रभु रेटिंग के लिए मजबूत वृद्धि क्षमता एक महत्वपूर्ण वजह है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की रेटिंग अन्य देशों की तुलना में मजबूत ग्रोथ और बाहरी वित्तीय लचीलापन दर्शा रही है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को पिछले साल के बड़े बाहरी झटकों से पार पाने में मदद मिली है। एजेंसी अगस्त 2006 से भारत की रेटिंग को पर रखा है, जो सबसे कम निवेश ग्रेड रेटिंग है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां विभिन्न देशों की सरकारों के तय समय में उधार चुकाने की क्षमता के आधार पर संप्रभु रेटिंग तय करती हैं। इसके लिए अर्थव्यवस्था, बाजार और राजनीतिक जोखिम को आधार बनाया जाता है। संप्रभु रेटिंग से पता चलता है कि कोई देश भविष्य में अपने उधार और देनदारियां चुका सकेगा या नहीं। पूरी दुनिया में स्टैंडर्ड एंड पूअर्स, फिच और मूडीज इन्वेस्टर्स जैसी रेटिंग एजेंसियां ही संप्रभु रेटिंग तय करती हैं।

चांदी में निवेश हो सकता है फायदेमंद

सिल्वर ईटीएफ के जरिए 100 रुपए से भी कम में कर सकते हैं निवेश की शुरुआत

नई दिल्ली।

सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड यानी सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को रास आने लगी है। मार्च, 2023 तक इनका एसेट बेस बढ़कर करीब 1,800 करोड़ रुपए हो गया। सेबी ने करीब डेढ़ साल पहले सिल्वर ईटीएफ की शुरुआत की थी। इसके जरिए आप शेयर की ही तरह चांदी में भी निवेश कर सकते हैं। हम आज आपको सिल्वर ईटीएफ के बारे में बता रहे हैं।

सबसे पहले समझें ईटीएफ क्या है - चांदी को शेयरों की तरह खरीदने की सुविधा को सिल्वर ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। चूंकि सिल्वर ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट सिल्वर की कीमतें हैं, आप इसे चांदी की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं।

सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने के हैं कई फायदे - कम मात्रा में भी खरीद सकते हैं चांदी: ईटीएफ के जरिए सिल्वर यूनिट्स में खरीदते हैं। इससे कम मात्रा में या (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए चांदी खरीदना आसान हो जाता है। सिल्वर ईटीएफ की 1 यूनिट की कीमत अभी आप 100 रुपए से भी कम है। यानी आप 100 रुपए से भी कम में इसमें निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। चांदी रहती है सुरक्षित: इलेक्ट्रॉनिक चांदी डीमैट अकाउंट में होती है जिसमें सिर्फ सालाना डीमैट चार्ज देना होता है। साथ ही चोरी होने का डर नहीं होता। वहीं फिजिकल चांदी में चोरी के खतरे के अलावा उसकी सुरक्षा पर भी खर्च करना होता है।

व्यापार की आसानी: सिल्वर ईटीएफ को बिना किसी परेशानी के तुरंत खरीदा और बेचा जा सकता है। यानी पैसों की जरूरत पड़ने पर आप जब चाहे इसे बेच सकते हैं।

सिल्वर ईटीएफ में निवेश क्यों करना चाहिए - चांदी प्रभावशाली बुलियन बनती जा रही है। एक्सपर्ट्स के अनुसार जब भी अर्थव्यवस्थाएं मजबूत होंगी, चांदी की मांग बढ़ने लगेगी। इसका एक मतलब यह भी है कि बढ़ती महंगाई वाले दौर में सोने के मुकाबले चांदी की कीमत ज्यादा बढ़ेगी। ऐसे में महंगाई से बचाव के साधन (हेजिंग टूल) के तौर पर चांदी बेहतर साबित होगी।

वॉट्सऐप ने ट्रूकॉलर के साथ की पार्टनरशिप: यूजर्स को मिलेगी कॉलर आइडेंटिफिकेशन सर्विस, मई लास्ट तक रोल आउट होगा फीचर

नई दिल्ली।

वॉट्सऐप जल्द ही फेक और स्पैम कॉल (वीडियो/ऑडियो दोनों) की पहचान करने के लिए ऐप में नया फीचर एड करने वाला है। इसके लिए इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप ने कॉलर आइडेंटिफिकेशन सर्विस देने के लिए ट्रूकॉलर के साथ पार्टनरशिप की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह फीचर वॉट्सऐप यूजर्स को फेक, स्पैम और इंटरनेट के जरिए आने वाले कॉल्स की पहचान करने में मदद करेगा। नया फीचर वॉट्सऐप के वीडियो और ऑडियो दोनों कॉल्स के लिए अवेलेबल होगा। अभी ट्रूकॉलर केवल उन कॉल्स की पहचान कर पाता है, जो यूजर्स को उनके टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर के जरिए मिलती हैं। ट्रूकॉलर के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एलन ममेदी ने बताया है कि अभी ये फीचर बीटा टेस्टिंग में है। मई महीने के लास्ट तक यह फीचर दुनियाभर में रोल आउट किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस फीचर के रोल आउट होने को लेकर कोई कंफर्म डेट नहीं बताई है। ट्रूकॉलर की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सहित अन्य देशों में लगातार टेलीमार्केटिंग और स्पैम कॉल की

संख्या बढ़ रही है। यहां मोबाइल यूजर्स औसतन हर महीने लगभग 17 स्पैम कॉल्स आते हैं। इससे पहले इस साल की शुरुआत में टेलीकॉम रेगुलेटर ने एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन-आइडिया को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए टेलीमार्केटिंग कॉल्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। ट्रूकॉलर की ओर से बताया गया है कि वह इस तरह की सर्विस शुरू करने के लिए टेलीकॉम ऑपरेटर्स के साथ बात कर रहा है। व्हाट्सएप भारत में सबसे अधिक यूज किया जाने वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म है, जिसके यहां 40 करोड़ से अधिक यूजर्स हैं।

महिला यात्री 41 करोड़ की हेरोइन लेकर मलावी से हैदराबाद पहुंची, डीआरआई के हत्थे चढ़ी

नई दिल्ली।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने 7 मई को मलावी से दोहा के रास्ते हैदराबाद पहुंचने वाली एक महिला भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया। यात्री के चेक-इन बैगेज की जांच में 5.90 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसकी कीमत कीमत लगभग 41.3 करोड़ रुपये है। महिला यात्री को यात्री को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों को दोहा के रास्ते मलावी से हैदराबाद आ रही एक भारतीय महिला के पास नशीले पदार्थ की खेप होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद खुफिया विभाग अलर्ट हो गया और जांच के लिए एयरपोर्ट पर महिला को

रोका गया। अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्तों के चेक-इन बैगेज की जांच के दौरान पारदर्शी पैकेटों में 5.90 किलोग्राम मलाईदार सफेद पाउडर के दाने बरामद किए गए। डीआरआई अधिकारियों ने कहा, हेरोइन एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत आने वाली एक मादक दवा है। अधिकारियों ने कहा कि मादक पदार्थ को जब्त कर लिया गया है और यात्री को एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच चल रही है। इससे पहले राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को महाराष्ट्र में बड़ी कामयाबी हाथ लगी थी। डीआरआई ने मुंबई में 3.35 किलोग्राम सोना बरामद किया था, इसकी कीमत करीब 2.1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। डीआरआई ने खुफिया इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की थी। पुलिस ने सोना जब्त करने के बाद 11 लोगों को गिरफ्तार भी किया था। डीआरआई अधिकारियों द्वारा मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक संदिग्ध पारगमन यात्री को रोके जाने के बाद अंगूठी का भंडाफोड़ हुआ और पेस्ट के रूप में 3.35 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। डीआरआई के अनुसार, भारत में सोने की तस्करी में शामिल यात्री बैंकॉक से दुबई और इसके विपरीत यात्रा करते थे, और भारत में पारगमन के दौरान, वे सोने को हवाई अड्डे पर काम करने वाले कर्मचारियों को सौंप देते थे। त्रिपुरा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने डेमू ट्रेन से 1.04 करोड़ रुपये मूल्य की ब्राउन शुगर, फेंसेडिल और अन्य मादक पदार्थ जब्त किया।

अटल पेंशन योजना के 8 साल पूरे: 210 रुपए में मिलती है 5 हजार रुपए पेंशन

नई दिल्ली।

अटल पेंशन योजना 8 साल पूरे हो गए हैं। इस योजना की शुरुआत 9 मई 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1,000 से लेकर 5,000 रुपए की पेंशन मिलती है।

ऐसे में इस योजना के जरिए आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक सुरक्षा दे सकते हैं। इस योजना में अब तक 5 करोड़ से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। आज हम आपको इस योजना के बारे में बता रहे हैं, ताकि आप भी इसमें निवेश करके अपने लिए पेंशन का इंतजाम कर सकें।

आपकी उम्र के हिसाब से तय होता है आपका योगदान - अमाउंट कितना कटेगा यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप रिटायरमेंट के बाद कितनी पेंशन चाहते हैं। 1 से 5 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन लेने के लिए सब्स्क्राइबर को 42 से लेकर 210 रुपए प्रतिमाह तक भुगतान करना होगा। यह 18 साल की उम्र में स्कीम लेने पर होगा।

वहीं, यदि कोई सब्स्क्राइबर 40 साल

की उम्र में स्कीम लेता है तो उसे 291 से लेकर 1,454 रुपए प्रतिमाह तक का कॉन्ट्रीब्यूशन करना होगा। सब्स्क्राइबर जितना ज्यादा कॉन्ट्रीब्यूशन करेगा, उसे रिटायरमेंट के बाद उतनी ही ज्यादा पेंशन मिलेगी। 42 रुपए जमा करे, तो उसे 60 साल के बाद हर महीने 1000 रुपए पेंशन मिलेगी। 84 रुपए जमा करे, तो 2000 रुपए पेंशन मिलेगी। 126 रुपए जमा करे, तो 3000 रुपए पेंशन मिलेगी। 168 रुपए जमा करे, तो 4000 रुपए पेंशन मिलेगी। 210 रुपए जमा करे, तो 5000 रुपए पेंशन मिलेगी। अगर 40 साल का कोई व्यक्ति हर महीने 291 रुपए जमा करे, तो उसे 60 साल के बाद हर महीने 1000 रुपए पेंशन मिलेगी। 582 रुपए जमा करे, तो 2000 रुपए पेंशन मिलेगी। 873 रुपए जमा करे, तो 3000 रुपए पेंशन मिलेगी। 1164 रुपए जमा करे, तो 4000 रुपए पेंशन मिलेगी। 1454 रुपए जमा करे, तो 5000 रुपए पेंशन मिलेगी। अपनी सुविधा के हिसाब से दे सकते हैं किस्त इस योजना के तहत इन्वेस्टर्स मंथली, क्वाटरली या सेमी-एनुअल यानी 6 माह की अवधि में निवेश कर सकते हैं। कॉन्ट्रीब्यूशन ऑटो-डेबिट हो जाएगा, यानी आपके अकाउंट से तय राशि अपने आप कट जाएगी और आपके पेंशन खाते में जमा हो जाएगी। सब्सक्राइबर की मृत्यु के बाद उसके जीवनसाथी को मिलेगी पेंशन सब्सक्राइबर की मृत्यु के बाद उसके स्पाउस (जीवनसाथी) को समान पेंशन का भुगतान किया जाएगा और सबस्क्राइबर और स्पाउस दोनों के निधन पर 60 साल की आयु तक जमा की गई पेंशन राशि नॉमिनी को वापस कर दी जाएगी। वहीं अगर 60 साल से पहले ग्राहक की मृत्यु के मामले में उसका जीवनसाथी एपीवाय खाते में योगदान जारी रख सकता है। ग्राहक का पति वही पेंशन राशि प्राप्त करने का हकदार होगा जो ग्राहक को मिलनी थी। वहीं अगर वो चाहे तो ऐसा न करके एपीवाय खाते में जमा पूरा पैसा निकाल सकता है। टैक्सपेयर को नहीं मिलता योजना का लाभ अटल पेंशन योजना टैक्सपेयर्स के लिए नहीं है। यानी की अगर आप इनकम टैक्स चुकाते हैं तो इस योजना में अकाउंट नहीं खोल सकेंगे। ये नियम सरकार ने 1 अक्टूबर 2022 से लागू किया है। बैंक जाकर भी खोल सकते हैं अकाउंट किसी भी बैंक में जाकर अकाउंट ओपन करवा सकते हैं।

केंद्रीय बैंक ने छमाही रिपोर्ट में कहा- विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का हिस्सा बढ़कर 7.81 फीसदी

मुंबई/ नई दिल्ली। आरबीआई का स्वर्ण भंडार मार्च, 2023 अंत में सालाना आधार पर 34.22 टन बढ़कर 794.64 टन पहुंच गया इसमें 56.32 टन का स्वर्ण जमा शामिल है। बीते वर्ष मार्च अंत तक 760.42 टन का स्वर्ण भंडार था। केंद्रीय बैंक की ओर से जारी छमाही रिपोर्ट के मुताबिक, कुल स्वर्ण भंडार में से 437.22 टन सोना विदेश में बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स में सुरक्षित रखा गया है। 301.10 टन सोना देश में रखा गया है। मूल्य के हिसाब से कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी मार्च, 2023 में बढ़कर 7.81 फीसदी पहुंच गई, जो सितंबर, 2022 में 7.06 फीसदी थी। छमाही के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार इस साल मार्च में बढ़कर 578.45 अरब डॉलर पहुंच गया। रिजर्व बैंक ने नियमों का पालन न करने के मामले में एचएसबीसी पर 1.73 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने 31 मार्च, 2021 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में एचएसबीसी के सुपरवाइजरी मूल्यांकन (एलएसई) के लिए वैधानिक निरीक्षण किया था। इसमें पाया गया कि बैंक ने एक्सपायर हो चुके कई क्रेडिट कार्डों के संबंध में गलत क्रेडिट जानकारी दी और सभी चार क्रेडिट सूचना कंपनियों का शून्य बकाया दिखाया गया।

गौरव झा और ऋतु सिंह स्टारर भोजपुरी फिल्म 'बड़की माई, छोटकी माई' की शूटिंग समाप्त

अक्सर आपने बॉलीवुड और हॉलीवुड में सालों साल पुरानी कहानियों पर बनी फिल्म देखी होगी, लेकिन अब ऐसे ही एक फिल्म भोजपुरी में भी जल्द देखने को मिलेगी। इस फिल्म का नाम बड़की माई, छोटकी माई है, जो बिहार और बंगाल बॉर्डर पर स्थित तारापीठ मैं बामाखेपा जी की सच्ची कहानी पर आधारित है। इस फिल्म की सबसे खास बात यह होने वाली है कि इस्–ाको 150 साल पहले के लोकेशन के अनुसार भागलपुर के कहलगांव में सेट बनाकर शूट किया गया है। इस फिल्म की शूटिंग अभी हाल ही में संपन्न हो गई है। फिल्म बड़की माई, छोटकी माई का निर्माण थर्ड डोर एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है, जिसके प्रोड्यूसर गौरव झा हैं। इस फिल्म में गौरव झा लीड रोल में भी नजर आने वाले हैं और उनके साथ फिल्म में एक बार फिर से ऋतु सिंह हैं। इस फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस में भोजपुरी की यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे भी नजर आएंगे। फिल्म के निमार्ता गौरव झा ने बताया कि बड़की माई, छोटकी माई एक ऐसी फिल्म है, जो दर्शकों को 150 साल पहले के दौर में ले जाएगी। फिल्म की कहानी सत्य घटनाओं पर आधारित है। तारा मां बामाखेपा को 150 साल पहले जैसा हुबहू दिखाने का प्रयास किया है। तब जैसा मंदिर था, जैसा लोकेशन था, जैसा गांव था - एकदम झोपड़ी और मिट्टी का घर, वह सब इस फिल्म में दर्शकों को देखने को मिलेगा। हमारी फिल्म को देखकर दर्शकों को खूब मजा आने वाला है।

बॉक्स ऑफिस पर सफल 'द केरला स्टोरी' की कमाई में लगातार इजाफा

एक्ट्रेस अदा शर्मा की फिल्म द केरला स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म को लेकर जितने विवाद हो रहे हैं, उससे यही लग रहा है कि इस फिल्म को फायदा हो रहा है। द केरला स्टोरी फिल्म अच्छी कमाई करने में कामयाब रही है। फिल्म ने अपने पहले वीकेंड में 35.25 करोड़ का कलेक्शन कर धमाकेदार कमाई की है। फिल्म ने हफ्ते के पहले दिन यानी सोमवार को भी अच्छा कलेक्शन किया है। वर्ड ऑफ माउथ पब्लिसिटी से केरल स्टोरी को काफी फायदा हो रहा है। फिल्म की कमाई को देखते हुए द केरला स्टोरी विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स से आगे निकलने की उम्मीद है। केरला स्टोरी का पहले दिन का कलेक्शन कश्मीर फाइल्स से काफी बेहतर रहा। सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी फिल्म ने सोमवार को 15 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें तो 4 दिनों में 46 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। फिल्म महाराष्ट्र और केरल में अच्छा बिजनेस कर रही है। सकानिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, द केरला स्टोरी का रेवेन्यू जल्द ही 100 से 200 करोड़ रुपये तक जा सकता है। फिल्म का कुल बजट 35 से 40 करोड़ रुपये के बीच बताया जा रहा है, जिसे महज 4 दिनों में बटोर लिया गया है। फिल्म में एक्ट्रेस अदा शर्मा की परफॉर्मेंस की काफी तारीफ हो रही है। फिल्म केरल की 4 लड़कियों की कहानी बताती है, जिनका ब्रेनवॉश करके आईएसआईएस में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है। फिल्म की कहानी का केरल समेत कई राज्यों में कड़ा विरोध हो रहा है।

सलमान और शाहरुख फिर जुडेंगे टाइगर-3 में

-सेट को बनाने कर रहे हैं 35 करोड़ रुपये खर्च

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सुपरस्टार सलमान खान और शाहरुख खान अब 8 मई से टाइगर 3 के सेट पर फिर से जुडऩे के लिए तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक, दो सुपर जासूस - टाइगर और पठान - टाइगर में एक मेगा-बजट एक्शन सीक्वेंस के लिए फिर से मिलेंगे। आदित्य चोपड़ा टाइगर 3 में इस विशाल एक्शन सेट को बनाने के लिए 35 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। जब आपके पास एसआरके और सलमान एक फ्रेम में होते हैं, तो विचार हमेशा एक प्रतिष्ठित सिनेमाई अनुभव बनाने का होता है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। पठान में सब कुछ ठीक हो गया और अब, आदित्य चोपड़ा टाइगर 3 के साथ चीजों को अगले स्तर पर ले जाने की योजना बना रहे हैं। वह इन दोनों को पेश करने के लिए 35 करोड़ रुपये खर्च करके बड़े पैमाने पर एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन सीक्वेंस करने जा रहे हैं, जो सम्भवत एक्शन सीन्स की दुनिया में पहले कभी नहीं देखा गया होगा। टाइगर 3 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है और दुनिया भर में बड़े पर्दे पर दिवाली 2023 पर प्रदर्शित होने जा रही है। बताया जा रहा है कि सलमान खान और शाहरुख खान पर फिल्माया जाने वाला यह एक्शन सीक्वेंस जेल में शूट किया जाएगा, जहाँ पठान टाइगर को आजाद कराने आता है। पहले टाइगर के रूप में सलमान खान ने शाहरुख खान की पठान में मदद की थी, वहीं अब पठान के रूप में शाहरुख सलमान खान की मदद करते दिखाए जाएंगे, क्योंकि यह दोनों दोस्त हैं। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित, टाइगर 3 में कैटरीना कैफ को जोया के अपने पसंदीदा चरित्र में दिखाया गया है, जबकि इमरान हाशमी टाइगर के कट्टर दुश्मन की भूमिका निभाते हुए इस ब्रह्मांड में नवीनतम जोड़ हैं। इमरान की भूमिका के बारे में यह कहा जा रहा है कि वह आईएसआई एजेंट की भूमिका में नजर आएंगे, जिसे पाकिस्तान का टाइगर कहा जाता है। टाइगर 3 के लिए टाइगर एक्स पठान सीक्वेंस को मुंबई में 10 से 12 दिनों की अवधि में शूट किए जाने की उम्मीद है।

मालूम हो कि शाहरुख खान और सलमान खान ने अपनी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के साथ सिनेमा हॉल में आग लगा दी जब आदित्य चोपड़ा ने उन्हें सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित पठान के लिए एक साथ लिया। उनके एक्शन सीक्वेंस को देश भर में सीटियों और तालियों के साथ सराहा गया और उनके पोस्ट-क्रेडिट दृश्य ने पहले ही एक प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त कर ली है।

'आदिपुरुष' का ट्रेलर रिलीज होने से पहले हुआ लीक, वीडियो वायरल

निर्देशक ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष पर सबकी निगाहें टिकी हैं। इस फिल्म के ट्रेलर का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था, जिसे आज रिलीज किया जाएगा। इससे पहले ही इस फिल्म का ट्रेलर लीक होने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह फिल्म रामायण पर आधारित है। पिछले कई दिनों से दर्शक इस फिल्म के ट्रेलर का इन्तजार कर रहे थे। फिल्म के आधिकारिक ट्रेलर रिलीज की तारीख की घोषणा दो-तीन दिन पहले की गई थी। ट्रेलर रिलीज से एक दिन पहले सोमवार को हैदराबाद में फिल्म के कुछ खास प्रशंसकों के लिए फिल्म के ट्रेलर की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी। इस बार बड़ी संख्या में प्रशंसक एकत्र हुए थे। इसी बीच कुछ ने इस ट्रेलर को अपने मोबाइल में शूट कर लिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर आदिपुरुष के ट्रेलर की क्लिप वायरल हो गयी

यूं चहकती नजर आईं पीसी की लाड़ली

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने काम के साथ-साथ अपने मदरहुड को काफी एंजॉय कर रही हैं। वह अपनी बेटी मालती मैरी के साथ अक्सर फोटो या वीडियो शेयर करती रहती हैं। वहीं, अब एक्ट्रेस ने अपनी नन्हीं परी का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मालती की खेलने की आवाज सुनाई दे रही है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर बेटी मालती के साथ एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह अपनी लाड़ली को स्ट्रोलर में लेकर पार्क में घूमाती नजर आ रही हैं। इस दौरान मालती का चेहरा तो नहीं दिखा रहा, लेकिन उसके पैर नजर आ रहे हैं। साथ ही वह बाहर घूमकर कितनी खूश है इसका अंदाजा आप वीडियो में मालती के हसंने-कूकने की आवाज से लगा सकते हैं। बेटी को खुश देख प्रियंका भी हसंती हुई सुनाई दे रही हैं। इस वीडियो को शेयर कर प्रियंका ने कैप्शन में लिखा है कि हम सेंट्रल पार्क में वॉक करना पसंद करते हैं।

ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा शिल्पा शेट्टी को

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा अपनी फिटनेस और खूबसूरती के कारण हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। शिल्पा बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बीते रविवार को शिल्पा एक अवॉर्ड फंक्शन में स्टाइलिश अवतार में स्पॉट हुई। हालांकि एक्ट्रेस को अब सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। दरअसल, शिल्पा को उनके आउटफिट के लिए ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। इवेंट में शिल्पा शेट्टी एक टू पीस ब्लैक एंड व्हाइट स्ट्राइप्स वाली आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को गोल्ड नेकलेस से एक्सेसराइज किया और रेड लिप शेड के साथ अपने मेकअप को ग्लैम टच दिया। वेन्यू में जाने से पहले एक्ट्रेस ने स्माइल के साथ कैमरे के लिए पोज भी दिए। हालांकि शिल्पा का आउटफिट नेटजंस को रास नहीं आया और इसके लिए उन्हें अब ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही शिल्पा शेट्टी के लिए एक यूजर ने लिखा कि पार्टी में जेब्रा। एक अन्य ने कमेंट किया कि मेट गाला की फीलिंग ले रही हैं ये।

प्रेग्नेंट रिहाना ने खींचा सबका ध्यान

पॉप स्टार रिहाना हॉलीवुड की मोस्ट चर्चित हस्तियों में से एक हैं, जो अक्सर अपने लुक्स से सुर्खियां बटोरती हैं। उन्हें अक्सर बॉयफ्रेंड रॉकी के साथ आउटिंग पर स्पॉट किया जाता है। अब हाल ही में एक बार फिर रिहाना को शुक्रवार रात बॉयफ्रेंड संग एक बर्थडे पार्टी अटेंड करते देखा गया, जहां उनका बेहद स्टाइलिश लुक देखने को मिला।

उनकी ये तस्वीरें मीडिया के कैमरे में कैद होते ही इंटरनेट पर छा गईं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रॉकी के साथ पार्टी में पहुंची प्रेग्नेंट रिहाना अपने लुक से सबका ध्यान खींच रही हैं। ग्रे फरी क्रॉप टॉप में वह पूरे कॉन्फिडेंस के साथ अपना बड़ा सा बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।

टॉप को उन्होंने ब्राउन कलर की शॉर्ट स्कर्ट के साथ टीम-अप किया है। वहीं टॉप की केप जमीन तक लटक रही है, जो उनके लुक को स्टाइलिश बना रही है। इस लुक को सिंगर ने न्यूड लिपस्टिक, ब्लैक गॉग्लस और हाई बन से कंप्लीट किया है। ओवरऑल लुक में मॉम-टू-बी रिहाना का लुक देखते ही बन रहा है।

रोहित रॉय पहली बार किसी रियलिटी शो में

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकप्रिय एक्टर रोहित रॉय पहली बार किसी रियलिटी शो में नजर आएंगे। रोहित ने अपने करियर में टीवी शो, फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है, जहां आमतौर पर अभिनेताओं को रिहर्सल करने और स्टंट करने के लिए फिर से काम करना पड़ता है। वह खतरों के खिलाड़ी के 13वें सीजन में भाग ले रहे हैं, जिसे वह एक रियलिटी शो के रूप में नहीं बल्कि एड्रेनालाईन रश के रूप में देखते हैं। हालांकि, फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो में यह संभव नहीं है। रोहित ने कहा, बहुत घबराहट होती है। हम स्क्रीन पर हीरो हो सकते हैं और मैंने अपनी फिल्मों में अपने सभी स्टंट खुद किए हैं, यही वजह है कि मेरे शरीर की लगभग हर दूसरी हड्डी में चोट लगती रहती है। लेकिन इस तरह के बहुत से स्टंट पल भर में हो जाते हैं और बिना रिहर्सल और प्रशिक्षण के, हर कोई घबरा जाएगा। मैं घबरा गया हूं। किस चीज ने उन्हें एक रियलिटी शो में आने के लिए प्रेरित किया? इसके जवाब में एक्टर ने कहा, मैं कभी भी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहता था क्योंकि ऐसा कुछ नहीं है जिसे करने में मुझे मजा आता है। यह मजेदार है और इसमें वे सभी चीजें हैं जो मेरी बकेट लिस्ट में हैं। यहां मुझे अपनी बकेट लिस्ट से चीजों को हटाने के लिए फीस मिल रही है। मुझे यह अवसर देने के लिए मैं उनका आभारी हूं। मैं इसे एक रियलिटी शो के रूप में नहीं देखता, मैं इसे एड्रेनालाईन रश के रूप में देखता हूं। पिछले 20 सालों से मैं रियलिटी शो होस्ट कर रहा हूं लेकिन खतरों के खिलाड़ी सिर्फ एक रियलिटी शो नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिसे आप अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

बड़े मियां छोटे मियां 2024 में ईद पर होगी रिलीज

-अक्षय, टाइगर की है यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म बड़े मियां छोटे मियां 2024 में ईद पर रिलीज होगी। निमाताओं ने रिलीज की तारीख की घोषणा की है। यह फिल्म बालीवुड एक्टर अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत है। पूजा एंटरटेनमेंट ने पिक्चर जारी की, जिसमें फिल्म की झलक दिखाई देती है। अक्षय और टाइगर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक एक्सक्लूसिव बिहाइंड द सीन इमेज भी शेयर की, जो फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस में से एक की झलक दिखाती है। निर्देशक अली अब्बास जफर ने साझा कियाः मैं इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर खुश हूं। बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों के दिल के बहुत करीब हैं और दर्शकों के लिए इस सामूहिक मनोरंजन में सभी मनोरंजक तत्वों को लाना एक कठिन और आनंददायक अनुभव है। वाशु भगनानी और पूजा एंटरटेनमेंट अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित, एएजेड फिल्म के सहयोग से बड़े मियां छोटे मियां ईद 2024 पर पांच भाषाओं में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

ममता बनर्जी से नाराज फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा स्टारर फिल्म द केरला स्टोरी लगातार किसी न किसी विवाद में फंसती जा रही है, लेकिन यह फिल्म रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही है। कई जगह इस फिल्म को बैन करने की भी मांग हो रही है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य में फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके बाद अब विवेक अग्निहोत्री उनसे नाराज हैं। उन्होंने यह सवाल भी उठाया है कि आप किस आधार पर कह सकते हैं कि द कश्मीर फाइल्स कश्मीरी लोगों को बदनाम करने के लिए बनाई गई थीं? विवेक अग्निहोत्री ने यह भी कहा कि आप किस आधार पर कह सकते हैं कि पार्टी से फंड मिला है। इसके बाद नाराज विवेक अग्निहोत्री ने ममता बनर्जी को चेतावनी दी है। मेरी फिल्म दिल्ली फाइल्स होगी न कि बंगाल फाइल्स। तो मैं क्यों ना आपके खिलाफ मानहानि और नरसंहार को झुठलाने का केस दर्ज कराऊं?

कॉमेडी ड्रामा फिल्म में नजर आएंगे मी एडम्स और पॉल रेड

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर पॉल रेड, एमी एडम्स और टेसा थॉम्पसन एक साथ एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह पहली बार होगा, जब तीनों एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे। इन तीनों को डायरेक्टर जोनाथन डेटन और वैलेरी फारिस की फिल्म द इनवाइट में देखा जाएगा। जानकारी के अनुसार, आने वाली यह फिल्म स्पेनिश भाषा में बनी सेंटीमेंटल की स्टोरी पर आधारित होगी। फिल्म की स्क्रीप्ट रशीदा जोन्स और विल मैककॉर्मैक लिख रहे हैं। हालांकि, इससे पहले भी इस फिल्म पर विभिन्न डायरेक्टर ने काम किया। अब एक बार फिर नए अंदाज में इस कहानी को लेकर नई कहानी परोसी जाएगी। जहां फैंस के फेवरेट एमी और पॉल रोमांस करते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी पॉल रेड और एमी एडम्स के इर्द-गिर्द घूमती है। ये दोनों इस फिल्म में शादीशुदा कपल हैं, जिन्हें शादी किए हुए 15 साल हो गए हैं लेकिन इन्हें लगता है कि वे बेवजह इस रिश्ते को लेकर चल रहे हैं। हालांकि, यह फिल्म इन दोनों के वैवाहिक जीवन के संकटों पर आधारित नहीं है। मूल रूप से यह फिल्म इस शादीशुदा कपल के आस-पास के माहौल से लेकर अन्य चीजों पर आधारित है। फिल्म में पड़ोसियों के बीच चलने वाली नोक-झोंक से लेकर कई ऐसी चीजें होंगी, जो दर्शकों को गुदगुदाएगी।

सूडोकु नवताल- 6426

कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6425 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्दजाल - 7173

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट्य	रा	
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु	
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं	
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि	
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या	
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द	
सिं	नि	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क	
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा	
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क	
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क	
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श	

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

शब्दजाल - 7172 का हल

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क		
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली		
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क		
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क		
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क		
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को		
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल		
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण		
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क		
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त		
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ		

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6126

	6	1		2		3
7	32	5	31	3	30	1
4				7		
	22	2	40	6	39	
	3			5		
1	34	6	37		28	
	5			1	2	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6125 का हल

4	3	2	5	1	7	6
1	28	6	29	4	30	2
5	4	3	6	2	1	7
2	36	7	38	6	25	3
6	5	4	7	3	2	1
7	33	5	36	5	33	4
3	2	1	4	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

धरने का समर्थन करने वाले पहलवान देश के लिए खेलेंगे, रवि-सरिता ने दी सहमति

नई दिल्ली ।
यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे बजरंग, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट का समर्थन करने वाले कई नामी पहलवान कुश्ती के मैट पर लौट रहे हैं। जनवरी में जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने में शामिल होने वाले टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता रवि कुमार, टोक्यो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहने वाले दीपक पूनिया, एशियाई चैंपियन सरिता मोर ने एक से चार जून को बिश्केक (किर्गिस्तान) में होने वाले तीसरे रैंकिंग टूर्नामेंट में देश के लिए खेलने को तैयार हैं। भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने टूर्नामेंट के लिए इन पहलवानों की प्रविष्टि भी भेज दी है। जल्द ये पहलवान टूर्नामेंट की तैयारियों को लगने वाले राष्ट्रीय शिविर में शामिल होंगे।

30 से अधिक पहलवान जाएंगे बिश्केक - सरिता मोर को छोड़कर ये पहलवान इस बार के धरने में शामिल नहीं हुए, लेकिन पहलवानों का समर्थन करते रहे। खेल मंत्रालय की ओर से कुश्ती संघ के चुनाव रद्द किए जाने के बाद रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए टीम भेजी जानी थी। इसके लिए दूसरे रैंकिंग टूर्नामेंट में खेलने वाले पहलवानों से बिश्केक टूर्नामेंट के बारे में पूछा गया। रवि कुमार दूसरे रैंकिंग टूर्नामेंट में नहीं खेले थे, लेकिन इस बार उन्होंने 57 के बजाय 61 भारवर्ग में खेलने को हामी भर दी। दीपक पूनिया बिश्केक में 92 के बजाय 86 भारवर्ग में खेलेंगे। जनवरी में धरने पर बैठने वाली अंशु मलिक (57) और सोनम मलिक (62) का भी बिश्केक टूर्नामेंट के लिए टीम में चयन किया गया है। टूर्नामेंट के लिए 30 से अधिक पहलवानों की प्रविष्टि भेजी गई है।

जल्द शुरू होगा भारतीय टीम का शिविर - आईओए कार्यकारिणी सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा की अगुवाई में तदर्थ समिति ने कुश्ती की गतिविधियां शुरू कराने के लिए पुरुष और महिला फ्रीस्टाइल टीमों के अलावा ग्रीको रोमन टीम के चीफ कोच और खेल प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पहलवानों की तैयारी के लिए राष्ट्रीय शिविर जल्द से जल्द लगाने पर चर्चा हुई। बिश्केक जाने वाली टीम का शिविर जल्द शुरू कर दिया जाएगा। रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट एक से चार जून तक बिश्केक (किर्गिस्तान) में खेला जाना है, जो एशियाई खेलों के लिए महत्वपूर्ण है।

न्यूज ब्रीफ

सचिन प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, मालडोवा के सर्गेई नोवाक को हराया

ताशकंद । पहली बार विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच (54 भारवर्ग) ने

मालडोवा के सर्गेई नोवाक को हराकर जीत से शुरुआत की है। पूर्व यूथ चैंपियन ने जजों के 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से बेंटमवेट वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। तेइस साल के सचिन ने अपने लंबे कद का फायदा उठाकर दमदार पंच लगाकर पहला दौर आसानी से जीत लिया। दूसरे दौर में सचिन के आक्रामक तेवर जारी रहे। उनका रक्षण भी मजबूत था। तीसरे दौर में उन्होंने एक जबर्दस्त अपर कट लगाया था। इससे पहले भारतीय मुक्केबाज दीपक भोरिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान के साकेन बिबोसिनोव को हराकर विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दीपक को विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल की जगह टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने आखिरी तीन मिनट में आक्रामक अंदाज अपनाते हुए मैच जीत लिया। भारतीय मुक्केबाज ने 2021 विश्व चैंपियन साकेन को 5-2 से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई। दीपक ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और उन्हें अपनी लय पकड़ने में थोड़ा समय लगा। इसका फायदा साकेन ने उठाया और उन पर कुछ पंच जड़ दिए। इसके बाद दीपक तीसरे राउंड में अपनी लय को पकड़ते हुए पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज पर हावी हो गए। दीपक अगले मैच में चीन के झांग जिमाओ के खिलाफ रिंग में उतरेंगे। दो बार के राष्टमंडल खेलों के पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 भारवर्ग) ने रूस के एडुआर्ड सावित को 5-0 से पराजित करके क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उनका अगले दौर में सामना अजरबैजान के उमिद रुस्तामोव से होगा।

जोफ्रा आर्चर आईपीएल से बाहर: इंग्लैंड क्रिकेट टीम के डेथ ओवर स्पेशलिस्ट क्रिस जॉर्डन होंगे रिप्लेसमेंट

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं।

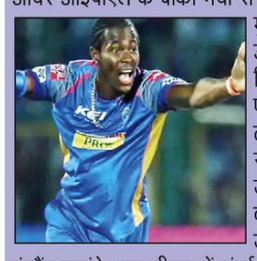

मुंबई इंडियंस ने उनकी जगह पर रिप्लेसमेंट के तौर पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के डेथ ओवर स्पेशलिस्ट क्रिस जॉर्डन को साइन कर लिया है। जोफ्रा अपने देश इंग्लैंड जाएंगे। इस सीजन में मुंबई के 10 मैचों में से वह 5 मैचों में ही खेले थे। मुंबई इंडियंस ने साल 2022 में मेगा ऑक्शन में इन्हें 8 करोड़ में खरीदा था। जोफ्रा 2022 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। आईपीएल की बात करें तो अब तक इस टूर्नामेंट से 17 खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं। इनमें मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह, गुजरात टाइटंस के केन विलियम्सन और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर, लखनऊ जायंट्स के कप्तान केएल राहुल जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। क्रिस जॉर्डन आईपीएल के 16वें सीजन के लिए हुए मिनी ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। उन्हें आर्चर की जगह मुंबई इंडियंस ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया है। जॉर्डन ने 2016 में आईपीएल में डेब्यू किया था और उसके बाद अब तक उन्होंने 28 आईपीएल मैच खेले हैं और इनमें 27 विकेट अपने नाम किए हैं। तेज गेंदबाज ने 87 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए 96 विकेट लिए हैं।

विराट अपने अनुसार बल्लेबाजी करें : शास्त्री

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आरसीबी से खेल रहे विराट कोहली से कहा

है कि उन्हें अपनी पारी की रफ्तार को बनाये रखना चाहिये। आईपीएल में अब तक विराट ने अच्छी बल्लेबाजी कर इस सत्र में छह अर्धशतक लगाये हैं। शास्त्री से जब ' पूछा गया कि क्या आरसीबी की खराब बल्लेबाजी के कारण कोहली एंकर के तौर पर अंतिम ओवरों तक बल्लेबाजी के लिए मजबूर हुए, तो उन्होंने कहा कि विराट को अन्य बल्लेबाजों की चिंता की जगह अपने अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिये। इस पूर्व कप्तान ने कहा, '' एक बार जब आप लय हासिल कर लेते हैं, तो अपने खेल को नहीं बदलना चाहिए, दूसरों की चिंता नहीं करनी चाहिये। विराट के लिए यही मेरा संदेश होगा कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। टी20 मैच में आपको इतने बल्लेबाजों की जरूरत नहीं होती। अगर आप फॉर्म में है तो अपने तरीके से खेलें। उन्होंने कहा, '' इसका अच्छा उदाहरण फिल साल्ट था। आपने देखा कि उसने किस तरह से बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। एक बार जब उसने लय हासिल कर ली तो फिर वह तेजी से खेलते रहा। शास्त्री ने साल्ट की 45 गेंद में 87 रन की मैच जिताने वाली पारी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे अन्य बल्लेबाजों पर से दबाव हट गया।

पाकिस्तान से छिन सकता है एशिया कप

भारत के मैच दूसरे देश में कराने का प्रपोजल खारिज, श्रीलंका-बांग्लादेश ने मेजबानी मांगी

नई दिल्ली ।
एशियाई क्रिकेट परिषद ने एशिया कप को पाकिस्तान से बाहर कराने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराए जाने के प्रस्ताव को सदस्य देशों ने खारिज कर दिया। पाकिस्तान में 2 से 17 सितंबर के बीच एशिया कप होना था। अब यह श्रीलंका में हो सकता है। अभी यह मेजबानी का सबसे प्रबल दावेदार है। हालांकि, अभी एसीसी की ओर से एशिया कप को पाकिस्तान के बाहर कराने की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अब जानिए, क्या है विवाद की वजह

आईसीसी के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। बीसीसीआई ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि भारतीय टीम खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना, क्योंकि अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति संवारने के लिए उसे एशिया कप से ही उम्मीद है।

हालांकि, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया था। इसके मुताबिक, भारत के मैच बाहर करा दिए जाएंगे। टूर्नामेंट के बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे। भारत अगर फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी पाकिस्तान के बाहर होगा।

वर्ल्ड कप में न खेलने की धमकी देता रहा है पीसीबी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड वर्ल्ड कप में नहीं खेलने की भी धमकी देता रहा है। दरअसल, वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर में भारत में होना है। पीसीबी भी धमकी देता रहा है कि अगर भारत एशिया कप खेलने नहीं आता है, तो वह भी भारत में खेलने नहीं जाएगा। वहीं, पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में अपने मैच बाहर कराने का भी अनुरोध आईसीसी से किया है।

वहीं, श्रीलंका हमेशा बीसीसीआई के साथ रहा। आईसीसी भी पाकिस्तान को भारत के बाहर अपने मैच खेलने (विश्व कप में) के लिए सहमत दिखाई नहीं पड़ रहा है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि पीसीबी क्या फैसला लेता है।

जय शाह ने कहा था हाइब्रिड मॉडल पर सदस्य देशों का लिया जा रहा फीडबैक

हाल ही में बीसीसीआई सचिव और एशिया क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने कहा था कि एशिया कप में टीम इंडिया के मैच पाकिस्तान के बजाय दूसरे देश में कराने को लेकर पीसीबी के प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। अन्य देशों से भी उनके फीडबैक लिए जा रहे हैं। उस फीडबैक के आधार पर ही अगला फैसला लिया जाएगा।

श्रीलंका की दावेदारी सबसे मजबूत

सितंबर में संयुक्त अरब अमीरात में अत्यधिक उमस के कारण खिलाड़ियों को चोट लगने की आशंका के मद्देनजर श्रीलंका 7 देशों के टूर्नामेंट की मेजबानी करने की होड़ में सबसे आगे है। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल को भाग लेना है।

भारत, पाकिस्तान, नेपाल एक ग्रुप में है। नेपाल पहली बार इसके लिए क्वालिफाइ किया है। वहीं, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका दूसरे ग्रुप में हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पाकिस्तान 2 से 17 सितंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेता भी है या नहीं।

10 साल में भारत-पाक के बीच 15 मैच

दोनों देशों के बीच आखिरी बाइलैट्रल सीरीज जनवरी 2013 में भारत में हुई थी। पाकिस्तान ने इस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 खेले थे। इसके बाद दोनों देश मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में ही भिड़े। दोनों के बीच सभी फॉर्मेट के कुल 15 मुकाबले ही हो सके। इनमें 8 वनडे और 7 टी-20 खेले गए। इनमें भारत ने 11 और पाकिस्तान ने 4 जीते।

भारतीय टीम ब्रिज गेम खेलने पाकिस्तान पहुंचा

30 प्लेयर्स ने वाघा बॉर्डर से एंट्री ली; ये कार्ड्स की एशियन चैंपियनशिप

लाहौर ।
क्रिकेट में भारत -पाकिस्तान के बीच एशिया कप के वेन्यू को लेकर चल रही गहमागहमी के बीच ताश के पत्तों का खेल कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज की भारतीय टीम पाकिस्तान के लाहौर पहुंची। दरअसल, पाकिस्तान में ब्रिज फेडरेशन एशियन चैंपियनशिप खेली जा रही है। इसमें भारतीय टीम भी हिस्सा ले रही है। 5 मई से खेली जा रही चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए 30 सदस्यीय भारतीय टीम वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर पहुंची थी।

क्या होता है कॉन्ट्रैक्ट ब्रिज गेम

ब्रिज की शुरूआत वर्ल्ड ब्रिज फेडरेशन नाम की संस्था ने की। इसे ट्रिक-टेकिंग कार्ड गेम भी कहा जाता है। साल 1958 में नॉर्वे के ओस्लो शहर में इसकी शुरुआत हुई थी। इस खेल में हर एक टीम के दो खिलाड़ी शामिल होते हैं। खेल लगातार 7 दिनों तक खेला जाता है। हर एक दिन खेल को खेलने वाले प्लेयर्स लगातार इसे 7 घंटे तक बैठकर खेलते हैं। खेल में कार्ड के 52 पत्तों में से 13 पत्ते हर एक खिलाड़ी को बांटे जाते हैं। खिलाड़ी परम्यूटेशन और कॉम्बिनेशन के आधार पर इस खेल को खेलते हैं। आने वाले कार्ड पर निर्भर करता है कि वह किस तरह अपना स्कोर बढ़ा सकते हैं। दूसरे खेलों की तुलना में यह एक माइंड गेम है।

एशियन गेम्स का हिस्सा है ब्रिज

ब्रिज मल्टीस्पोर्ट इवेंट एशियन गेम्स का भी हिस्सा है। 2018 एशियन गेम्स खेलों में 14 देशों के कुल 213 एथलीटों ने ब्रिज में भाग लिया था। इसमें भारत ने ब्रिज में 1 गोल्ड और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। भारत के प्रणब बर्धन और शिवनाथ सरकार ने मेंस टीम में गोल्ड अपने नाम किया था। एशियन गेम्स में सबसे ज्यादा गोल्ड चीन ने जीते थे। एचसीएल के फाउंडर शिव नादर और उनकी वाइफ किरण नादर भी ले रहे है हिस्सा एचसीएल कंपनी के फाउंडर शिव नादर भी पाकिस्तान में आयोजित चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे है।

मेसी ने लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर जीता: अर्जेंटीना सर्वश्रेष्ठ टीम, एक साल दोनों अवॉर्ड जीतने वाले मेसी पहले खिलाड़ी

पेरिस ।
अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के स्टार और दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी को लॉरियस स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पेरिस में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार उन्हें दिया गया। वहीं अर्जेंटीना टीम को लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर घोषित किया गया। इसके साथ ही मेसी पहले खिलाड़ी हो गए हैं, जिन्हें स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर और टीम ऑफ द ईयर दोनों एक ही साथ मिले हैं। मेसी और अर्जेंटीना को यह सम्मान पिछले साल की आखिरी में आयोजित फीफा वर्ल्ड कप जीतने के लिए दिया गया। कतर में आयोजित इस टूर्नामेंट के फाइनल में मेसी ने फाइनल में अपनी टीम के लिए दो अहम गोल किए थे। विजेता का फैसला पेनल्टीज से हुआ था। निर्धारित समय में दोनों टीमें 3-3 से बराबरी

पर थीं। बाद में पेनल्टीज में अर्जेंटीना ने फ्रांस को हरा दिया। मेसी का करियर का यह पहला वर्ल्ड कप खिताब है। मेसी को दूसरी बार लॉरियस स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया है। इससे पहले साल 2020 में उन्हें फॉर्मूला वन ड्राइवर लुईस हैमिल्टन के साथ यह अवॉर्ड दिया गया था। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स के लिए सबसे पहले वर्ल्ड मीडिया के ओर से खिलाड़ियों और टीमों के प्रदर्शन के प्रदर्शन के आधार पर उनको नॉमिनेट किया जाता है। उसके बाद लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स एकादमी के 71 सदस्य बहुमत के आधार पर विभिन्न अवॉर्ड के लिए खिलाड़ियों और टीमों का चयन करते हैं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स की स्थापना साल 2000 में की गई थी। उसके बाद से हर साल इन पुरस्कारों को दिया जाता है।

केकेआर के कप्तान राणा पर जुर्माना

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान नितिश राणा को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में जीत के बाद भी झटका लगा है। राणा पर धीमी ओवर गति के लिये जुर्माना लगा है। उनपर मैच फीच का 12 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता के अनुसार इस सत्र में पहली बार टीम आचारसंहित उल्लंधन में दोषी पायी गयी है। इसलिए राणा पर 12 लाख रूपये का ही जुर्माना लगा है। केकेआर ने अंतिम गेंद पर रिंकू के चौके से पंजाब को हराया था। केकेआर के अब तक 11 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं। वहीं पंजाब के भी 11 मैचों में 10 अंक हैं।

राहुल की जगह ईशान डब्लूटीसी फाइनल की टीम में: आईपीएल में चोटिल हुए थे केएल; उमेश-उनादकट भी इंजर्ड, लेकिन उनके रिप्लेसमेंट तय नहीं

मुंबई ।
वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए विकेटकीपर बैटर केएल राहुल की जगह ईशान किशन को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने इस बात की जानकारी दी। डब्लूटीसी फाइनल लंदन के द ओवल स्टेडियम में 7 से 11 जून के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा।

1 मई को लगी थी राहुल को चोट

1 मई को केएल राहुल लखनऊ के इकाना स्टेडियम में बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। आरसीबी की पारी के दूसरे ओवर में फाफ डु प्लेसिस का शॉट रोकने के प्रयास में राहुल के पैर में चोट लगी थी। तब वे मैदान से बाहर चले गए थे। आखिर में राहुल चोट के बावजूद बैटिंग करने उतरे थे, लेकिन उन्हें रन दौड़ने में परेशानी का सामना करना पड़ा था।

राहुल के पैर की सर्जरी होनी है। इसके बाद करीब एक महीने तक उन्हें आराम करना होगा। ऐसे में 7 से 11 जून तक होने

वाले डब्लूटीसी फाइनल में उनका खेलना मुमकिन नहीं है।

उनादकट भी फाइनल से लगभग बाहर

बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज में उमेश यादव और जयदेव उनादकट की चोट के बारे में भी बताया, लेकिन उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया। ऐसे में इन दोनों गेंदबाजों के खेलने की उम्मीदें अब भी बाकी हैं।

आईपीएल के 16 वें सीजन के दौरान 16 खिलाड़ी चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं। सबसे ज्यादा खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स के बाहर हुए हैं। यहां देखें उनके नाम।

ईशान पहली बार खेल सकते हैं टेस्ट मैच

डब्लूटीसी फाइनल के प्लेइंग-11 में अगर ईशान किशन को मौका मिलता है तो यह उनका पहला ही इंटरनेशनल टेस्ट मैच होगा। इससे पहले उन्होंने कभी टेस्ट नहीं खेला, हालांकि वे 48 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं।

रिप्लेसमेंट के बाद डब्लूटीसी के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, ईशान किशन।

स्टैंड बाय: ऋतुराज गायकवाड, मुकेश कुमार और सूर्यकुमार यादव।

एम एस धोनी से प्रेरित होकर रणजीत ने छोड़ी नौकरी, अब पेरिस में फेंकेंगे भाला

फरीदाबाद ।
कब तक बोझ संभाला जाए, द्वंद्व कहां तक पाला जाए, दोनों ओर लिखा हो भारत सिक्का वही उछाला जाए, तू भी है राणा का वंशज, फेंक जहां तक भाला जाए। कविता की इन पंक्तियों को सचमुच में चरितार्थ किया बल्लभगढ़ के आदर्श नगर के पैरा एथलीट रणजीत सिंह भाटी, जिन्होंने बेंगलुरू में संपन्न पांचवीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप में नए राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ 43.91 मीटर पर भाला फेंक स्वर्ण पदक जीता।

अब वह जुलाई माह में पेरिस में आयोजित होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भाग लेंगे। रणजीत सिंह भाटी का परिवार मूलरूप में यूपी के जिला जेवर के गांव करौली का है। उनके पिता रामबीर सिंह और मां वैजयंती तीन दशक पहले बल्लभगढ़ आ गए थे और यहीं पर रणजीत सिंह का जन्म हुआ।

नया रिकार्ड बनाने में हुए सफल

बेंगलुरू से लौटे रणजीत सिंह ने बातचीत में कहा कि वो वास्तव में महाराणा प्रताप के वंशज हैं

और उपरोक्त पंक्तियों के अनुरूप ही पूरा दमखम लगा कर भाला फेंका कि यह कहां तक जा सकता है। अपनी मेहनत में कामयाब रहे और बेंगलुरू में ही पूर्व में स्थापित किए गए 43.80 मीटर के अपने ही राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ते हुए नया रिकार्ड बनाने में सफल रहे।

सड़क दुर्घटना में हो गए थे बुरी तरह घायल

गत वर्ष मोरक्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुके रणजीत भाटी वर्ष 2012 में यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए थे और उनका दायां हिप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। स्वस्थ होने में रणजीत को तीन साल लगे, पर वो दिव्यांगता की श्रेणी में आ गए। वर्ष 2015 में उनकी मुलाकात प्रदीप नामक व्यक्ति से हुई, जिन्होंने रणजीत को पैरा खेलों के बारे में बताया।

कंप्यूटर साइंस में इंजीनियर रणजीत तब एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत थे। रणजीत ने पैरा खेलों को अपना लिया और जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में अभ्यास करने लगे, पर नौकरी के चलते खेल को समय नहीं दे पा रहे थे। इस दौरान उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित एमएस धोनी-द अनटोल्ड स्टोरी फिल्म देखी।

नौकरी छोड़कर करने लगे अभ्यास

फिल्म में धोनी से प्रभावित हुए और नौकरी छोड़कर पूरी तरह से खेल में रम गए और वर्ष 2017 से फरीदाबाद में ही राज्य खेल परिसर सेक्टर-12 में अभ्यास करने लगे।

यहां पर खेल उपनिदेशक गिर्राज सिंह ने उन्हें आवश्यक टिप्स दिए और फिर सरकारी कोच पवन कुमार के सानिध्य में रह कर अभ्यास करने लगे। रणजीत का खेल निखरता चला गया और आगे बढ़ते चले गए। रणजीत गत वर्ष टोक्यो पैरालिंपिक दल में भी शामिल थे, पर पदक जीत नहीं सके।

एफ-57 श्रेणी के एथलीट रणजीत भाटी की उपलब्धियों पर एक नजर 2018 में हरियाणा राज्य पैरालिंपिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक 2019 में बेंगलुरू में आयोजित दूसरी इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक 2021 में बेंगलुरू में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक 2021 में बेंगलुरू में आयोजित तीसरी इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक 2021 में बहरीन में आयोजित यूथ एशियन पेरा गेम्स में स्वर्ण पदक 2022 में भुवनेश्वर में आयोजित 20वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक 2022 में टोक्यो पैरालिंपिक में भागीदारी ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा से प्रभावित रणजीत भाटी ने कहा कि आज देश में भाला को पहचान मिली है तो नीरज चोपड़ा उसकी प्रमुख वजह हैं। वो नेशनल हीरो हैं और हम सबको प्रेरित करते हैं।

गर्मियों में दानों से बचने के लिए खास टिप्स

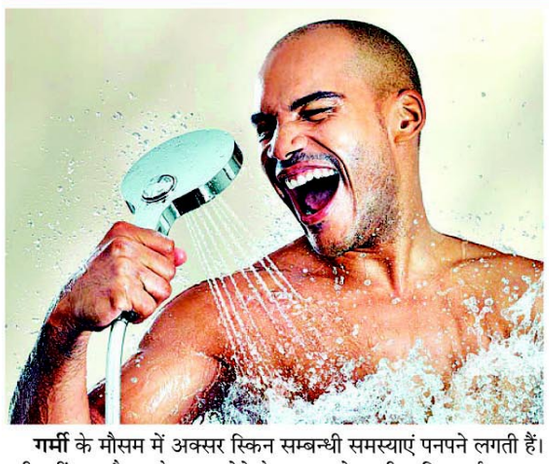

गर्मी के मौसम में अक्सर स्किन सम्बन्धी समस्याएं पनपने लगती हैं। यही नहीं इस मौसम के खत्म होने के बाद आने वाली बारिश कई बार इन समस्याओं में और भी बढ़ोत्तरी कर डालती है। ऐसे में जरूरी है कि इसे लेकर सजग रहा जाए।

बढ़ जाए जब तकलीफ: कई बार ध्यान न देने पर छोटी-सी फुंसी या फोड़े की तकलीफ भी गंभीर रूप ले लेती है। कुछ लोगों को गर्मी के मौसम में सर, आंखों या चेहरे पर पीली-लाल बड़ी फुंसियां होने की समस्या होती है। ये फुंसियां पककर फूटती हैं तो संक्रमण के फैलने की आशंका भी हो सकती है। इसके अलावा तैलीय या ऑइली स्किन वालों को भी पिम्पल्स ज्यादा उभरते हैं। ये फुंसियां दर्द, जलन, खुजली आदि जैसी तकलीफ दे सकती हैं। यदि ऐसे में पर्याप्त साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए तो यह घाव बढ़कर गंभीर हो सकता है।

जरूरी है रोज नहाना: गर्मी हो या अन्य मौसम, साफ पानी से नियमित नहाना सबसे पहली जरूरत है। इससे शरीर पर लगी धूल-मिटटी और पसीने की गंदगी साफ होती है। यही नहीं पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की भी आदत डालें। इससे शरीर को अंदर से साफ रखने में मदद मिलेगी।

भोजन में खाएं ताजे फल: कोशिश करें की भोजन में ताजे फल और सलाद ज्यादा खाएं। साथ ही तले-गले और गरिष्ठ भोजन से बचें। व्यायाम जरूर अपनाएं और सुबह ताजी हवा के सम्पर्क में आएं। जिम या अन्य एक्सरसाइज के दौरान आने वाले पसीने को साफ कपड़े से थपथपाकर पोंछें। इसके बाद अच्छे से नहाएं। कॉटन के या पसीने को सोखने वाले मटेरियल के कपड़े पहनें। अगर हो सके तो दिन में दो बार नहाएं। नहाने के पानी में एंटीसेप्टिक या अन्य संक्रमणों से बचाने वाले तेल आदि डालने से पसीने में दुर्गन्ध और संक्रमण से बचा जा सकता है, ऐसे उपाय अपनाएं।

आम से हो सकता संक्रमण: यदि आपको किसी प्रकार के संक्रमण की टेंडेंसी है या फैमिली हिस्ट्री है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। यदि 3-4 दिन में फोड़े-फुंसी ठीक न हों तो भी डॉक्टर से सलाह जरूर लें। आम से होने वाले संक्रमण के मामले में भी आमों को खाने से पहले अच्छी तरह धोने की और सावधानी से उसका ऊपरी सिरा हटाने की आदत डालें। हाथों को भी साफ रखने और अच्छे से धोने का ध्यान रखें। साथ ही अंडरगार्मेंट्स और अन्य कपड़ों को भी साफ रखें। ये भी संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

पसीना, प्रदूषण और बहुत कुछ: गर्मी के मौसम में पसीना फोड़े-फुंसी या रैशेज के होने का बड़ा कारण बन सकता है। लगातार आने वाले पसीने से एक जगह पर हुई तकलीफ शरीर में दूसरी जगहों पर भी पहुंच सकती है। इसके अलावा सीधे सूरज की किरणों या तेज गर्मी के सम्पर्क में आने, धूल-धुएं से, किसी खराब कॉस्मेटिक से, सिंथेटिक या मौसम के लिहाज से अन्य तरह के गलत मटेरियल के कपड़े पहनने से भी फोड़े-फुंसी या संक्रमण हो सकते हैं। घमौरियां तो इस मौसम में आम हैं ही। कई बार तो आम को गलत तरीके से खाने से भी लोगों को चेहरे पर घाव जैसा पनप जाता है। इन सभी के पीछे असल कारण मौसम और बढ़ा हुआ तापमान ही है।

डेस्क वर्कर्स के लिए हेल्थ टिप्स

दिन के एक बड़े हिस्से को ऑफिस डेस्क के सामने बिताने वाले लोगों के लिए फुल लेंथ एक्सरसाइज के बारे में सोचना थोड़ा मुश्किल होता है। दिनभर कीबोर्ड और ईमेल्स से जूझने के बाद लोग घर जाकर सिर्फ सोना पसंद करते हैं। लेकिन यहां दी गई तीन खास हेल्थ टिप्स की मदद से डेस्क वर्कर्स भी एक्टिव और एनर्जेटिक लाइफ जी सकते है।

पूरे दिन रहें फुल-ऑन एक्टिव

अक्सर देखा जाता है कि डेस्क वर्कर्स अपनी डेस्क पर ही लंच करना शुरु कर देते हैं और सोशल मीडिया यूज करते रहते हैं। यह एक नुकसानदायक प्रवृत्ति ह। दरअसल डेस्क वर्कर्स को कुछ वक्त अपनी डेस्क से दूर हटकर भी बिताना चाहिए। लगातार कंप्यूटर यूज करने से एक तो मानसिक थकान हो जाती है दूसरे आप शारीरिक रूप से थका हुआ फील करने लगते हैं। ऐसे में अपनी चेयर पर ही फैल कर बैठ जाते हैं जिससे आसानी से काम होता रहे। लेकिन यह काफी खतरनाक है। इससे बचने के लिए आप टाइपिंग नहीं करने की स्थिति में अपनी सीट पर ही खड़े हो सकते है। इसके अलावा अगर आप दफ्तर के किसी कोने में खड़े होकर दोस्तों के साथ गपशप कर रहे हैं तो वहां बैठने के लिए सीट ना खोजने लगें और जितनी देर हो सके खड़े रहने की कोशिश करें। इससे आप पूरे दिन एक्टिव रह पाएंगे।

टाइपिंग वालों के लिए टिप

कॉल-सेंटर, कस्टमर-केयर, डेस्क-जर्नलिज्म और प्रोफेशनल राइटिंग आदि प्रोफेशंस में लगे लोगों के वर्किंग आवर्स का 80 प्रतिशत टाइपिंग करते हुए बीतता है। एक्सेसिव टाइपिंग की वजह से कई बार उंगलियों और हाथों में जकड़न की शिकायत भी देखी जाती है। लेकिन एक रबर बैंड इस दिक्कत से निजात दिला सकती है। अगर आप ऐसे किसी प्रोफेशन में है तो आपको बस एक रबर बेस्ड हैंडबैंड खरीदना होगा। इसके बाद अपनी फिंगर्स के टिप को मिलाकर रबर बैंड के अंदर डालकर मुठ्ठी खोलने की कोशिश करना है। फिंगर टिप्स को उल्टी दिशा में बिना मोड़े हुए खोलने से आपकी फिंगर्स को भी टाइपिंग के स्ट्रेस से मुक्ति मिलेगी। यह एक्सरसाइज आप स्क्रॉल डाउन करते हुए, ईमेल पढ़ते हुए और टीवी देखते हुए भी कर सकते हैं।

खतरनाक है कंधों को झुकाना

अगर आप काम करते करते अपने कंधों को झुका लेते हैं तो इस आदत को आज से ही बदल लीजिए क्योंकि ऐसा करने से आप गर्दन, कंधे के दर्द और पीठ के दर्द से परेशान हो सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको अपनी कंप्यूटर स्क्रीन को अपनी आंखों के ठीक सामने रखना होगा। जिससे आपको नीचे झुककर ना बैठना पड़े।

व्हाइट ब्रेड और पास्ता से बढ़ सकता है डिप्रेशन

व्हाइट ब्रेड और पास्ता से बढ़ सकता है डिप्रेशन ऐसी रिसर्च सामने आई हैं जिनसे पता चला है कि यदि व्हाइट ब्रेड और पास्ता चीजों का इस्तेमाल अधिक किया जाए तो ब्लड शूगर घटने से डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं खास कर महिलाओं को।

मत खाइए व्हाइट ब्रेड और चावल

हाल में ही सामने आयी एक रिसर्च की मानें तो व्हाइट ब्रेड और चावल के खाने से बड़ी उम्र की महिलाओं को डिप्रेशन की समस्या हो सकती है। लेकिन अगर आप साबुत अनाज, चोकर और सब्जियों से भरपूर भेजन करें तो इसके असर को घटाया जा सकता है। इसी तरह रिफाइंड खाद्य से ब्लड शुगर लेबल घट जाता है। इसे इंसुलिन की मदद से कंट्रोल किया जाता है पर उससे डिप्रेशन बढ़ने के चांसेज होते हैं इसलिए इनसे बचें वही बेहतर है।

लगभग हर 100 में से तीन को होता है डिप्रेशन

एक अमेरिकन जनरल क्लीनिकल न्यूट्रीशन में छपी रिर्पोटस की मानें तो ब्रिटेन में किए गए सर्वे में पाया गया कि खाने के चलते हर 100 में से तीन लोगों को डिप्रेशन का शिकार पाया गया। शोधकर्ता कहते हैं कि इसे रोकने का एक ही तरीका है पर्याप्त न्यूट्रीशन लेना। ये स्टडी बताती है मासिक धर्म का सिलसिला खत्म कर चुकीं करीब 70000 महिलाओं में रिफाइंड कार्बोहाड्रेड के साथ डिप्रेशन के लक्षण पाए गए।

घटता ब्लड शुगर बढ़ता डिप्रेशन

अध्ययन में बताया गया कि रिफाइंड काब्रोहाइड्रेड जैसे व्हाइट ब्रेड और व्हाइट राइस के प्रभाव से आपके शरीर हारमोनल परिवर्तन होते हें और ब्लड शुगर का स्तर घट जाता है। इसका नतीजा मूड स्विंग्स और थकान जैसे डिप्रेशन के विभिन्न रूपों में सामने आता है खास कर महिलाओं में इसकी संभावना सबसे ज्यादा है। आपके रिफाइंड खाद्यों और ब्लड शुगर का सीधा कनेक्शन है इसलिए बेहतर होगा कि इससे बचने का प्रयास करें। डाइट्री फाइबर से भरपूर खाना, साबुत अनाज और सब्जियों का सेवन आपको सुरक्षित रखने में सहायक होते हैं। हां ताजे फल, (फलों का रस या बाजार में मिलने वाले फ्रूट जूस नहीं) भी आपके ब्लड शुगर को कंट्रोल करते हैं। वैसे अब वैज्ञानिक ये जानने के प्रयास में लगे हें कि कम उम्र की महिलाओ और पुरुषों में भी क्या ये समस्या पाई जाती है।

आपकी ये आदत गले के कैंसर को देती है न्यौता

चाय की गर्म चुस्कियां हो सकती हैं Dangerous

चाय की गर्म-गर्म चुस्कियां आपके लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ईरान में हुए एक अध्ययन के मुताबिक फटाफट बेहद गर्म चाय पीने से गले के कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। यह खबर गर्म चाय के शौकीनों और प्याले में तूफान की बात करने वाली चाय कंपनियों को परेशान कर सकती हैं। अगर गर्म चाय पर शोध करने वालों की मानें तो बेहद गर्म चाय फटाफट पीने से गले के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। तो आइए हम आपको बताते हैं कि गर्म चाय पीने के क्या नुकसान हैं।

पहले भी कर चुके हैं दावा

वैज्ञानिकों का कहना है कि चाय को थोड़ा-सा ठंडा होने दें, यानि उबलती हुई चाय पीने से बचें। इससे पहले ब्रिटेन के कुछ शोधकर्ता भी बेहद गर्म पेय पदार्थ पीने से बचने की सलाह दे चुके हैं। शोध करने वाले कहते हैं कि 70 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्म चाय पीने पर गले के कैंसर का खतरा आठ गुना बढ़ जाता है। रिसर्च के मुताबिक अगर 65 डिग्री सेल्सियस से कम ठंडी चाय पी जाए तो खतरे की संभावना न के बराबर है। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंस के रेजा मलेकिजादेह का दावा है कि उन्होंने उत्तरी ईरान में 571 स्वस्थ लोगों के चाय पीने की आदत का अध्ययन किया।

ज्यादातर लोगों की मौत

इस दौरान हर व्यक्ति ने एक दिन में एक लीटर बिना दूध की चाय पी। रेजा का दावा है कि जिन लोगों ने चाय दो मिनट से भी कम समय में पी, उनमें गले के कैंसर की संभावना धीरे-धीरे चाय पीने वालों से चार गुना ज्यादा पाई गई। उत्तरी ईरान के गोलेस्तान प्रांत में लोग मदिरापान और धूम्रपान बहुत कम करते हैं, लेकिन बावजूद इसके इस इलाके में कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। वैसे दुनियाभर में गले के कैंसर के हर साल पांच लाख नए मामले सामने आते हैं, जिनमें ज्यादातर लोग दम तोड़ देते हैं।

इन ड्रेसेज के साथ समर में अपनाएं कूल लुक

समर फैशन एक बार फिर से रंगत बिखेर रहा है। खासकर साड़ियों में ऐसे फैब्रिक्स पसंद किए जा रहे हैं, जो सीजन में कूल रहते हैं। इन फैब्रिक्स में लिनन का क्रेज खास नजर आ रहा है। हालांकि लिनन की साड़ियों का ट्रेंड नया है, लेकिन यह धीरे-धीरे काफी लोकप्रिय हो रहा है। चंदेरी और कोटा डोरिया में भी खास इनोवेशन देखे जा रहे हैं, वहीं समर में ऐसे और भी कलेक्शन आप अपना सकते हैं, जिसने आप काफी कूल महसूस करेंगे।

कैप्री की डिमांड बढ़ी

मूवी देखने जाना हो या फिर शॉपिंग करने जींस का झंझट छोड़ अब गर्ल्स कैप्री और शार्ट्स पसंद कर रही हैं। उनके मुताबिक गर्मी में सबसे कंफर्टेबल ड्रेस है। यही वजह की मार्केट में लोकल ब्रांड से लेकर ब्रांडेड कैप्री और शार्ट्स की मांग बढ़ गई है। गर्मी में शार्ट्स व कैप्री की डिमांड कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। इन दिनों मार्केट में शार्ट्स, लैगिंस, कैप्री, जैगिंस और हैरम पैंट्स छाए हुए हैं।

कॉटन चैक्स शॉर्ट्स

विभिन्न रंगों, डिजाइनों और मटेरियल में उपलब्ध ये समर वियर इन दिनों फैशन का पर्याय बन गई हैं। कॉटन चैक्स शार्ट्स की डिमांड गर्ल्स में सबसे ज्यादा है। ये कंफर्ट और कूल लुक देती है। कॉलेज कैंपस में अमूमन गर्ल्स को इसी ड्रेस में देखा जा सकता है। कूल कलर्स शार्ट्स को किसी भी टॉप के साथ वियर किया जा सकता है। इससे नया और स्टाइलिश लुक मिलेगा। इसके साथ होजियरी कैप्री भी पसंद की जा रही है। बड़े-बड़े फ्लॉवर प्रिंट, कार्टून, पोलका डॉट्स में ये लुभावने लगते हैं।

रेसिपी

जीरा आलू

सामग्री

मध्यम आकार के आलू- पांच छह उबले हुए, जीरा- आधा चम्मच, हींग- एक चुटकी, हरी मिर्च- दो तीन, धनिया पाउडर- डेढ़ टी स्पून, मिर्च पाउडर- एक टी स्पून, अमचूर पाउडर- एक टी स्पून घी या तेल- आधी कलछी, नमक- स्वाद अनुसार, हरी धनिया- आधा कप महीन काटी हुई।

विधि

एक पैन में तेल गरम करें और जब वह बहुत गरम हो जाए तब उसमें जीरा और हींग डालें। फिर उसमें हरी मिर्च काट कर डालें और 1 मिनट तक चलाएं। उसके बाद आंच को धीमा कर के धनिया पाउडर, अमचूर, मिर्च पाउडर डाल कर हल्के से चलाएं। उसके बाद पैन में उबले आलू को छील कर चार टुकड़ों में काट कर डाल मसाले के साथ मिक्स करें। इसके बाद इसमें नमक डालें और तब तक चलाते रहें जब तक कि आलू हल्के सुनहरे ना हो जाए। हल्की आंच पर 5 मिनट तक फ्राई करें और फिर गैस बंद कर के इसे हरी धनिया से गार्निश करें।

कोरगेट-लेमन केक

सामग्री

2 पके केले, 3 बड़े अंडे, 5 बड़े चम्मच शहद, 1 चम्मच वनिला एक्सट्रैक्ट, 75 ग्राम मक्खन, नरम करने के लिए, 375 ग्राम आटा, 1 चम्मच बेकिंग पाउडर, 50 ग्राम बादाम, 2 कोर्गेट्स कसे हुए, 1-2 नींबू स्वाद के अनुसार

विधि

सबसे पहले माइक्रोवेव को 200°C पर गर्म कर लीजिए और 20 सेंटीमीटर केक की बेस लाइन बना लीजिए। इसके बाद दूसरी ओर बड़े बाउल में केले को अच्छे से मसल लीजिए। इसमें अंडे, शहद और वनीला को मिला लीजिए। इस पूरे मिश्रण को और अच्छे से मिलाते रहिए। अब इसमें मक्खन भी मिला लीजिए और पूरे मिश्रण को चलाते रहिए। अब इसमें आटा और बेकिंग पाउडर भी मिला दीजिए। इसको अच्छे से मिलाने के बाद इसमें बादाम भी मिला दीजिए। अब दूसरी ओर कोरगेट में से पानी को अच्छी तरह से निचोड़ दीजिए और फिर इसमें नींबू का रस मिला दीजिए और सारे मिश्रण को एकसाथ मिला लीजिए। अब इस पूरे मिश्रण को तैयार किए गए केक लेयर में डाल दें। इसे माइक्रोवेव में रखकर 30 मिनट के लिए बेक करें। इसे तक तक बेक करना है जब तक ये हल्का सख्त न हो जाए। माइक्रोवेव से निकालने के बाद इसे 10 मिनट तक लेयर में ही रहने दें, अभी न निकालें। अब इसे बाहर निकालकर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद अपने बच्चों और परिवार को सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**